राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, दिल्ली, गौतमबुद्धनगर, बुलन्दशहर, अलीगढ़, मेरठ, शामली, मुजफ्फरनगर, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, सम्भल, रामपुर, बरेली व लखनऊ आदि जनपदों में प्रसारित

केन्द्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

दैनिक

हिन्दी समाचार पत्र

बुलन्द संदेश

R.N.I No.UPHIN /2013/57267

आपकी आवाज को करें बुलन्द...

11 निकिता दत्ता की लेटेस्ट फोटोज ने इंटरनेट...

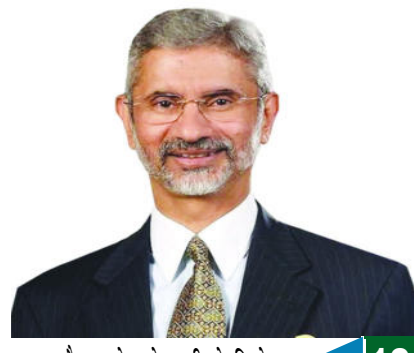

पाक अवैध कब्जे वाले कश्मीर के हिस्से ... 12

गाजियाबाद, शुक्रवार 07 मार्च 2025 | Email: BulandSandesh@gmail.Com | वर्षः 11 अंकः 365, मूल्यः 2 रुपये, पृष्ठ -12

न्यूज डायरी

एससी का बड़ा फैसला, लंबे समय तक लिव इन में रहकर महिला नहीं लगा सकती रेप का आरोप

नई दिल्ली (आरएनएस)। लंबे समय तक लिव इन में रहने के बाद महिला अपने साथी पर बलात्कार का आरोप नहीं लगा सकेगी। सुप्रीम कोर्ट ने एक दुष्कर्म केस की सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया है। खास बात है कि दोनों एक दशक से ज्यादा समय तक साथ रहे थे। अदालत ने इसे रिश्तों

में खटास आने का मामला करार दिया है। साथ ही अपीलकर्ता पुरुष को आपराधिक कार्यवाही से राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि कोई महिला लंबे समय तक (यहां 16 साल) लिव-इन रिश्ते में रहती है, तो बाद में अपने साथी पर बलात्कार का आरोप नहीं लगा सकती। कोर्ट ने कहा कि महिला और आरोपी के बीच 16 साल तक का संबंध रहा, जिससे यह सिद्ध होता है कि शारीरिक संबंध सहमति से और बिना किसी बाधा के बने रहे। महिला का तर्क था कि आरोपी ने शादी का वादा करके उन्हें फंसाया, लेकिन इतने लंबे समय तक संबंध में रहने से यह आरोप कमजोर पड़ जाता है। अदालत ने यह माना कि दोनों के बीच रिश्ते में धीरे-धीरे खटास आ गई थी, न कि जबरदस्ती या धोखे का मामला। इन तथ्यों के आधार पर, आरोपी को आपराधिक कार्यवाही से राहत दी गई।

दर्दनाक हादसा : ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कार, 6 लोगों की मौत, एक की हालत गंभीर

सिरोही (आरएनएस)। राजस्थान के सिरोही जिले के आबूरोड सदर थाना क्षेत्र के किवरली के पास गुरुवार तड़के करीब 3 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा में छह लोगों की जान चली गई। हादसा तब हुआ जब एक कार में 7 लोग सवार होकर अहमदाबाद से जालोर जा रहे थे। तभी किवरली के पास कार एक ट्रक से जा टकराई। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, वहीं

एक महिला गंभीर रूप से घायल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद सिरोही रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर सीओ गोमाराम, सदर थानाधिकारी दर्शनसिंह, एसआई गोकुलराम, हैड कांस्टेबल विनोद और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जांच शुरू की। सीओ गोमाराम ने बताया कि कार सवार अहमदाबाद से जालोर जा रहे थे। जब उनकी कार नेशनल हाइवे 27 पर किवरली के पास आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई।

कार में सात लोग सवार थे, जिनमें से चार की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। एक महिला गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज सिरोही भेज दिया गया। हेड कांस्टेबल विनोद लाम्बा ने बताया कि वह रात के समय गश्त पर थे। किवरली से आगे जाने पर जबरदस्त दुर्घटना की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद वह दो मिनट में मौके पर पहुंचे और उच्च अधिकारियों और एंबुलेंस को सूचना दी। ट्रक में फंसी कार को बाहर निकालने के लिए क्रेन को बुलाया गया और करीब 40 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला जा सका। हादसे में मृतकों में नारायण प्रजापति (58), उनकी पत्नी पोशी देवी (55), बेटा दुष्यंत (24), चालक कालूराम (40), यशराम (4) और जयदीप (6) शामिल हैं। घायल महिला दरिया देवी (35) को सिरोही में उपचार मिल रहा है। मृतक जालोर जिले के निवासी थे। वे अहमदाबाद से जालोर लौट रहे थे, जब उनकी कार ट्रक से पीछे से टकरा गई। सीओ गोमाराम ने मीडिया से बातचीत में कहा, यह घटना सुबह 3 बजे की है। ट्रक और कार के बीच दुर्घटना हुई। मृतक सभी जालोर जिले के रहने वाले थे और अहमदाबाद से जालोर जा रहे थे।

उत्तराखंड के हर्षिल पहुंचे पीएम मोदी, मुखीमठ मंदिर में की मां गंगा की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के मुखवा गांव स्थित मुखीमठ मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस मंदिर को गंगा नदी का शीतकालीन निवास माना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और मां गंगा से आशीर्वाद लिया। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचे।

- **मैं मुखवा में पतित पावनी मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल के दर्शन के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह पवित्र स्थान अपने आध्यात्मिक महत्व और अद्भुत सौंदर्य के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है।**
- **इतना ही नहीं, यह 'विरासत भी और विकास भी के हमारे संकल्प का एक अनूठा उदाहरण है। उन्होंने कहा, देवभूमि उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं**

सर्दियों के मौसम में दिवाली के दिन प्रसिद्ध गंगोत्री मंदिर में स्थित देवी गंगा की मूर्ति को मुखबा के मुखीमठ मंदिर में ले जाया जाता है। यह स्थानांतरण इसलिए होता है क्योंकि भारी बर्फबारी और कम तापमान के कारण गंगोत्री मंदिर बंद हो जाता है। छह महीने तक गंगा की मूर्ति की पूजा मुखीमठ मंदिर में की जाती है, जब तक कि गर्मियों में गंगोत्री मंदिर फिर से नहीं खुल जाता। मंदिर के फिर से खुलने पर, मूर्ति को उत्सव से भरे एक भव्य जुलूस के साथ गंगोत्री मंदिर में वापस लाया जाता है। देहरादून के जॉलीग्रांट हवाई अड्डे पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया। सीएम धामी ने ट्वीट कर कहा, मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल

मुखवा (उत्तरकाशी) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। हर्षिल-मुखवा की पावन धरती पर प्रधानमंत्री मोदी का आगमन एक ऐतिहासिक क्षण है।

उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा मुखिमनाथ (मुखवा) को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने तथा राज्य की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को मजबूत करने की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण है।इइ मुख्यमंत्री ने कहा, मुखवा में इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनकर हम सभी गौरवान्वित हैं। समस्त प्रदेशवासियों की ओर से यशस्वी प्रधानमंत्री का देवभूमि उत्तराखंड के शीतकालीन दौरे पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।

इससे पहले बुधवार को यात्रा की जानकारी साझा करते हुए पीएम मोदी ने एक्स को लिखा, मुझे बहुत खुशी है कि देवभूमि उत्तराखंड की डबल इंजन सरकार ने इस वर्ष शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया है। इससे जहां धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं होमस्टे सहित कई स्थानीय व्यवसायों को भी फलने-फूलने के अवसर मिल रहे हैं।उन्होंने कहा, मैं मुखवा में पतित पावनी मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल के दर्शन के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह पवित्र स्थान अपने आध्यात्मिक महत्व और अद्भुत सौंदर्य के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। इतना ही नहीं, यह 'विरासत भी और विकास भी के हमारे संकल्प का एक अनूठा उदाहरण है। उन्होंने कहा, देवभूमि उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। यात्रा से एक दिन पहले, प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने उत्तराखंड में दो प्रमुख रोपवे परियोजनाओं को मंजूरी दी।

अरविंद केजरीवाल को मिलती रहेगी जेड कैटेगरी की सुरक्षा, वीआईपी सिक्योरिटी रिव्यू के बाद एमएचए ने लिया फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को जेड कैटेगरी की सुरक्षा मिलती रहेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सिक्योरिटी रिव्यू के बाद यह फैसला लिया है।

फैसले के बाद केजरीवाल की जेड कैटेगरी सुरक्षा को फिलहाल बरकरार रखा गया है। हालांकि, आईबी और दिल्ली पुलिस के द्वारा खतरे के आकलन के बाद इस पर आगे फैसला लिया जाएगा। इस संबंध में दिल्ली पुलिस की सिक्योरिटी विंग केंद्रीय गृह मंत्रालय को मौजूदा सुरक्षा स्थिति को लेकर रिपोर्ट भेज सकती है। बता दें कि केजरीवाल को जेड प्लस की सुरक्षा मिली हुई है। वो दूसरे राज्य की सुरक्षा की नहीं ले सकते और न और न उनको दूसरे राज्य से सुरक्षा मिल सकती है। ये कानूनी तौर पर गलत है। अगर दूसरे राज्य के आते हैं और उनके साथ सुरक्षा होती है, तो वो भी 72 घंटे ही सिक्योरिटी रख सकते हैं। उसके लिए भी दिल्ली पुलिस को जानकारी देनी होती है। अगर जानकारी नहीं देते हैं, तो ये कानूनन गलत है।

तमिलनाडुः आबकारी मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके समर्थकों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

करूर (आरएनएस)। तमिलनाडु में धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को 10 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के तहत राज्य के आबकारी मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके समर्थकों के घरों पर भी छापेमारी की गई है।

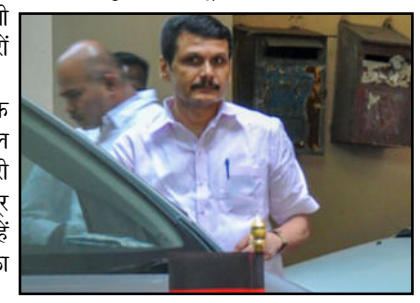

सूत्रों के अनुसार, ईडी के 10 से अधिक अधिकारियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ मिलकर छापेमारी की। इनमें प्रमुख रूप से करूर जिले के रायनूर स्थित कोंगू मेस के मालिक मणि (जिन्हें सुब्रमण्यम के नाम से भी जाना जाता है) का घर शामिल है।

इसके अलावा, इरोड रोड पर सरकारी ठेकेदार एम. शंकर आनंद और शक्ति मेस के मालिक कार्थी के आवासों पर भी छापेमारी की जा रही है। ये सभी लोग मंत्री सेंथिल बालाजी के समर्थकों के रूप में पहचाने जाते हैं।

ईडी की यह छापेमारी धन शोधन के मामले में चल रही जांच का हिस्सा है, जिसके तहत कई महत्वपूर्ण स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है।सूत्रों के अनुसार, ईडी के अधिकारी इस कार्रवाई के दौरान कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज और साक्ष्य जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। मंत्री सेंथिल बालाजी पर कई गंभीर आरोप हैं, जिनमें वित्तीय धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और धन शोधन जैसे मामले शामिल हैं। ईडी इन आरोपों की गहन जांच कर रहा है, और इससे संबंधित दस्तावेजों को जब्त किया जा सकता है, जो कानूनी कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

झारखंड भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष का सस्पेंस खत्म

रांची (आरएनएस)। बाबूलाल मरांडी को झारखंड विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। गुरुवार को रांची के हरमू रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में केंद्रीय पर्यवेक्षकों भूपेंद्र यादव और के. लक्ष्मण की मौजूदगी में हुई विधायकों की बैठक में उनके नाम पर सर्वसम्मति बनी। इसके साथ ही विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष को लेकर पिछले साढ़े तीन महीनों से चला आ रहा सस्पेंस खत्म हो गया है। पार्टी आज ही स्पीकर को विधायक दल के नेता के निर्वाचन की सूचना देगी। नेता चुने जाने के बाद मरांडी ने कहा कि

उन्हें पार्टी के नेतृत्व और विधायकों ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए वह आभारी हैं। उन्होंने कहा, अपनी पूरी क्षमता और ताकत के साथ सदन के अंदर और बाहर दल को मजबूत बनाने के लिए हर पल कार्य करूंगा। संगठन को और कैसे मजबूत किया जा सकता है, उसके लिए प्रयासरत रहूंगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने किया स्कूलों का निरीक्षण, खामियों पर बोलीं- ऐसी उम्मीद नहीं थी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को शालीमार गांव के वार्ड नंबर 55 स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल में पेयजल की सुविधा से लेकर क्लासरूम तक का निरीक्षण किया। कई खामियां दिखीं। इस पर उन्होंने फौरन मौके पर मौजूद स्कूल की प्रिंसिपल से कहा, ऐसी उम्मीद नहीं थी। आप यह मानिए कि यहां पर गलत हो रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रिंसिपल से कहा कि यहां पर पीने का पानी नहीं आ रहा है। क्या करें? बताइए, इसे हटा दें।

इसके बाद प्रिंसिपल ने कहा, मैम, आज ठीक हो जाएगा। इस पर मुख्यमंत्री ने प्रिंसिपल से कहा कि मुझे आपसे इस जवाब की उम्मीद नहीं थी। आप यह मान लीजिए कि यहां पर गलत हो रहा है। बच्चों के लिए यहां पीने का पानी नहीं आ रहा है। टॉयलेट में पानी नहीं आ रहा है। यह ठीक नहीं है। आप इस चीज को मानिए। इस पर प्रिंसिपल ने मुख्यमंत्री से कहा कि सॉरी मैम, आज ठीक हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि न ही स्कूल में बच्चों के लिए पीने के पानी की कोई उचित व्यवस्था की गई है और न ही शौचालय में उनके लिए पानी की व्यवस्था है। विद्यालय में इस तरह के कुप्रबंधन से बच्चों को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी।

मुख्यमंत्री ने प्रिंसिपल से इन सभी खामियों को फौरन दुरुस्त कराने को कहा। उन्होंने कहा कि आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि विद्यालय में पढ़ने वाले किसी भी विद्यार्थी को कोई दिक्कत न हो। यह आपकी जिम्मेदारी है। आप अपनी जिम्मेदारियों से नहीं भाग सकती हैं। इस पर प्रिंसिपल ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि इन सभी समस्याओं को दूर कर लिया जाएगा।इसके बाद मुख्यमंत्री ने क्लासरूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एक-एक चीज को बहुत ही ध्यान से देखा। उन्होंने बैंच से लेकर ब्लैकबोर्ड तक का निरीक्षण किया।मुख्यमंत्री ने स्कूल का पूरा दौरा करने के बाद कहा कि हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि यहां पढ़ने वाले बच्चों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हो।

कामयाबी — एसटीएफ और पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी

बब्बर खालसा का आतंकी गिरफ्तार, आईएसआई से भी जुड़े हैं तार

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी से बब्बर खालसा इंटरनेशनल और आईएसआई मॉड्यूल के सक्रिय आतंकी को गिरफ्तार किया गया है। आतंकी का नाम लाजर मसीह बताया जा रहा है। उसे यूपीएसटीएफ और पंजाब पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन में गिरफ्तार किया है। आतंकी की गिरफ्तारी कौशांबी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र से हुई है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल और आईएसआई मॉड्यूल के सक्रिय आतंकवादी लाजर मसीह पुत्र कुलविंदर पंजाब के अमृतसर जिले का रहने वाला है। उसका परिवार गांव कुरलियान पोस्ट-माकोवल, थाना रामदास में रहता है। आतंकी की गिरफ्तारी गुरुवार सुबह लगभग 3:20 बजे हुई है। गिरफ्तारी अभियान कौशांबी जिले के

कोखराज थाना क्षेत्र में किया गया। पता चला है कि आतंकी बब्बर खालसा इंटरनेशनल के जर्मन-आधारित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी के लिए काम करता है। इतना ही नहीं, आतंकी के पाकिस्तान के आईएसआई के साथ संपर्क का भी खुलासा हुआ है। आतंकी के पास से तीन हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, 13 कारतूस और एक 7.62 एमएम की विदेशी पिस्टल के साथ ही गाजियाबाद का पता लिखा हुआ आधार कार्ड भी बरामद हुआ है। आतंकी के पास से तीन हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, एक विदेशी पिस्टल समेत दो हथियार बरामद हुए हैं। साथ ही विदेश निर्मित सफेद विस्फोटक भी बरामद किया गया है। इसके अलावा उसके पास से गाजियाबाद के पते का आधार कार्ड और बिना सिम कार्ड वाला एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (यूपी विशेष कार्य बल, कानून एवं व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि उसे कौशांबी के कोखराज थाना क्षेत्र में चलाए गए अभियान में सुबह करीब 3:20 बजे गिरफ्तार किया गया। यश ने कहा, गिरफ्तार आतंकवादी बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के जर्मनी स्थित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी के लिए काम करता है और पाकिस्तान स्थित आईएसआई के गुर्गों के सीधे संपर्क में है। बता दें कि 24 सितंबर 2024 को आतंकी पंजाब पुलिस की हिरासत से फरार हुआ था। यूपी एटीएस और पंजाब पुलिस के इस ज्वाइंट ऑपरेशन को बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। फिलहाल आतंकी से पूछताछ में कई बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

हरियाणा के हिसार में दर्दनाक हादसा कार पेड़ से टकराई, 4 दोस्तों की मौत

हिसार (आरएनएस)। हरियाणा के हिसार जिले में मंगली रोड पर बुधवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। चारों एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में उनकी कार बेकाबू होकर एक पेड़ से टकरा गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की गति बहुत तेज थी, जिसके कारण मोड़ पर नियंत्रण खो बैठी और सीधे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एयरबैग खुलने के बावजूद कोई भी बच नहीं पाया। हादसे में एक युवक, हितेश, कार से बाहर गिर गया, जबकि बाकी तीन युवक कार में ही फंसे रह गए।

मृतकों की पहचान अंकुश (19), निखिल, हितेश और साहिल के रूप में हुई है। चारों पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ते थे और गहरे दोस्त थे। वे मंगली एक दोस्त की शादी में शामिल होने आए थे। परिजनों के मुताबिक, चारों दोस्त हरिकोट के पास एक पैलेस में शादी में शामिल हुए थे, फिर हिसार पीएलए से कुछ सामान लेने के बाद वापस लौट रहे थे। इस दौरान हादसा हुआ। अंकुश अपने परिवार का इकलौता बेटा था और निखिल का बचपन से करीबी दोस्त था। हादसा हरिकोट गांव के पास एक तीखे मोड़ पर हुआ। यह मोड़ पहले भी कई हादसों का कारण बन चुका है। हादसे की सूचना मिलते ही आजाद नगर थाना प्रभारी साधुराम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

Email Id : Bulandsandesh@gmail.com

दैनिक बुलन्द संदेश

आबकारी दुकानों के व्यवस्थापन हेतु प्रथम चरण की ई-लॉटरी सफलतापूर्वक एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न

बुलन्द संदेश ब्यूरो

बुलंदशहर । जिला प्रदर्शनी मैदान स्थित रविन्द्र नाट्यशाला में आयुक्त, मेरठ मण्डल, मेरठ श्री हृषिकेश भास्कर यशोद एवं जिलाधिकारी श्रीमती श्रुति के नेतृत्व एवं निर्देशन में वर्ष 2025-26 के लिए आबकारी दुकानों के व्यवस्थापन हेतु प्रथम चरण की ई-लॉटरी सफलतापूर्वक एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। जिसमें यथोनिर्देशित नियमों का अनुपालन करते हुए देशी शराब की 230 दुकानों के सापेक्ष 226 दुकानों के आवंटन हेतु 2143 आवेदन व भांग की 14 दुकानों के सापेक्ष 11 दुकानों के आवंटन हेतु 42 आवेदन एवं कम्पोजिट शाप की 168 दुकानों के सापेक्ष 2107 आवेदन तथा 08 माडलशाप दुकानों के सापेक्ष 93 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसमें आज प्रथम चरण की ई-लॉटरी द्वारा देशी शराब की 230 दुकानों के सापेक्ष 226 दुकान व भांग की 14 दुकानों के सापेक्ष 11 दुकान एवं कम्पोजिट शाप की 168 दुकानों के सापेक्ष 168 दुकान तथा 08 माडलशाप दुकानों के सापेक्ष 08 दुकानें आवंटित हुई हैं। कुल 420 दुकानों के सापेक्ष 413 दुकानों का व्यवस्थापन ई-लाटरी के माध्यम से सम्पन्न कराया गया। इस अवसर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री श्लोक कुमार एवं मुख्य विकास अधिकारी श्री कुलदीप मीना एवं आवेदनकर्ता सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा की केंद्र सरकार किसान हितैषी नहीं हो सकती: चौधरी धर्मेंद्र सिंह

बुलन्द संदेश ब्यूरो

बुलंदशहर। भाकियू (असली) अधिवक्ता प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी धर्मेंद्र सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक कलैक्ट्रेट स्थित कैम्प कार्यालय पर आहूत की गई। भाजपा की केंद्र सरकार किसान हितैषी नहीं हो सकती। और ना ही अन्नदाता के विकास के लिए कोई काम कर रही है।

उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए अधिवक्ता प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि किसान नेता सरदार जगजीत सिंह दल्लेवाल को किसानों की समस्याओं विशेष रूप से एम .एस .पी.को लेकर आन्दोलन कर रहे हैं परन्तु 100 दिन बीत जाने पर भी केंद्र सरकार उदासीन बनी हुई है तथा किसानों की समस्याओं के प्रति गम्भीर नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा ही किसानों की समस्याओं की आवाज बुलंद कर रहा है।चौधरी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि खनोरी बार्डर पर किसान आंदोलन को समर्थन देने के लिए भारतीय किसान यूनियन (असली) अधिवक्ता प्रकोष्ठ गांव गांव जाकर किसानों से मिलकर जागरूकता अभियान चलाएगी और किसान आन्दोलन को और तेज किया जाएगा। किसानों के विकास के बिना कोई भी देश विकसित देश नहीं बन सकता।बैठक में ऐनुल इस्लाम, मौहम्मद राशिद, सुभाष ठाकुर, अमरपाल सिंह, राजेश जोशी, करनपाल सिंह लोधी, तेजपाल सिंह लोधी आदि उपस्थित रहे। संचालन अमरपाल सिंह ने किया।

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भाकियू चढ़ूनी ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

शिकारपुर। तहसील में गुरुवार को तहसील गेट पर किसानों ने गन्ना की जलाई होली। भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी ने किसानों की विभिन्न

किसानों की अलग-अलग समस्याओं को लेकर तहसीलदार और सीओ को दिया गया ज्ञापन

समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार विपिन वर्मा को सौंपा तथा भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के एनसीआर अध्यक्ष कुलदीप उर्फ गुड्डू चौधरी ने बताया है कि किसानों को गन्ने के रेट में 50 रुपए की बढ़ोतरी की जाए तथा बारिश ओलावृष्टि से बर्बाद हुई किसानों की फसल का आकलन कराकर मुआवजा दिया जाए, किसानों की

खतौनी में गड़बड़ी को सही कराया जाए, आवारा गोवंशों से किसानों को छुटकारा मिले और उन्हें गौशाला भिजवाया जाए किसानों की तमाम समस्याओं को लेकर आज मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा गया है। और कहा गया है कि यदि इन समस्याओं को 18 मार्च तक हल नहीं कराया गया तो उसके बाद तहसील में एक किसानों की महापंचायत होगी। उधर एक ज्ञापन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नाम सीओ शिव ठाकुर को अवगत कराते हुए कहा है कि सलेमपुर पुलिस ने पढ़ने वाले बच्चों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है जो की सभी बच्चे किसानों के हैं। वह मुकदमा वापस लिया जाए। इस मौके पर तहसील और सीओ ऑफिस पर तमाम किसान कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रमजान में फलों की कीमत में उछाल, रमजान के पवित्र माह में चल रहा इबादत का दौर

बुलन्द संदेश ब्यूरो

शिकारपुर। रमजान के चलते फलों की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है रोजेदारों को महंगाई से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फलों के थोक व फुटकर भाग में काफी अंतर है जिसका

फलों पर महंगाई से रोजेदारों को हो रही दिक्कत

असर लोगों की जेब पर पड़ रहा है। खजूर के दामों में भी काफी इजाफा हुआ है। खीरा तरबूज जैसे स्थानीय फल भी महंगे कीमत पर बिक रहे हैं । रमजान के पवित्र महीने में इबादत का दौर चल रहा है लेकिन इफ्तारी व.सहरी के सामानों में आई महंगाई की वजह से रोजेदारों को दिक्कत हो रही है। फलों व खजूर के

आसमान छूते दामों में अकीदतमदो मुश्किल बड़ी हुई है।

रमजान में महीने में फलों तथा खजूर की मांग एकदम बढ़ जाती है। जगह-जगह थोड़ा और ठेलों पर तरह-तरह के खजूर की बिक्री हो रही है। रमजान माह में 120 से 800 किलो तक की खजूर बाजार में बिक रही. है। खजूर कई देशों से आता है, लेकिन गुजरात और राजस्थान के खजूर को खूब पसंद किया जा रहा है। अधिकांश रोजेदार अफतारी मैं खजूर खाकर रोजा खोलते हैं इसलिए रोजाना बड़ी मात्रा में खजूर की खपत हो रही है।

कुरान में भी है खजूर से रोजा इफ्तारी करने का जिक्र जामा मस्जिद के मौलाना अकील अहमद का कहना है कि रोजेदारों के लिए खजूर का बहुत महत्व है। मान्यता है कि पैगंबर मोहम्मद अपना रोजा खजूर से ही खोला करते थे धर्म की किताबों में भी इसका जिक्र है। खजूर न हो तो पानी से रोजा खोला जा सकता है।

फलों के दामों पर एक नजर

, सेव 180रु. किलो, केला 80रु. दर्जन, अंगूर 100रु. किलो, पपीता 60रु. किलो, तरबूज 40रु. किलो संतरा 80रु. किलो।

नाला निर्माण में अनियमितताओं से स्थानीय लोगों में आक्रोश, घटिया किस्म की ईट प्रयोग करने का आरोप

बुलन्द संदेश ब्यूरो

शिकारपुर। नगर पालिका क्षेत्र में पालिका द्वारा नाले का निर्माण कराया जा रहा है। नगर में चल रहे एक नाला निर्माण के कार्य में भारी अनियमितता बरती जा रही है। इससे स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। नगरवासियों का आरोप है कि सड़क किनारे चल रहे नाला निर्माण कार्य में ठेकेदार के द्वारा मानकों की अनदेखी की जा रही है। निर्माण में पीरा ईंट का ही प्रयोग किया जा रहा है। ऐसे में यह नाला एक वर्ष से ज्यादा नहीं टिक पाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मेरठ बदायूं हाईवे स्थित अग्रसेन चौक से बाजार में जाने वाले मार्ग के किनारे पालिका द्वारा नाला निर्माण कराया जा रहा है जिसमें भारी अनियमिताएं बरती जा रही है नगर की स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंच कर मानक विहीन हो रहे। इस निर्माण कार्य का विरोध किया। यहां मौजूद नगरवासियों का कहना था कि पालिका द्वारा नाले का निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। नाले के निर्माण में भारी अनियमितताएं बरती जा रही हैं। नाला निर्माण कार्य में गुणवत्ता का जरा भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। घटिया दोयम दर्जे की ईंटों से हो रहे नाला निर्माण कार्य से सिर्फ सरकारी धन का ही दुरुपयोग होगा, जबकि स्थानीय लोगों को इसके निर्माण का कोई लाभ नहीं मिलेगा। ऐसे में नाराज स्थानीय लोगों ने ठेकेदार एवं नगर पालिका पर लगाया साठगांठ का आरोप स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर मानक के अनुरूप नाला निर्माण कराने की मांग की है। उधर पालिका ईओ नीतू सिंह ने बताया कि नगर में चल रहे नाले के निर्माण में किस तरह की सामग्री लगाई जा रही है जांच कराई जाएगी जांच में ठेकेदार दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वर्जन

एसडीएम ने बताया है कि वायरल वीडियो का मामला संज्ञान में आया है जिसको लेकर ईओ शिकारपुर को तत्काल निर्देश दिए गए हैं कि मौके पर पहुंच कर देखें और रिपोर्ट प्रेषित करें। यदि मामला सही पाया जाता है तो संबंधित अधिकारी एवं ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने किया कुख्यात गिरोह का भंडाफोड़, चोरी के 132 डीआई पाइप बरामद, चार गिरफ्तार

बुलन्द संदेश ब्यूरो

डिबाई (केपीसिंह चौहान)। थाना पुलिस ने एक कुख्यात गिरोह के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से डीआई (डक्ट आयरन) पाइप चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी किए गए 132 डीआई पाइप, एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

गिरफ्तारी और बरामदगी

पुलिस के अनुसार, इन अपराधियों को 6 मार्च 2025 को ग्राम खरकवारी के रामलीला मैदान के पास से गिरफ्तार किया गया। यह गिरोह बुलंदशहर, अलीगढ़ और आगरा सहित कई जिलों में सक्रिय था और चोरी किए गए पाइपों को अलीगढ़ और पलवल में बेचता था। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम और पतेः कलुआ पुत्र चाँद खाँ, निवासी ग्राम भूरे का नगला, थाना सासनी, जिला हाथरस जीशान पुत्र मेहरबान खाँ, निवासी ग्राम भूरे का नगला, थाना सासनी, जिला हाथरस,रिजवान पुत्र मेहरबान खाँ, निवासी ग्राम भूरे का नगला, थाना सासनी, जिला हाथरसनरेश कुमार पुत्र स्व. अमीपाल, निवासी ग्राम भौरा, थाना ककोड, जिला बुलंदशहर, हाल पता आशा ज्योति स्कूल, हरिजन मोहल्ला, साहूपुरा, बल्लभगढ़, थाना सदर, जिला फरीदाबाद पुलिस ने बरामद 132 डीआई (डक्ट आयरन) पाइपएक अवैध तमंचा,एक जिंदा कारतूस,दो चोरी की मोटरसाइकिलें किये।

हैमर थ्रो में प्रथम रही रिंकी, प्राचार्य ने किया उत्साह वर्धन, शारीरिक महोत्सव के चैंपियन रहे निशांत कश्यप

बुलन्द संदेश ब्यूरो

शिकारपुर। नगर के श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय में बृहस्पतिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विपिन वर्मा तहसीलदार व प्राचार्य डॉ. ललित कुमार गुप्ता ने ध्वजारोहण करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की थी। तथा महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने अपने-अपने विभागों के बैनर लेकर मार्च फास्ट किया तथा उपस्थित अतिथियों को सलामी दी। महाविद्यालय की शारीरिक विभाग के विभाग अध्यक्ष बृजपाल सिंह ने बताया कि प्रतिभागियों ने विभिन्न खेलों मे अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। 100 मी0 दौड में निशांत कश्यप व निधि चैधरी, 200 मी0 दौड में निशांत कश्यप व नीरू , 400 मी0 दौड में निशांत कश्यप व अंशु ,1500मी0 दौड में लोकेन्द्र सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूद में निशान्त कश्यप व उमा शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बॉलीबॉल में बी0कॉम की टीम एवं खो-खो में बी0ए0 तृतीय वर्ष की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हैमर थ्रो में रिंकी , बैंडमिंटन में दृष्टि शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शारीरिक महोत्सव के चैंपियन निशान्त कश्यप रहे। इस अवसर पर प्राचार्य डॉक्टर ललित कुमार गुप्ता, उप प्रधानाचार्य डॉक्टर नीरज कुमार ,रिशु भारद्वाज, गुणेश कुमार ,पुष्पेंद्र सिंह ,राहुल भारद्वाज, आदि अध्यापक गण मौजूद रहे।

जनपद न्यायालय बुलन्दशहर परिसर में नवनिर्मित 19-कक्षीय न्यायालय भवन का ई-लोकार्पण

बुलन्द संदेश ब्यूरो

बुलन्दशहर। माननीय न्यायमूर्ति श्री अरूण भंसाली, मुख्य न्यायाधीश, माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के कर कमलों द्वारा माननीय न्यायमूर्ति श्री मनोज कुमार गुप्ता, अध्यक्ष अवस्थापना समिति/ वरिष्ठ न्यायाधीश, माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद एवं माननीय न्यायमूर्ति श्री जे.जे. मुनीर, प्रशासनिक न्यायाधीश बुलन्दशहर / न्यायाधीश, माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की गरिमामयी उपस्थिति में जनपद न्यायालय बुलन्दशहर परिसर में नवनिर्मित 19-कक्षीय न्यायालय भवन का ई-लोकार्पण दिनांक 05.03.2025 दिन बुधवार को सम्पन्न हुआ। माननीय न्यायमूर्ति श्री मनोज कुमार गुप्ता, अध्यक्ष अवस्थापना समिति / वरिष्ठ न्यायाधीश, माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद वी.सी. के माध्यम से उपस्थित रहे। माननीय न्यायमूर्ति श्री जे.जे. मुनीर, प्रशासनिक न्यायाधीश बुलन्दशहर / न्यायाधीश, माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद अपनी धर्मपत्नी श्रीमती एस.ए. मुनीर के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे। माननीय न्यायमूर्ति श्री जे.जे. मुनीर, प्रशासनिक न्यायाधीश बुलन्दशहर / न्यायाधीश, माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के द्वारा अपनी धर्मपत्नी श्रीमती एस.ए. मुनीर के साथ 19-कक्षीय न्यायालय भवन का हवन-पूजन कर एवं फीता काटकर भवन का निरीक्षण किया गया। 19-कक्षीय न्यायालय भवन में 19 नग न्यायालय कक्ष मौजूद हैं। भवन में दिव्यांगजनों की सुविधा हेतु रैम्प व प्रसाधन मौजूद है एवं भवन के भूतल पर जलपान-गृह (ऊँझ्ीझ्ं) भी मौजूद है। इस अवसर पर श्री मंजीत सिंह श्यौराण, जनपद न्यायाधीश बुलन्दशहर, श्री विशंभर प्रसाद, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, डा० श्रीमती मनु कालिया, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण व न्यायिक तथा प्रशासनिक अधिकारीगण मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त सिविल बार एसोसिएशन एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारीगण तथा कार्यदायी संस्था सी एण्ड डी एस यूनिट-07 मेरठ के परियोजना प्रबंधक व स्थानिक अभियन्ता मौजूद रहे।

लोकार्पण

ब्लाक प्रमुख रेनू आदेश चौधरी ने फीता काटकर किया शुभारंभ

ग्राम पंचायत सचिवालय और ओपन जिम का लोकार्पण

बुलन्द संदेश ब्यूरो

अगौता (वसीम खाँन)। ब्लाक अंतर्गत ग्राम अगौता में नवनिर्मित ग्राम पंचायत

सचिवालय का लोकार्पण ब्लाक प्रमुख रेनू आदेश चौधरी द्वारा फीता काट कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास में जी जान से जुटी हुई है वहीं ब्लाक अगौता में ट्रपल इंजन सरकार समूचे क्षेत्र का विकास जी जान से करने के लिए पूरी तरह समर्पित होकर प्रयास रत है। ग्राम अगौता में नवनिर्मित ओपन जिम और बाउंड्री वॉल का भी ब्लाक प्रमुख ने लोकार्पण किया और कहा कि क्षेत्र पंचायत द्वारा और भी गांवों में ओपन जिम बनवाये जायेंगे। ब्लाक प्रमुख ने कहा कि हमारी सरकार की नीति सबका साथ सबका विकास की है इसपर चलकर ही प्रदेश देश और समाज का विकास और कल्याण संभव है। इससे पूर्व समारोह स्थल पहुंची ब्लाक प्रमुख का ग्राम प्रधान सुखपाल सिंह की अगुवाई में क्षेत्र पंचायत सदस्यों, और ग्रामीणों ने माल्यार्पण कर बुके भेंट कर स्वागत सत्कार किया। ब्लाक प्रमुख ने सभी को क्षेत्र के विकास के लिए आश्वस्त किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सुखपाल सिंह, रविन्द्र लोधी,राजू, लोकेश गूर्जर,बलेराम राठी, राजेन्द्र सिंह,नईम खान,रहबर रहीम खान, कुलदीप सिंह हरीओम, बबलू मन्नू चौधरी तरुण शर्मा, सुनील गौरव क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय चौधरी सचिन मावी, राजबहादुर सोनू सैनी रघुराज सुरेंद्र गिरी कुर्बान ओमेंद्र,मेजर अधाना कृष्ण लोधी आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

महालक्ष्मी हॉस्पिटल ट्रामा सेंटर के अनुभवी डॉक्टरों ने लगाया निःशुल्क नेत्र शिविर का किया आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

स्याना (वसीम खाँन) तहसील क्षेत्र के गांव क्रियावली में ग्राम प्रधान पप्पू सिंह लोधी के आवास

पर महालक्ष्मी ट्रामा सेंटर के डॉ राहुल ने निशुल्क नेत्र शिविर लगाकर अनुभवी डॉक्टरों ने नेत्र संबंधित मरीज की जांच करके उन्हें निशुल्क दवाई वितरण की डॉ धर्मेंद्र कुमार नेत्र विशेषज्ञ ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव में लगभग 90 से ज्यादा मरीज ने अपनी आंखों की जांच करा कर निशुल्क दवाई ली है। डॉक्टरों ने बताया कि नेत्र मरीजों में मोतियाबिंद झाला दूर व पास का कम दिखाई देना आंखों के सामने अंधेरा आना आदि बीमारियों की जांच करके उनको निशुल्क इलाज किया जा रहा है। जिन मरीजों के मोतियाबिंद या अन्य कोई आंख में समस्या है। उन मरीजों को महालक्ष्मी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में आयुष्मान कार्ड के धारकों का निशुल्क इलाज किया जायेगा मौके पर डॉक्टरों की टीम में डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह नेत्र विभाग डॉ राहुल कपिल सिंह वरिष्ठ जनरल फिजिशियन व नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा।

डंपिंग यार्ड में लगी आग पर काबू पाने की चुनौती, तेज हवा और 40 फीट के गड्ढे में भरे वेस्ट ने बढ़ाई मुश्किलें

नोएडा (आरएनएस)। नोएडा के सेक्टर 32ए में नोएडा प्राधिकरण के हॉर्टिकल्चर विभाग के बने डंपिंग ग्राउंड में लगी आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। इस आग को बुझाने में अभी 4 से 5 दिन का वक्त और लगने वाला है। पूरे इलाके को फायर कर्मचारी ने आइसोलेट जरूर कर लिया है, जिसके चलते अब यह आगे नहीं फैलेगी, लेकिन इसे पूरी तरह बुझा पाने में लगे फायर ब्रिगेड के लोग अभी कई दिन लगने की बात कर रहे हैं।

इसके अलावा, तेज हवा भी फायर कर्मचारी के कार्य में बाधा पहुंचा रही है और वहां पर उड़ने वाले धुएं ने फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के साथ-साथ आसपास के रिहायशी इलाकों, सड़क पर चलने वाले लोगों के लिए भी परेशानी खड़ी कर दी है। इस आग के चलते निकलने वाला धुआं इतना ज्यादा घना है कि आसपास की सड़कों पर वाहन चालकों को सामने 10 से 20 मीटर भी नहीं दिखाई दे रहा है, जिसके कारण एक्सीडेंट होने का खतरा लगातार बढ़ गया है। इसके अलावा, इस जहरीले धुएं से आसपास के सेक्टर के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। यह धुआं उनके घरों में घुस गया है, जिसकी वजह से उन्हें घर छोड़कर अपने रिश्तेदारों या बाहर दूसरा ठिकाना ढूंढना पड़ा है। इस आग को लेकर फायर ऑफिसर प्रदीप चौबे ने बताया कि आग को काबू पाने में अभी 4 से 5 दिन का वक्त लग सकता है। अगर इस बीच कोई बड़ी आग कहीं और नहीं लगी, तब ज्यादा से ज्यादा मैनपावर और गाड़ियों का इस्तेमाल कर

इस आग पर काबू पाया जा सकता है।

उनका कहना है कि सूखी पत्तियां, पेड़-पौधों और खाद समेत अन्य तरह के वेस्ट का यह डंपिंग ग्राउंड करीब 30 से 40 फुट गहरा है और अंदर तक पानी न पहुंच पाने के कारण इसमें लगी आग को बुझाने में फायर ब्रिगेड के कर्मचारी असमर्थ हो रहे हैं। इसके अलावा, तेज हवा ने भी फायर ब्रिगेड का काम बढ़ा रखा है और इस आग से निकलने वाले घने धुएं से भी लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अभी फिलहाल 10 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं, जो आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी हुई हैं। इस डंपिंग ग्राउंड के आसपास के इलाकों की बात करें तो इसमें सेक्टर 30, सेक्टर 31, सेक्टर 32, सेक्टर 34, सेक्टर 35, मोरना गांव, सेक्टर 54, होशियारपुर आदि इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों को इस धुएं के कारण काफी ज्यादा सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तेज चल रही हवा इस धुएं को काफी दूर तक ले जा रही है।

हाई स्पीड थार का टायर फटने से पलटी थार

बुलन्द संदेश ब्यूरो

नोएडा (अंशु चौहान)। नोएडा के अंतगर्त सेक्टर 62 में थार गाड़ी का टायर फटने से हादसा हो गया। डिवाइडर से टकराने पर थार गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी की स्पीड इतनी तेज थी कि एयरबैग खुल गए। गनीमत रही कि हादसे में चालक की जान बच गई।

हालांकि उसकी हालत गंभीर है।नोएडा के सेक्टर 62 में भीषण हादसा हुआ। सेक्टर 59 से 62 की तरफ तेज गति से जा रही थार गाड़ी का टायर फट गया। थार गाड़ी ने एक और गाड़ी को टक्कर मारने के बाद डिवाइडर से जा

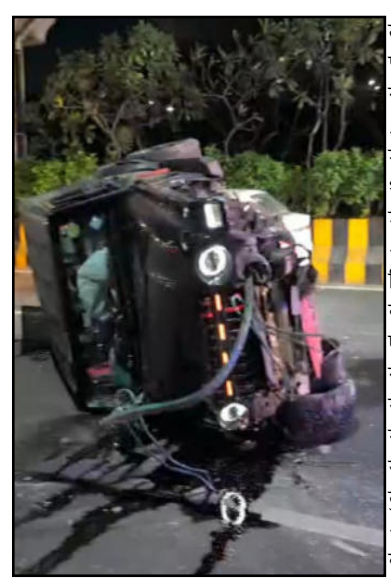

टकराई, जिससे उसके परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलते ही थाना 58 पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और थार गाड़ी में सवार ड्राइवर को घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक्सीडेंट के कारण सड़क पर जाम लग गया पुलिस दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी को हटवा कर जाम खुलवाया। पुलिस दुर्घटना की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर में फार्मा अन्वेषण 2025 का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी मुरादनगर में फार्मा अन्वेषण 2025 राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस कार्यक्रम का आयोजन फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री संदीप सोनी, सुरिन्द्र सूद, डायरेक्टर-पीआर, आईटीएस -द एजुकेशन ग्रुप, कॉलेज के निदेशक डॉ सादिश कुमार एवं फैकल्टी मेंबर ने सरस्वती वंदना के समक्ष दीप प्रज्वलन करके किया।

प्रोफेसर महादेव लाल श्राफ की जयंती के सम्मान में 6 मार्च, 2025 को राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस मनाया जाता है। इस कार्यक्रम का विषय फार्मा और फार्मेसी प्रैक्टिस में उद्यमिता और स्टार्टअप नवाचार इन्क्यूबेशन केन्द्रों और फार्मास्युटिकल स्टार्टअप को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर सुरिन्द्र सूद डायरेक्टर पीआर आईटीएस दि एजुकेशन ग्रुप ने कहा कि उन्होंने का कि आज का युग आधुनिक फामेर्सी 200 सीई में फार्मेसी के क्षेत्र में इन्वेंशन की आवश्यकता है।

किसानों के साथ मिलकर बड़ी धूमधाम से 7वाँ स्थापना दिवस मनाया

बुलन्द संदेश ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा (अंशु चौहान)। ग्रेटर नोएडा के अंतगर्त दनकौर क्षेत्र में किसान एकता संघ संगठन के कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय किसानों के साथ मिलकर कैम्प कार्यालय दनकौर पर एकत्रित होकर बड़ी धूमधाम से 7वाँ स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केसर ठेकेदार ने की और संचालन प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा ने किया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने कहा कि आज संगठन के 7वें स्थापना दिवस के अवसर पर महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार ,उत्तराखंड,हरियाणा आदि राज्यों से कार्यकर्ता पदाधिकारी एकत्रित हुए और अपने अपने राज्यों में चल रही किसानों की समस्याओं पर अपना वक्तव्य रखा ।

बताया कि वर्तमान केन्द्र सरकार किसानों की समस्याओं पर गंभीर नहीं है। पिछले 100 दिनों

से पंजाब के किसान डललेवाल दिल्ली के बार्डर पर भूख हड़ताल पर है। लेकिन केन्द्र सरकार बिल्कुल भी किसानों के मुद्दों को लेकर गंभीर नहीं दिख रही है। गौतम बुद्ध नगर के किसानों की आबादी, बैकलीज, 64.7% अतिरिक्त प्रतिकर, 10% विकसित भूखण्ड, 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने आदि समस्याओं का समाधान प्राधिकरणों द्वारा नहीं किया जा रहा है। प्रशासन के बल पर गौतम बुद्ध नगर के आन्दोलन को कुचलने का काम सरकार कर रही है। किसानों ने एकजुट होकर किसान संघर्ष मोर्चा का गठन किया । समस्याओं के समाधान में देरी किए जाने की वजह से 8 मार्च को कलेक्ट्रेट का घेराव करने का काम करेंगे । इस मौके पर रूपेश वर्मा, सतीश कनारसी,प्रमोद शर्मा, वीरसिंह, प्रिंस शर्मा, वनीश प्रधान , विक्रम नागर, सुनीता ऐरने, तात्या मते, मालती मूले, जगदीश शर्मा, कृष्ण बैंसला, शौकत चैची, अखिलेश प्रधान, कमल यादव, मनीष नागर, मनीष नागर, अरुण खटाना, दुर्गेश शर्मा, रेखा चौधरी, प्रवीण चौधरी, उमर प्रधान, जीतन नागर, उम्मेद एडवोकेट, सुमित एडवोकेट, जयप्रकाश नागर, जितेन्द्र श्योरान, जग्गा अधाना, सोनिया विज, रॉबिन चौधरी, आदि हजारों कार्यकर्ता व क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

आयकर विभाग ने कार्रवाई करते हुए काउंटी बिल्डर के ठिकानों पर की छापेमारी

बुलन्द संदेश ब्यूरो

नोएडा (अंशु चौहान)। आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए काउंटी बिल्डर के ठिकानों पर छापेमारी की है। कैश में फ्लैट व अन्य संपत्तियों को बेचकर आयकर चोरी के इनपुट पर 5 शहरों में ग्रुप के 26 ठिकानों पर टीमें पहुंचीं। कोलकाता, गुड़गांव के दो-दो, गाजियाबाद के पांच, दिल्ली के चार, नोएडा के 12 ठिकानों पर कार्रवाई की गई।आयकर विभाग की नोएडा यूनिट ने बुधवार को रियल एस्टेट से जुड़े काउंटी बिल्डर ग्रुप पर छापा मारा। कैश में फ्लैट व अन्य संपत्तियों को बेचकर आयकर चोरी के इनपुट पर 5 शहरों में ग्रुप के 26 ठिकानों पर टीमें पहुंचीं। कोलकाता, गुड़गांव के दो-दो, गाजियाबाद के पांच, दिल्ली के चार, नोएडा के 12 ठिकानों पर कार्रवाई की गई। टीमें बिल्डर ग्रुप से जुड़े प्रॉपर्टी एजेंटों तक भी पहुंचीं। देर शाम तक जारी रही कार्रवाई में आयकर विभाग ने किसी तरह की बरामदगी की सूचना आधिकारिक तौर पर नहीं दी है।

लेकिन बड़ी तादाद में दस्तावेज, लैपटॉप व कम्प्यूटर विभाग ने कब्जे में लिए हैं।काउंटी ग्रुप मौजूदा समय में कई ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं का निर्माण अलग-अलग शहरों में कर रहा है। ग्रुप की परियोजनाओं में फ्लैट उच्च आय वर्ग व कारोबारियों की आय की पहुंच में होते हैं। अधिकतर फ्लैट की कीमत 3 करोड़ से शुरू होती है। नोएडा में इस समय सेक्टर-120 में आईवी काउंटी और सेक्टर-107 में काउंटी-107 परियोजनाएं चल रही हैं। पिछले दिनों नोएडा प्राधिकरण की ग्रुप हाउसिंग प्लॉट की नीलामी में भी यह ग्रुप शामिल हुआ था।आयकर विभाग को इनपुट मिले थे कि करोड़ों रुपये की कीमत वाले ग्रुप के फ्लैट का बड़ा हिस्सा कैश में लेकर बेचा जा रहा है।

इसको देखते हुए विभाग ने छापा मारा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस कार्रवाई में आयकर विभाग के 130 अधिकारी-कर्मचारी, 75 पुलिसकर्मी शामिल हुए। नोएडा में आयकर विभाग की टीमें सेक्टर-121 स्थित क्लियो काउंटी सोसाइटी, सेक्टर-107 काउंटी, कॉरपोरेट दफ्तर, सेक्टर-120 समेत अन्य जगहों पर गईं। विभाग की जांच अब करोड़ों के फ्लैट खरीदने वाले खरीदारों की तरफ भी बढ़ेंगी।

मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल

बुलन्द संदेश ब्यूरो

नोएडा (अंशु चौहान)। नोएडा के अंतगर्त सेक्टर 24 कोतवाली पुलिस और बाइक सवार शातिर बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल बदमाश की पहचान मक्कू उर्फ मारूख उर्फ आदिल के रूप में हुई है। वह थाना सेक्टर 24 क्षेत्र की चोरी की दो घटनाओं में फरार चल रहा था। आरोपी के कब्जे से तमंचा, कारतूस और चोरी की बिना नम्बर प्लेट स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई है।एडीसीपी नोएडा सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि मक्कू उर्फ मारुख उर्फ आहिल उर्फ निखिल उर्फ विवेक उर्फ गौरव उर्फ टुकटुक उर्फ नानू, ये आठ

नाम जिन्हें बदल कर अपराध को अंजाम दे रहा था। उसके खिलाफ कई अन्य जिलों में चोरी समेत अन्य धाराओं में 35 से अधिक मुकदमें दर्ज है। आरोपी थाना 24 क्षेत्र में हुई चोरी की दो वारदातों में फरार चल रहा था। इसके दो साथी गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके थे, जबकि यह लगातार फरार चल रहा था।रात में थाना सेक्टर 24 पुलिस टीम सेक्टर 54 के पास बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी तभी सामने से आरोपी मोटरसाइकिल सवार आता हुआ दिखाई दिया। रुकने का इशारा करने पर वह नहीं रुका और भागने का प्रयास करने लगा। जिसमें मोटरसाइकिल डिसबैलेंस होकर डिवाइडर पर टकराकर गिर गयी वह अपने आप को घिरता हुआ देख पुलिस टीम पर फायर कर भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस पार्टी की गयी जवाबी कार्यवाही में गोली लगने से घायल हो गया। बदमाश पर 35 आपराधिक केस दर्ज है।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस मनाया गया

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट

स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस मनाया गया। यह दिवस हर साल 6 मार्च को उन चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिये मनाया जाता है जो आपके दांतों को स्वस्थ रखने में आपकी मदद करते है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये संस्थान द्वारा बेहतर मौखिक स्वास्थ्य के लिए दंत चिकित्सक के महत्व के बारे में रोगियों को साथ ब्रश करना, फ्लॉसिंग करना और वार्षिक चेक-अप करने की सरल क्रिया जीवन भर स्वस्थ मुस्कान में योगदान कर सकती है के बारे में बताया गया। इस अवसर पर संस्थान द्वारा राधे श्याम कॉलोनी, मुरादनगर, गोद लिए गांव सुल्तानपुर एवं डेंटल ओपीडी में आने वाले रोगियों को राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस और मौखिक स्वच्छता रखरखाव के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

इसके साथ ही गोद लिए गांव सुल्तानपुर के स्कूल के विद्यार्थियों को मौखिक स्वास्थ्य के बारे में बताया गया तथा दांत साफ करने की सही तकनीक से भी ज्ञात कराया गया। जिसके लिये प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता तथा अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। ड्राइंग प्रतियोगिता में सभी बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा ड्राइंग प्रतियोगिता के विजेताओं को उपहार से सम्मानित किया। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

मानवाधिकार कार्यकर्ता अधिवक्ता ने निर्धारित विधिक प्रावधान के बाद ही लोक अदालत आयोजित करने हेतु उच्च न्यायालय मुख्य न्यायाधीश को लिखा पत्र

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गाजियाबाद। 8 मार्च 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय में किया जा रहा है, जिसमें अपराधिक शमनीय, बैंक रिकवरी, श्रम, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, वैवाहिक/पारिवारिक, राजस्व आदि सिविल वाद का निस्तारण होता है । मानवाधिकार कार्यकर्ता एडवोकेट विष्णु कुमार गुप्ता ने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम,1987 में उल्लिखित प्रावधान के अनुसार लोक अदालत का गठन सेवानिवृत्ति या सेवारत न्यायिक अधिकारियों और अन्य व्यक्तियों से मिलकर होता है, जिसमें अन्य व्यक्तियों का अनुभव और अहताएं वह होगी जो राज्य सरकार द्वारा, उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से विहित/ निर्धारित की जाएं । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (लोक अदालत) विनियम, 2009 में अन्य व्यक्तियों में विधिक वृत्ति से कोई सदस्य, सेवारत या सेवानिवृत कार्यपालक, लोक अदालत की विषय वस्तु से संबंधित क्षेत्र से कोई प्रोफेशनल व्यक्ति, ऐसे ख्याति प्राप्त सामाजिक कार्यकर्ता जो व्यक्तियों के कमजोर वर्गों जिसके अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, स्त्री, बालक, ग्रामीण और शहरी श्रमिक के उत्थान में लगे हैं और जिनकी विधिक सेवा स्कीमों या कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में रुचि है, में से कोई एक या दो होंगे, संबंधी प्राविधान किये गये हैं । जिला न्यायालय गाजियाबाद में लोक अदालत आयोजित करने वाले जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिसके चेयरमैन /अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश हैं, द्वारा अन्य व्यक्तियों में प्रावधानित व्यक्ति को सम्मिलित ना करके लोक अदालत का आयोजन किया जाना विदित होने पर उक्त अधिनियम और विनियम में निर्धारित प्रावधानों का तत्काल पालन कराते हुए लोक अदालत आयोजित कराए जाने हेतु माननीय मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय उत्तर प्रदेश को पत्र लिखा गया है । एडवोकेट गुप्ता ने बताया कि जन हित और न्याय हित में पत्र में यह भी निवेदन किया गया है कि बिना प्रावधान का पालन किए लोक अदालत का आयोजन किस कारण से किया जा रहा है, जहां अधिनियम का पालन नहीं होता है, वहां न्याय मिलना मुश्किल हो जाता है । अतः जब तक उक्त प्रावधानों का पालन नहीं हो जाता, तब तक लोक अदालत आयोजित नहीं कराई जाए । साथ ही क्या उक्त व्यवस्था का पालन प्रदेश के अन्य जनपदों में भी किया जा रहा है, के संबंध में भी संज्ञान लेने की प्रार्थना की गई है ।

मुठभेड़ गाड़ी में लिफ्ट देकर नशीला पदार्थ खिलाकर लूटा था जिसका मुकदमा थाना 39 में दर्ज है

पुलिस और कार सवार बदमाशों के बीच दिन दहाड़े मुठभेड़

बुलन्द संदेश ब्यूरो

नोएडा (अंशु चौहान)। नोएडा के अंतगर्त सेक्टर 39 कोतवाली पुलिस और कार सवार बदमाशों के बीच दिनदहाड़े मुठभेड़ हो गई। गाड़ी में लिफ्ट देकर लूटपाट करने वाले बदमाश पुलिस की गोली लगते ही अस्पताल पहुंच गए। खास बात यह है कि गोली लगने के बाद पुलिस को लिफ्ट की नहीं पुलिस की पीसीआर की जरूरत पड़ी। मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल बदमाश के कब्जे से एक तमंचा कारतूस, अर्टिगा कार पंद्रह हजार रुपये नगद और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है, जिसकी लूट का मुकदमा थाना 39 में दर्ज है।पुलिस की गोलियों से घायल शिव कुमार उर्फ चिन्टु उर्फ शिवम कुमार शातिर किस्म का बदमाश है, जो अपने साथी के साथ मिल कर लोगों को गाड़ी में लिफ्ट देकर, उसे नशीला पदार्थ खिलाकर लूटपाट करता था। एडीसीपी सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि थाना सेक्टर-39 पुलिस टीम सेक्टर-41 पुलिस चैकी के सामने चेकिंग कर रही थी, उसी समय

इनपुट मिला कि गाड़ी में सवारियों को लिफ्ट देकर नशीला पदार्थ खिलाकर लूटने वाले गिरोह के कुछ बदमाश सेक्टर-49 की तरफ से सेक्टर-37 की तरफ अर्टिगा कार से आने वाले है। पुलिस टीम ने बैरियर लगाकर चैकिंग करना शुरू किया उसी समय एक सफेद रंग की अर्टिगा कार आती दिखायी दी। पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया गया परन्तु नहीं रूकी। सेक्टर-45 की तरफ भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर सेक्टर-42 के जंगल के पास गाड़ी को घेर लिया।खुद को घिरता देखकर बदमाशो कार से उतर कर पुलिस टीम पर फायर करते हुए झाड़ियो की तरफ पैदल भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने के कारण घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान शिव कुमार उर्फ चिंटू उर्फ शिवम कुमार के रूप मे हुई। मौके से फरार दूसरे बदमाश की तलाश हेतु कांबिंग की जा रही है। बदमाशो ने 22 फरवरी को एक सवारी को गाड़ी में लिफ्ट देकर नशीला पदार्थ खिलाकर लूटा था जिसका मुकदमा थाना 39 में दर्ज है।

अग्नि शमन कार्यालय ने सिविल सोसाइटी के मुखिया के घर महाकुंभ का जल पहुंचाया

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गाजियाबाद। गुरुवार को अग्निशमन कार्यालय के फायरमैन विनीत धामा ने चीफ फायर ऑफिसर राहुल पॉल के

आदेश पर सिविल सोसाइटी के मुखिया कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी के निवास स्थान 133, बी मॉडल टाउन ईस्ट, मुख्यालय फ्लेट ओनर फेडरेशन पर जाकर महाकुंभ का जल पहुंचाया। उन्होने कहा कि किसी भी योजना की सफलता के लिए यह आवश्यक है की योजना में उन्हें अवश्य शामिल किया जाये जिनके लिए योजना बनाई गई है। महाकुंभ के जल को घर-घर वितरण करने की योजना बनाई गई है। इसके अंतर्गत हम विभिन्न पुलिस थानों मे महाकुंभ का जल पहुंचा रहे हैं। लोग अपने निकटतम थाने से जाकर महाकुंभ का जल ले सकते हैं। इस वितरण के बीच सिविल सोसाइटी के मुखिया के घर स्वयं जाकर महाकुंभ का जल पहुंचाना इस बात का प्रतीक माना जाना चाहिए कि अग्नि शमन कार्यालय शहर के निवासियों के प्रति संवेदनशील है। कर्नल टीपी त्यागी ने अग्निशमन विभाग का आभार जताया है।

आधुनिक ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन जन औषधि और जेनरिक दवाओं के प्रति जागरुकता और विश्वास पैदा करने के उद्देश्य से 1 से 7 मार्च तक को देश भर में जन औषधि पखवाड़ा

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गाजियाबाद। जन औषधि सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें जन औषधि परियोजना के नोडल अधिकारी अमित कुमार , स्वस्थ भारत अभियान के सलाहकार और फोरम फॉर ग्लोबल स्टडीज के निदेशक डॉ शशांक द्विवेदी , आधुनिक ग्रुप के निदेशक डॉ प्रदीप कुमार , सेक्टर 63 नॉएडा में जन औषधि केंद्र की संचालक प्रियंका द्विवेदी ने छात्र छात्राओं के सामने अपनी बात रखते हुए सभी को जन औषधि दवाओं का उपयोग करने और अपने परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शपथ लिय। इस अवसर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश जन औषधि परियोजना के नोडल अधिकारी अमित कुमार ने जन औषधि दवाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि सरकार इसके माध्यम से सेवा और रोजगार दोनों मुहैया करा रही है। उन्होंने पावर प्वाइंट

प्रेजेंटेशन के माध्यम से इन दवाओं के बनने से लेकर वितरण तक के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनऔषधि परियोजना में सरकार द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली जेनरिक दवाइयां बाजार मूल्य 50 से 80 प्रतिशत तक कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाती है। इसके लिए सरकार द्वारा देश भर में अब तक 15000 से ज्यादा ह्यजन औषधि केंद्र ह्ल खोले गए हैं, जहां 2047 प्रकार की जेनरिक दवाइयां और 300 से अधिक सर्जिकल उत्पाद उपलब्ध कराएं जातें है। स्वस्थ भारत न्यास के सलाहकार डॉ शशांक द्विवेदी ने अपने सम्बोधन में जेनेरिक और ब्रांडेड दवाइयां में अंतर बताते हुए कहा कि जेनेरिक दवाइयां या ब्रांडेड दवाइयां इनमें कोई फर्क नहीं होता यह दोनों एक जैसे ही काम करती हैं फर्क सिर्फ इतना है कि ब्रांडेड दवाइयां काफी ज्यादा महंगी होती है क्योंकि उन पर दवा कंपनियों द्वारा रिसर्च और मार्केटिंग करने का खर्च शामिल होता है बल्कि जो जेनेरिक दवाइयां हैं उनमें दवा कंपनियों का सिर्फ बनाने का खर्चा होता है इसलिए वह सस्ती होती हैं। नॉएडा में जन औषधि केंद्र की संचालक प्रियंका द्विवेदी ने जन औषधि केंद्र से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इससे समाज के हर वर्ग को फायदा पहुंच रहा है। देश में बढ़ती मंहगाई के दौर में लोगों को सस्ती और गुणवत्तापरक दवाइयों के जरिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराना बहुत जरुरी है। क्योंकि देश में आमजन की जेब पर चिकित्सा खर्चे और महंगी दवाओं को बोझ बड़े पैमाने पर पड़ता है। महंगी चिकित्सा आम जन की आर्थिक स्तिथि को पूरी तरह से बिगाड़ देती है ऐसे में अब समय आ गया है जब सभी को जेनेरिक दवाओं के माध्यम से सस्ती दवाएं मुहैया कराइ जाएँ। आधुनिक ग्रुप के निदेशक डॉ प्रदीप कुमार ने कहा कि देश में बड़े पैमाने पर जेनेरिक दवाओं का प्रयोग नहीं हो पा रहा है।

लिफ्ट ठीक कराने व कौशाम्बी योजना के अन्तर्गत अवैध कब्जे को हटवाये जाने की मांग की

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गाजियाबाद (आशा चौधरी)। दिनेश कुमार गोयल सदस्य विधान परिषद व व विजय बहादुर पाठक सदस्य विधान परिषद द्वारा विधान परिषद में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन सरकार वर्ष 2003 मे उ0प्र0 में हाईटेक टाउनशिप पॉलिसी के तहत अंसल ग्रुप को 1335 एकड़ में टाउनशिप बनाने का लाइसेंस दिया गया था।

प्रदेश की राजधानी लखनऊ के साथ-साथ एन,सी,आर, समेत पॉच अन्य राज्यों में टाउनशिप चला रही थी। कम कीमत पर फ्लैट, मकान और जमीन देने का वादा करके डेवलपर कम्पनियां अपने वादे से मुकर गई और हजारों निवेशकों की गाडी कमाई का रूपया डूबने की स्थितियां उत्पन्न हो गयी* है। इसलिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस पूरे प्रकरण पर निर्णय लिया है उससे आशा जगी है कि राज्यभर में जगह-जगह, जहां-जहां भी टाउनशिप के कार्य हो रहे है उनके रेगूलेट और मॉनिटरिंग का काम भी किया जाना आवश्यक है।

इस विषय पर अंसल ग्रुप में हजारों निवेशकों के करोडो-करोड़ों रूपयों की देनदारी का विषय उठने के कारण स्टेट कैपीटल रिजन में सावधानी बरतें जाने के सम्बन्ध में चर्चा/वक्तव्य की मांग की।

साथ ही गाजियाबाद में संजय नगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल का संचालन वर्ष 2008 में हुआ था जिसमें मरीजों की सुविधा के लिए वर्ष 2016 में 12 लाख रुपएं खर्च करके एक नई लिफ्ट स्थापित की गयी थी।

पोस्टमार्टम हाउस, कोल्ड रूम का निर्माण कराने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने राम अवतार जिन्दल को प्रशंसा पत्र देकर किया सम्मानित

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गाज़ियाबाद। वरिष्ठ समाजसेवी रोटेरियन अनिल कुमार गर्ग व शिक्षा विद् समाजसेवी रोटेरियन राम अवतार जिन्दल को मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा पोस्टमार्टम हाउस कोल्ड रूम का निर्माण कराने, पोस्टमार्टम हाउस में फर्श व दरवाजों की मरम्मत, रंगाई पुताई कराने व दो एयर कंडीशनर लगवाने के लिये प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया । रोटरी क्लब गाज़ियाबाद विकास के अध्यक्ष रो० विनीत माहेश्वरी ने बताया की इस वर्ष पूर्व में पोस्टमार्टम हाउस में कोल्ड स्टोर बनवाया गया था । वर्तमान में पोस्टमार्टम हाउस का जीर्णोद्धार कराया गया है और दो एयर कंडीशनर भी पोस्टमार्टम हाउस में लगाए गए है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने रोटरी क्लब आफ विकास के कार्यो की प्रशंसा करते हुए

अनिल गर्ग व राम अवतार जिन्दल को प्रंशसा पत्र सौंपे गए कार्यक्रम का संचालन संजय अग्रवाल द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम में विशेष रूप से रो० कैलाश मंगला, योगेश गर्ग, पवन गुप्ता,विजय जिन्दल, रामअवतार जिंदल, अरविंद गर्ग, अनिल गर्ग,अशोक अग्रवाल और सतीश गर्ग चिकित्सा विभाग से प्रशासनिक अधिकारी योगेश्वर सिंह आदि ने भाग लिया ।

शहर को हरा भरा बनाने में जुटा निगम, उद्यान विभाग टीम को अधिकारियों ने किया मोटिवेट

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गाजियाबाद (आशा चौधरी)। नगर निगम अंतर्गत लगभग 1400 पार्क है जिनमें लगातार उद्यान विभाग द्वारा बेहतर कार्य जनहित में किया जा रहा है प्रतिदिन पार्कों

सभी पार्कों में लगे हुए नलकूपों का संचालन सही प्रकार से करें टीम- डॉक्टर अनुज स्वच्छ भारत मिशन में उद्यान विभाग की रहेगी अहम भूमिका-नगर आयुक्त

की सफाई व्यवस्था लगे हुए पौधों में पानी की व्यवस्था पौधों की नियमित कटिंग का कार्य व अन्य आवश्यक कार्य कराई जा रहे हैं इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए गाजियाबाद नगर निगम शहर के चौराहों, ग्रीन बेल्ट, सेंट्रल वर्ज, को भी नया स्वरूप देते हुए व्यवस्थित करने की तैयारी कर रहा है जिसके लिए नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार अधिकारियों द्वारा उद्यान विभाग टीम के साथ बैठक की गई, वरिष्ठ प्रभारी उद्यान अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज के नेतृत्व में बैठक हुई, टीम को मोटिवेट किया गया।

प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर आयुक्त महोदय के निर्देश अनुसार शहर की ग्रीनरी को बढ़ाया जा रहा है न केवल पार्कों को और अधिक बेहतर करने का कार्य चल रहा है बल्कि ग्रीन बेल्ट में अन्य प्रमुख चौराहों को भी सुंदर बनाया जा रहा है इसी क्रम में हिंडन एयरपोर्ट को भी पूर्ण रूप से सुसज्जित करने की योजना बनाई जा रही है, शहर के डिवाइडर तथा सेंट्रल वर्ज पर गमले की संख्या को बढ़ाते हुए सुंदर बनाया जाएगा फूल तथा

पौधों को सही प्रकार से व्यवस्थित करते हुए लगाया जाएगा टीम को मोटिवेट करते हुए निर्देशित किया गया है बैठक में उद्यान पर्यवेक्षक अजय हरित, अधिशासी अभियंता उद्यान रोहित अधिशासी अभियंता निर्माण राजेंद्र समस्त हेडमली तथा सुपरवाइजर भी उपस्थित रहे, बैठक में सभी टीम को सघन वृक्षारोपण के लिए भी कहा गया जिसमें निगम की रिक्त भूमि को चिन्हित करने की निर्देश दिए गए, इंदिरापुरम क्षेत्र के लिए टीम को पेड़ों की छटाई करने वाली मशीन भी दी गई जो कि केवल इंदिरापुरम के वार्डों में ही कार्य करेगी साथ ही अति आवश्यकता पड़ने पर वन विभाग के मानकों के क्रम में पेड़ों की छटनी की जाए निर्देशित किया गया, बैठक में प्रदीप शर्मा वरिष्ठ लिपिक उद्यान विभाग भी उपस्थित रहे। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव द्वारा बताया गया 14 अप्रैल 2025 को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती से पूर्व पार्कों में स्थापित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति की आवश्यकता अनुसार रंग पुताई का कार्य करने के लिए भी टीम को कहा गया इंदिरापुरम क्षेत्र में स्थित ग्रीन बेल्ट तथा सेंट्रल वर्ज को विशेष रूप से एक नया स्वरूप देने के लिए हेड मालियों से रिपोर्ट मांगी गई, सभी पार्कों में नलकूप लगे हुए हैं लगभग 1282 नलकूप है गर्मी के महीना में पानी की अधिक आवश्यकता को देखते हुए सभी नलकूप सही प्रकार से चलते रहे व्यवस्थित करने के निर्देश टीम को दिए गए।

यूजर चार्ज वसूली की रफ्तार बढ़ाने हेतु नगर आयुक्त ने टीम को दिए निर्देश, 25 दिन में 10 करोड वसूलने का निगम का टारगेट

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गाजियाबाद (आशा चौधरी)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा कूड़ा कलेक्शन के क्रम लिए जाने वाले यूजर चार्ज को लेकर अधिकारियों की बैठक की गई बैठक में कई विशेष बिंदुओं पर चर्चा

पथ विक्रेताओं को भी यूजर चार्ज से जोड़ेगा निगम : नगर आयुक्त

हुई जिनमें 25 दिन के भीतर 10 करोड़ की वसूली करने के लिए टीम को कहा गया मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार तथा नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश भी उपस्थित रहे, नगर आयुक्त द्वारा पथ विक्रेताओं को भी यूजर चार्ज से जोड़ने के लिए कहा गया जिसके लिए सभी जोन अंतर्गत तेजी से कार्यवाही अमल में लाई जाए निर्देश दिए गए'

अपर नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत यूजर चार्ज हेतु 5 करोड़ की

वसूली इस वर्ष की गई है जिसको बढ़ाते हुए नगर आयुक्त महोदय द्वारा 10 करोड़ की वसूली करने का लक्ष्य टीम को दिया है जिसके लिए रहवासियों को व्हाट्सएप के माध्यम से बिल भेजे जाएं तथा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के साथ-साथ बिल को भी डिस्ट्रीब्यूशन कराया जाए निर्देश दिए गए हैं मोबाइल एप्लीकेशन को तैयार करते हुए वसूली बढ़ाने के लिए भी कहा गया है सभी जोनल कार्यालय में भी अलग से यूजर चार्ज की विंडो रहेगी जिस पर उपभोक्ता अपना यूजर चार्ज जमा कर सकेंगे, पथ विक्रेताओं का रजिस्ट्रेशन भी करते हुए यूजर चार्ज से जोड़ने के लिए कहा गया है जिसके क्रम में कार्यवाही जोनल प्रभारी की देखरेख में होगी निर्देश दिए गए हैं' नगर आयुक्त द्वारा विभागीय टीम को नये यूजर बनाने के लिए भी कहा गया है, प्रतिदिन सभी वार्ड के अंदर टीम निरीक्षण करते हुए ऐसे भवन जिनसे यूजर चार्ज की वसूली नहीं हो रही है उनको शामिल करते हुए यूजर चार्ज वसूलने के लिए कहा गया है, जिसकी रिपोर्ट प्रतिदिन जोनल कार्यालय से उपलब्ध कराने के लिए टीम को निर्देश दिए गए हैं यूजर चार्ज वसूली में वार्ड के पार्षदों द्वारा भी सहयोग किया जाएगा अपील की जा रही है।

जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सिटी मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में मैट्रो स्टेशनों से सम्बंधित समन्वय समिति की बैठक आयोजित

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गाजियाबाद। जिलाधिकारी दीपक मीणा के निदेर्शानुसार सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष उपाध्याय की अध्यक्षता में राजस्व जिला गाजियाबाद के क्षेत्राधिकारी के अन्तर्गत आने वाले मैट्रो स्टेशनों से सम्बंधित समन्वय समिति की बैठक सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय में आहूत हुई।बैठक के दौरान नगर निगम गाजियाबाद, लोक निर्माण विभाग, यातायात विभाग व समाज कल्याण विभाग से सम्बंधित 9 बिन्दुओं के निस्तारण पर विस्तार से विचार,विमर्श किया गया। नगर निगम से सम्बंधित शहीद स्थल, मोहन नगर व शहीद नगर में सफाई से सम्बंधित था, जिस पर मेट्रो प्रतिनिधियों ने बताया कि उक्त क्षेत्र में नियमित रूप से सफाई हो रही है। वहीं शहीद नगर में फुटपाथ के क्षतिग्रस्त और अतिक्रमण होने की समस्या थी। सिटी मजिस्ट्रेट ने पीडब्लूडी व मैट्रो प्रतिनिधियों को

संयुक्त निरीक्षण कराने के निर्देश दिए। वहीं श्याम पार्क मैट्रो स्टेशन गेट सं.2 के बाहर फेरीवालों,विक्रेताओं के कारण आवागमन की शिकायत थी, सम्बंधित अधिकारी ने अवगत कराया कि अभियान चलाकर उन्हें हटाते हैं किन्तु चलायमान होने के कारण पुनः वहीं खड़े हो जाते है। सिटी मजिस्ट्रेट ने निर्देशित किया कि उक्त के निस्तारण हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाएं। कौशाम्बी मेट्रो स्टेशन में नाला निर्माण होना है। जिसके लिए द्वारा निर्देशित किया गया कि पीडब्लूडी व मैट्रों के प्रतिनिधि निरीक्षण करें, और स्थायी समाधान निकालें। इसके साथ ही शहीद स्थल, हिण्डन रिवर, मोहनगर व राजबाग में ई,रिक्शा ऑटो आदि के द्वारा जाम लगा रहता है, जिस कारण यात्रियों को आवागमन में ?समस्या होती है। यातायात विभाग ने अवगत कराया कि उक्त के खिलाफ लगातार चालान व सीज़िंग की कार्यवाही की ~~जाती है। पुलिस अधिकारी ने बताया~~ कि कुछ ई–रिक्शा पर नम्बर प्लेट भी नहीं होती है, जिस कारण समस्या आती है। सिटी मजिस्ट्रेट ने यातायात विभाग व आरटीओ को समन्वय बनाते हुए कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही चालान व सीज़िंग की कार्यवाही की रिर्पोट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया।

खरीदारी करने बाजार गई युवती हुई लापता, परिजनों ने जताई अपहरण की आशंका

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर (नासिर मंसूरी) । नगर की एक कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति की 20 वर्षीय पुत्री संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। युवती तीन दिन पूर्व बाजार में खरीदारी करने गई थी। परिजनों ने एक युवक पर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। नगर की एक कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति की 20 वर्षीय पुत्री गत तीन फरवरी को बाजार से खरीदारी करने गई थी, लेकिन वह वापस नहीं आई। काफी तलाश करने के बाद भी जब युवती नहीं मिली तो परिजनों ने कॉलोनी में किराए पर रहने वाले फैज पर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

शातिर ठगों ने एक व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदल कर उसके खाते से निकाले साढ़े चौदह हजार रुपए

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर(नासिर मंसूरी)। रावली रोड पर स्थित एटीएम बूथ पर खड़े शातिर ठगों ने युवक का एटीएम कार्ड बदलकर उसके के खाते से 14 हजार पांच सौ रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। नगर की मलिक नगर कॉलोनी निवासी कन्युम रावली रोड पर स्थित एटीएम बूथ पर पैसे निकालने के लिए गए थे। जब वह एटीएम में पहुंचे तो वहां पर पहले ही दो युवक खडे.हुए थे। उन्होने कहा कि मशीन में कुछ गड़बड़ है, इसलिए हम आपकी मदद कर देते है। इसके बाद कन्यूम ने युवकों की मदद से पैसे निकाल लिए। जब वह घर पहुंचे तो उनके मोबाइल पर 14500 रुपए निकलने का मैसेज आ गया। जब उन्होने अपना एटीएम कार्ड देखा तो वह बदला हुआ था।

कर्नल टीपी त्यागी भारत गौरव रत्न सम्मान से विभूषित

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गाजियाबाद। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी को भारत गौरव रत्न-2025 से सम्मानित किया गया।

5 मार्च को नई दिल्ली के तीन मूर्ति भवन स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय में वर्ल्ड कल्चर एंड एन्वायरमेंट कमीशन द्वारा वीर चक्र प्राप्त कर्नल टी.पी. त्यागी को इस सम्मान से विभूषित किया गया। एक कार्यक्रम के दौरान जम्मू की कमिश्नर आईपीएस रश्मि, विख्यात कलाकार राकेश बेदी, बलिया के महामंडलेश्वर, शिक्षा विभाग के महेश चंद्र , फिल्म जगत की अभिनेत्री ऐलिना द्वारा उन्हें यह सम्मान दिया गया।

इस अवसर पर कर्नल त्यागी ने कहा कि वातावरण की सुरक्षा के लिए जल प्रदूषण और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण आवशयक है। उन्होंने कहा कि नदियों को साफ करने से ज्यादा हमें उन्हें गन्दा न

करने पर ज्यादा जोर देना होगा। प्रत्येक नदी में अपने आप को स्वस्थ रखने की प्राकृतिक क्षमता होती है। इसी प्रकार वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सबसे अच्छा तरीका वर्टिकल गार्डनिंग का है। यदि मेट्रो पिलर्स, फ्लाई ओवर पिलर्स और सरकारी कार्यालयों पर अनिवार्य रूप से वर्टिकल गार्डनिंग की जाये तो प्रदूषण नियंत्रण प्रारम्भ हो जाएगा। उन्होने संस्कृति को सुरक्षित रखने के लिए बताया कि हमारे धर्म गुरुओं को व्यक्तिगत चरित्र और राष्ट्रीय चरित्र मे फर्क समझाना चाहिए। इस अवसर पर कमोडोर बबेले, ज्ञान सिंह, चन्दन सिंह, गणेश दत्त, राजेन्द्र सिंह, त्रिवेणी जादौन ने विशाल सिंह को राष्ट्रीय सैनिक संस्था की पूर्वी उत्तर प्रदेश इकाई के युवा विंग का अध्यक्ष घोषित किया। सभी वक्ताओं ने वातावरण और संस्कृति को सुरक्षित रखने के लिए अपने अपने स्तर पर कार्य करने का संकल्प लिया और बाकि लोगों को भी दिलवाया।

समापन आखिरी दिन एक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा मेले का आयोजन किया गया, जिसमें 11 वैश्विक विश्वविद्यालयों ने भाग लिया

काईट में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा मेले के साथ हुआ अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा जागरूकता सप्ताह का भव्य समापन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित केआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में इंटरनेशनल एजुकेशन अवेयरनेस वीक (आई०ई०ए०डब्ल्यू 2025) का भव्य समापन समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया` इस कार्यक्रम के आखिरी दिन एक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा मेले का आयोजन किया गया, जिसमें 11 वैश्विक विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। 3 मार्च से 6 मार्च 2025 तक चले इस 4-दिवसीय आयोजन ने छात्रों को वैश्विक शिक्षा, छात्रवृत्तियों, अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप, विदेशी भाषाओं और विदेश में करियर की संभावनाओं को खोजने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। इस प्रतिष्ठित आयोजन के दौरान, संस्थान ने कई गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी की, जिनमें महामहिम सुश्री मुकंगिरा जैकलीन (भारत में रवांडा की उच्चायुक्त) और श्री फेहिंटोला सोलोमन ओयेवूमी (मंत्री (आई०सी०ई०एस) झ्र

नाइजीरिया दूतावास, भारत) शामिल थे। उन्होंने वैश्विक शिक्षा पर अपने विचार साझा किए और छात्रों को भौगोलिक सीमाओं से परे अपने क्षितिज का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह की शुरूआत विशिष्ट अतिथि डॉ. संदीप इनामदार (प्रबंध न्यासी एवं उपाध्यक्ष, विश्वनिकेतन) और श्री संजीव कपूर (चेयरमैन, द स्पोर्ट्स ग्रेल) द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर केआईईटी के संयुक्त निदेशक डॉ. मनोज गोयल, डीन अकादमिक, डॉ. आदेश पांडे, पीआर और इंटरनेशनल रिलेशंस विभाग की प्रमुख, डॉ. प्रीति चिटकारा, सहायक प्रमुख (जनसंपर्क) डॉ. श्रद्धा श्रीवास्तव, सहायक प्रमुख (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) डॉ. मधु गौतम, एसोसिएट डायरेक्टर और सभी डीन मौजूद थे। डॉ. प्रीति चिटकारा ने सभी सम्मानित अतिथियों और विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया और उन्हें एक ऑक्सी प्लांट भेंट किया। उन्होंने कार्यक्रम का समापन विवरण प्रस्तुत करते हुए पूरे सप्ताह की गतिविधियों और सत्रों पर प्रकाश डाला। इस दौरान, छात्रों द्वारा सांस्कृतिक गीत एवं नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं, साथ ही संस्थान में विदेशी भाषा सीखने वाले छात्रों ने भी विशेष प्रस्तुतियां दीं। संयुक्त निदेशक डॉ. मनोज गोयल ने डॉ. प्रीति चिटकारा एवं आयोजन समिति के सभी सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा मेले में भाग लेने के लिए प्रेरित किया, जहां कई वैश्विक विश्वविद्यालयों ने अपने स्टॉल लगाए थे, जिससे छात्रों को अपने करियर के लिए वैश्विक अवसरों का पता लगाने में सहायता मिली। समापन सत्र का समापन डॉ. श्रद्धा श्रीवास्तव, सहायक प्रमुख (जनसंपर्क) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों और सहयोगी भागीदारों का इस कार्यक्रम से जुड़े रहने के लिए आभार व्यक्त किया।

कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम, 35 नवजात बच्चियों में परिजनों को बेबी किट वितरित की

बुलन्द संदेश ब्यूरो

सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के पंपलेट भी बांटे गये

हापुड़। गढ़ रोड स्थित सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

योजना के अंतर्गत कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में 35 नवजात बच्चियों के परिजनों को बेबी किट वितरण की। जिला प्रोबेशन अधिकारी स्मिता सिंह के निदेर्शानुसार प्रस्तावित कार्यक्रम महिला कल्याण विभाग द्वारा नारी सुरक्षा नारी स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण के लिए मिशन शक्ति फेज-5 के तहत बेटियों के हक में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम गढ़ रोड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। जिसमें लगभग नवजात 35 बच्चियों के माता पिता को बेबी किट देकर उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं का प्रसार प्रचार कर पंपलेट बांटे गए। जिससे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं लाभ भी उन्हें व अन्य को मिल सके। इस अवसर चिकित्सा अधीक्षक डॉ महेश चंद्र,ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक मशरूक अहमद,सोनिया वन स्टॉप सेंटर मैनेजर सोनिया,केस वर्कर विजयलक्ष्मी आदि उपस्थित रहे ।

स्काउट एंड गाइड शिविर में क्षय रोग की जानकारी दी

बुलन्द संदेश ब्यूरो

हापुड़। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार त्यागी के कुशल निर्देशन एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह के नेतृत्व में दिल्ली रोड स्थित एस0एस0वी0 उच्चतर महाविद्यालय में बीएड विभाग में स्काउट एंड गाइड शिविर में क्षय रोग विभाग द्वारा एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

यूपी में 100 दिवसीय टीबी खोज अभियान चलाया जा रहा है

जागरूकता शिविर में जिला पी0पी0एम0 समन्वयक सुशील चौधरी द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को क्षय रोग के लक्षण जैसे दो सप्ताह से अधिक की खांसी, खांसी में बलगम का आना, बलगम में खून का आना छाती में दर्द रहना हल्का बुखार रहना भूख कम लगना रात में सोते समय कमर में पसीना आना एवम् शरीर में गांठ इत्यादि हो जाना के विषय में बताया गया।

उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया गया कि यदि किसी व्यक्ति को इन लक्षण में से कोई भी लक्षण आता तो अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर जाकर अपनी जांच कराएं,सभी स्वास्थ्य केंद्र पर सभी जांच एवम् उपचार निःशुल्क उपलब्ध है। भारत सरकार द्वारा टी0 बी0 रोगियों को एक हजार रुपए प्रति माह निश्चय पोषण योजना के अंतर्गत दिया जाता हैं।

उन्होंने बताया कि गत 1 जनवरी 2025 से 100 दिवसीय सघन टी0 बी0 खोजी अभियान उत्तर प्रदेश में चलाया जा रहा है। जिसमें सभी उच्च जोखिम वाली जनसंख्या को स्क्रीन किया जा रहा है। जिसमें जनपद की 20 प्रतिशत आबादी को चयन किया गया है। इन सभी 20 प्रतिशत उच्च जोखिम वाली जनसंख्या को स्क्रीन कर इनके टेस्ट कराए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम का समापन 24 मार्च 2025 को विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर किया जाएगा। इस अवसर पर एसएसवी उच्चतर महाविद्यालय के बीएड विभाग के एचओडी डॉ सुधीर कुमार शर्मा,डॉ कुलदीप कुमार शर्मा,डॉ सविता तनेजा,डॉ शिखा गोयल, डॉ सीमा शर्मा,डॉ रजनी अग्रवाल,डॉ वंदना वशिष्ठ व जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्री प्रकाश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भाजपा द्वारा मनीष माहेश्वरी को पिलखुवा मंडल अध्यक्ष घोषित किया , नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष को बधाई देने वालों तांता

बुलन्द संदेश ब्यूरो

पिलखुवा (गजेन्द्र राठी)। प्रदेश चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडे की संतुति के बाद हापुड़ जिले के मंडल अध्यक्षों की घोषणा हुई जिसमें पिलखवा मंडल से वरिष्ठ कार्यकर्ता वर्तमान में उपाध्यक्ष मनीष माहेश्वरी की नियुक्ति हुई उन्हें मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर पूरे भाजपा परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई सभी कार्यकताओं ने कहा कि इतने समय से पूरी निष्ठा से मनीष माहेश्वरी भाजपा संगठन के लिए कार्य कर रहे हैं उन्हें मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर यह पूरे भाजपा कार्यकताओं का सम्मान है जिला प्रतिनिधि के रूप में अमित टांक की नियुक्ति हुई। उनके घर पर बधाई देने वालों का ताता लगा रहा जिसमें नगर महामंत्री सुमित रोहिल्ला सचिन पुंडीर अश्वनी वाल्मीकि हिमांशु अग्रवाल डॉक्टर अनिल अग्रवाल गौरव गोयल सभासद शिवकुमार शर्मा पंकज गोयल मनीष बिंदल नवनीत यशपाल सुधीर तोमर राकेश शर्मा राहुल माहेश्वरी अभिषेक महेश्वरी आदि लोगों ने बधाई दी।

ई लाटरी से जिले में 252 दुकानों हुआ आवंटन, शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी,डीएम-एसपी की उपस्थिति में हुआ आवंटन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

हापुड़। शासन द्वारा नोडल अधिकारी के रविन्द्र नायक प्रमुख सचिव, जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में

जिले में 525 दुकानों के लिए 3002 आवेदन प्राप्त हुए थे

श्रीमति ब्रहमादेवी स्कूल के सभागार कक्ष में आबकारी विभाग द्वारा ई-लाटरी के माध्यम से 525 दुकानों का आवंटन किया गया।

जनपद में विभिन्न श्रेणियों में शराब की 252 दुकानों के लिए 3002 आवेदन प्राप्त हुए थे,दुकानों के आवंटन के लिए श्रीमति ब्रहमादेवी स्कूल के सभागार कक्ष में जिले के नोडल अधिकारी के रविन्द्र नायक प्रमुख सचिव के पर्यवेक्षण में जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में नामित सदस्य सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन मेरठ, जिला

आबकारी अधिकारी की संयुक्त समिति ने जनपद की 243 देशी मदिरा दुकानों में से 241 दुकानों,समस्त 104 कम्पोजिट दुकानों,7 माडल शाप दुकानों समेत 254 दुकानों में से 252 दुकानों का व्यवस्थापन ई लाटरी के माध्यम से सकुशल संपन्न कराया गया। जिला आबकारी अधिकारी प्रकाश सिंह ने बताया कि जिले में 252 दुकानों के लिए 3002 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन दुकानों में कंपोजिट की 104 दुकानों के लिए 1515 फार्म,141 देशी शराब की दुकानों के लिए 1402 और सात माडल शॉप के लिए 85 आवेदन आये। चयनित दुकानों को ई-लाटरी के माध्यम से आवंटित किया गया। सभी सफल आवंटियों का नाम माइक से घोषित किये गये। आवंटी सूची को वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया है,साथ ही कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि आवंटन के लिए शेष रह गयी 2 देशी मदिरा दुकानों का व्यवस्थापन द्वितीय चरण में किया जाएगा। जिसकी जानकारी विभाग के नोटिस बोर्ड से प्राप्त की जा सकती हैं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व),संदीप कुमार,अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर एवं आबकारी विभाग के निरीक्षकगण मौजूद रहे।

धौलाना में टल गई बड़ी घटना

तेज हवाओं से सड़क पर गिरा सांकेतिक बोर्ड

बुलन्द संदेश ब्यूरो

धौलाना (संजीव वशिष्ठ)। धौलाना के मुख्य वशिष्ठ चौक पर अचानक ग्रामो शहरो की दूरी दर्शित करने वाला सांकेतिक बोर्ड भरभरा का गिर गया । जिसकी चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक घायल हो गया । इसके साथ ही अवैध रुप से प्रचारितलगाए लगाए गए यूनीपोल भी गिर गए । जिससे धौलाना में भयानक हादसा होते होते टल गया । क्षतिग्रस्त सांकेतिक बोर्ड को धौलाना पुलिस ने क्रेन की मदद से अलग हटवाकर मार्ग को चालू कराया।बुधवार को लोक निर्माण विभाग का बड़ी लापरवाही सामने आई है। गनीमत यह रही की सांकेतिक बोर्ड के गिरने से कुछ देर पहले ही इसी स्थान से लगभग सैकड़ो से अधिक महिलाएं कलश यात्रा लेकर निकली थी। वशिष्ठ चौक पर लगा संकेतक गन्ने की ऊंची ट्रॉलियों व बड़े वाहनों से टकराने के चलते क्षतिग्रस्त हो गया बुधवार को चली तेज हवाओं ने सांकेतिक बोर्ड को ध्वस्त करते हुए नीचे गिरा दिया । इसी बीच वहा से गुजर रहे बाइक सवार गांव डहाना निवासी सचिन सांकेतिक बोर्ड की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धौलाना में भर्ती कराया । जहां उसकी हालत गंभीर होने पर मेरठ रेफर कर दिया गया। सांकेतिक बोर्ड गिरने से चंद पहले ही धौलाना की कलश यात्रा भी उसी स्थान से निकली थी। कलश यात्रा के कुछ दूर पहुंचते ही बोर्ड धड़ाम से नीचे गिर गया। इसके बाद दोपहर के समय चली तेज हवाओं के चलते अवैध रूप से लगे कई यूनीपोल गिर गए । जिन्हें हटाए जाने की मांग कस्बे के लोग काफी अरसे से कर रहे थे । धौलाना थानेदार देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि घटना के संबंध में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है एवं क्षतिग्रस्त यूनिकल को हटा दिया गया है।

- **सांकेतिक बोर्ड गिरने से कुछ पल पहले ही निकल गई थी कलश यात्रा , नही तो सैकड़ों महिलाए आती चपेट में**
- **धौलाना अवैध यूनीपोल की भरमार, मूक बना प्रशासन**

एनसीआर क्षेत्र में वाहन चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

बुलन्द संदेश ब्यूरो

हापुड़,पिलखुवा। जनपद के थाना पिलखुवा पुलिस ने अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो

गिरोह के चार सदस्य व 2 बाल अपचारी गिरफ्तार, चोरी की 9 बाइक,एक स्कूटी व दो मोबाइल फोन बरामद

बाल अपचारी सहित 6 चोरों को गिरफ्तार कर लिया। जिनके कब्जे से विभिन्न स्थानों से चोरी की नौ बाइक,एक स्कूटी व दो मोबाइल फोन बरामद किये है।

अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने पत्रकार वार्ता में बताया कि

एसपी के निर्देश पर वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में थाना पिलखुवा पुलिस ने ग्राम दतैड़ी को जाने वाले मार्ग पर वाहन चोर गिरोह के दो बाल अपचारी सहित छह सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। जिनके कब्जे से चोरी की नौ बाइक,एक स्कूटी व दो मोबाइल फोन बरामद किये है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार वाहन चोरों के नाम गुलजार पुत्र सलीम निवासी मुकीमपुर,करन पुत्र वीर सिंह निवासी ग्राम ईशाकनगर थाना भोजपुर जिला गाजियाबाद,सुबोध पुत्र मुकेश निवासी ग्राम खैरपुर खैराबाद व जोगिन्दर पुत्र अनिल कुमार निवासी मौहल्ला शिवाजी नगर थाना पिलखुवा जिला हापुड़ व दो बाल अपचारी है। एएसपी ने बताया कि गिरोह के सदस्य एनसीआर क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों से वाहन चोरी कर उनकी नंबर प्लेट बदलकर उन्हें बेचकर आर्थिक लाभ कमाते है। उनके खिलाफ जनपद हापुड़, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद में आधा दर्जन वाहन चोरी के अभियोग दर्ज है।

एचपीडीए का बुलडोजर हापुड़ विकास क्षेत्र के बाबूगढ़ में गरजा

बुन्द संदेश ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण

- **चार स्थानों पर अवैध प्लाटिंग कराई ध्वस्त,मचा हड़कंप**
- **जनमानस से अपील,मानचित्र स्वीकृत कराकर निर्माण कार्य व प्लाटिंग करें:प्रभारी सचिव**
- **एचपीडीए द्वारा मार्च में अवैध प्लाटिंग व निर्माण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा**

उपाध्यक्ष के निर्देश पर अधिकारियों ने पुलिस

बल की मौजूदगी में बुलडोजर से हापुड़ विकास क्षेत्र के बाबूगढ़ में स्थानों पर अवैध प्लाटिंग ध्वस्त करने की कार्यवाही कराई गयी। प्राधिकरण की इस कार्यवाही से अवैध निर्माणकत्ताओं व कालोनाइजरों में हड़कंप मच गया है। मार्च माह में प्राधिकरण का अवैध प्लाटिंग व निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण व सीलिंग अभियान जारी रहेगा। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण के प्रभारी सचिव,सक्षम अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि हापुड़ विकास क्षेत्र के बाबूगढ़ क्षेत्र में ग्राम चक्रसैनपुर में किसान धर्मा सिंह,बलराम सिंह,रामायण,रविन्द्र,श्यामसुन्दर शर्मा द्वारा 20000 वर्ग मीटर,गढ़ रोड़ बाबूगढ़ छावनी में कालू सिंह,हाजी बशर अली,सगीर मलिक,हाजी अयूब द्वारा 2000 वर्ग मीटर, चक्रसैनपुर बाबूगढ़ में योगेन्द्र, रणवीर, श्याम सुन्दर शर्मा द्वारा 18000 वर्ग मीटर व चक्रसैनपुर बाबूगढ़ में राजीव कुमार चौधरी,श्याम सुन्दर शर्मा द्वारा 4000 वर्ग मीटर में की जा रही अवैध निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त कराया। उन्होंने अवैध निर्माणकताओं व कालोनाइजरों से दो टूक कहा कि अवैध निर्माण व प्लाटिंग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध निमार्णों को तत्काल रोक कर प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराकर,ही निर्माण करे,अन्यथा कार्रवाई होगी। प्राधिकरण के अधिकारी कर्मचारी अवैध प्लाटिंग,कालोनी व निमार्णों को चिन्हित करने में जुटे है। जिसके बाद उन पर सीलिंग व ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जायेगी। इस ध्वस्तीकरण अभियान मे प्रवर्तन प्रभारी सुभाष चंद चौबे,सहायक अभियंता नृपेश सिंह तोमर,अवर अभियंता जितेन्द्र नाथ दूबे, राकेश सिंह तोमर,महेश चन्द उप्रेती व प्राधिकरण का सचल दस्ता मौजूद रहा।

कायाकल्प सरकारी स्कूल इंग्लिश मीडियम स्कूलों को देंगे टक्कर, पीएम श्री योजना में जिले से 10 विद्यालयों चयन

पीएमश्री विद्यालयों में खरीदी जायेगी खेलकूद सामग्री : बीएसए

बुलन्द संदेश ब्यूरो

हापुड़। जनपद में चयनित पीएमश्री योजना में चयनित विद्यालयों में कक्ष निर्माण व खेलकूद सामग्री खरीदने के लिए धनराशि प्राप्त हुई है। अब विद्यालयों का कायाकल्प शीघ्र शुरू होने जा रहा है। इन विद्यालयों में पढने वाले बच्चों को सभी सुविधाएं मिलेगी। ये विद्यालय सुविधा देने के मामले में कान्वेंट स्कूलों को टक्कर देते दिखाई देंगे। भविष्य में इन स्कूलों में इंटरमीडिएट तक पढ़ाई कराई जायेगी। ऐसा होने से स्कूल ड्राप आउट भी कम होगा। आपको बता दें,कि पीएम श्री स्कूल योजना के तहत स्कूलों को आदर्श विद्यालय बनाया जाता है। शासन ने उक्त योजना में जिले के तीन ब्लाकों से छह विद्यालयों का चयन किया है। कंपोजिट,उच्च विद्यालय व प्राथमिक विद्यालय शामिल है। अभी इन विद्यालयों में एक से कक्षा आठ तक की पढ़ाई होती है। भविष्य में इन विद्यालयों में इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई होगी। जिससे बच्चों को बार-बार दाखिला लेने के झंझट से भी छुटकारा मिलेगा। एक बार

- **चार विद्यालयों में कक्ष निर्माण के लिए प्राप्त हुई धनराशि**
- **चयनित विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों के लिए बनेंगे शौचालय**

प्रवेश लेने पर बच्चे 12वीं तक की पढ़ाई कर सकेंगे। और इससे स्कूल ड्राप आउट कम करने में भी मद्द मिलेगी।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में चयनित विद्यालय

जिले से पीएम श्री योजना में चयनित विद्यालय धौलाना ब्लाक यूपीएस हिम्मतनगर,गढ़मुक्तेश्वर ब्लाक प्राथमिक विद्यालय,हापुड़ ब्लाक उच्च प्राथमिक कंपोजिट विद्यालय व सिंभावली यूपीएस कंपोजिट विद्यालय हिम्मतपुर शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में चयनित विद्यालय

पीएम श्री योजनामें जिले के गढ़ ब्लाक से गढ़ प्राथमिक विद्यालय एक व प्राथमिक विद्यालय नंबर दो,प्राथमिक विद्यालय लठीरा,धौलाना ब्लाक से कम्पोजिट विद्यालय बझैड़ा कला,हापुड़ ब्लाक से कम्पोजिट विद्यालय अहमदपुर नया गांव व हापुड़ नगर से इन्द्रा कन्या कम्पोजिट विद्यालय का चयन हुआ है।

एक विद्यालय पर होंगे करीब दो करोड़ खर्च

बताया कि योजना में चयनित एक विद्यालय पर करीब दो करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। विद्यालय में स्मार्ट क्लास,हाईटैक गणित,साइंस लैब,प्रत्येक कक्षा का अलग-अलग कक्ष,रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम,सभी कक्षा स्मार्ट,व दिव्यांग शौचालय का निर्माण होगा।

पीएम श्री योजना में चयनित हिम्मतपुर का सरकारी विद्यालय व बीएसए रीतु तोमर

खेल सामग्री के लिए धनराशि मिली

बीएसए रीतु तोमर ने बताया कि पीएम श्री योजना में चयनित 10 विद्यालयों के लिए खेल सामग्री खरीदने के लिए प्रति विद्यालय 50 हजार (5 लाख)की धनराशि प्राप्त हुई है। धनराशि से शीघ्र ही खेल सामग्री खरीदी जायेगी।

बीएसए का कहना

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रीतु तोमर ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024-25 में जिले से छह विद्यालयों का पीएम श्री योजना में चयन हुआ है। जिनमें कक्षों का निर्माण,साइंस लैब आदि का निर्माण कराया जायेगा।

शासन से धनराशि प्राप्त होने पर निर्माण कराया शुरू कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि पीएमश्री विद्यालय अहमदपुर नयागांव,लठीरा सहित चार विद्यालयों में कक्ष निर्माण के लिए धनराशि प्राप्त हुई है। जहां शीघ्र ही कक्ष निर्माण कार्य शुरू होगा।

Email Id : Bulandsandesh@gmail.com
दैनिक बुलन्द संदेश

सम्पादकीय

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-25: समृद्धि, आर्थिक सशक्तिकरण और वैश्विक सम्मान का अद्भुत आयाम

अब्दुल सलाम सैफी
संपादक

भोपाल में संपन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल निवेश और औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इससे पूरे भारत के समग्र विकास और आर्थिक समृद्धि के नये द्वार खुले हैं। इसके साथ यह समिट वैश्विक स्तर पर मध्यप्रदेश की छवि और सम्मान बढ़ाने का भी माध्यम बनी।

यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इसके बहुआयामी लाभ होंगे। जिस प्रकार यह संसार दो प्रकार का है । एक दृश्यमान और दूसरा अदृश्यमान । सृष्टि की कुछ ऊजाएँ ऐसी हैं जो दिखाई नहीं देतीं फिर भी जीवन संचालन में सहयोगी होतीं हैं। उसी प्रकार निवेश इस इन्वेस्टर्स समिट के निवेश प्रस्तावों के आकार लेने के बाद इसका परोक्ष प्रभाव भी मध्यप्रदेश के समाज जीवन पर होगा। इसके लिये मध्यप्रदेश सरकार ने समिट आयोजन से पहले कुछ अतिरिक्त तैयारी की है और औद्योगिक विकास को विरासत से भी जोड़ा है। यह प्रदेश आध्यात्मिक, साँस्कृतिक, प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने इन सबको जोड़कर धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की विधाएँ जोड़कर इन क्षेत्रों में निवेशकों को आमंत्रित किया था। इन चारों विधाओं में मध्यप्रदेश का स्थान सबसे अलग है। इतिहास में जहाँ तक दृष्टि जाती है, वहाँ मध्यप्रदेश की छवि एक समृद्ध और प्रतिष्ठित भूक्षेत्र के रूप में उभरती है। लाखों वर्ष पुरानी मानव सभ्यता के चिन्ह हैं। समय के साथ भले स्वरूप बदला हो, राजनैतिक सीमाएँ बदलीं, नाम बदले लेकिन मध्यप्रदेश की प्रसिद्धि बनी रही। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक पूरे विश्व में मध्यप्रदेश आकर्षण का केन्द्र रहा है। यही कारण था कि हर काल-खंड विदेशी पर्यटक भारत आते रहे है।

ह्येनसाँग और फाह्यान से लेकर अल्बरूनी तक और कनिघंम से लेकर स्मिथ तक भारत आने वाला कोई शोधकर्ता ऐसा नहीं जो मध्यप्रदेश न आया हो। इन सबके लेखन में मध्यप्रदेश को समृद्धियों का उल्लेख है। मध्यप्रदेश के वैभव और समृद्धि की झलक कण कण में बिखरी है। इसे संजोने में वाकणकर जी ने अपना जिवन समर्पित कर दिया था। इन सभी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्थलों की कहानियाँ, अनूठे चिन्ह, खनिज एवं वन्य संपदा की विविधता भी पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। यही प्रसिद्धि मध्यकाल मध्यप्रदेश के विनाश का कारण बनी थी। लगातार आक्रमणों से यह प्रदेश विपन्नता के अंधकार में डूब गया । ऐसा अंधकार कि इसकी छवि एक बीमारू राज्य की बन गई। स्वतंत्रता के बाद भी राजनैतिक कारणों से अनेक स्वरूप बदले गये। मध्यप्रदेश के वर्तमान स्वरूप की सीमाएँ नवम्बर 2000 में बनीं। और विकास की नई यात्रा आरंभ हुई। इसके साथ प्रदेश के औद्योगिक विकास पर जोर दिया गया। डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने विकास यात्रा को नये आयाम दिये। डॉ मोहन यादव ने मोदी मंत्र विकास के साथ विरासत का अमल करते हुये अपने कदम आगे बढ़ाये। कार्यभार संभालने के पहले दिन से डॉ मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी के इसमंत्र पर काम करना आरंभ किया और भारत को विश्व का सबसे समृद्ध राष्ट्र बनाने के उनके संकल्प को पूरा करने केलिये मध्यप्रदेश की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये। यह तभी संभव है जब भारत का प्रत्येक प्रदेश विकसित और उन्नत हो। 24-25 फरवरी को भोपाल में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इसी दिशा में एक क्राँतिकारी कदम है।

संविधान-स्थगित बस्तर : जहां रघु मीडियामी के लोकतांत्रिक अधिकार खत्म हो जाते हैं!

संजय पराते

'इंडियन एक्सप्रेस' की एक पुरानी रिपोर्ट से बात शुरू कर रहा हूं। दिसंबर 2014 की इस रिपोर्ट के अनुसार : जनवरी 2009 से मई 2014 के बीच 65 महीनों में बस्तर में केवल 139 नक्सलियों ने समर्पण किया था, लेकिन जून नवम्बर 2014 के बीच 6 महीनों के 'कल्लूरी राज' (तत्कालीन डीजीपी एसआरपी कल्लूरी) 377 आत्म समर्पण में हो जाते हैं और इसमें भी नवम्बर 2014 में 155 आत्म समर्पण! अखबार की छानबीन के अनुसार, इनमें से 270 लोगों का नक्सली के रूप में कोई पुलिस रिकॉर्ड ही नहीं था। इसलिए इनमें से किसी को पुनर्वास/मुआवजा भी नहीं मिला। लगभग 100 लोगों को 2000-5000 रुपयों तक की ही मदद मिली तथा केवल 10 को चतुर्थ श्रेणी की नौकरी। 'इंडियन एक्सप्रेस' की इस रिपोर्ट का आज तक छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आधिकारिक खंडन नहीं हुआ है और इसलिए इस रिपोर्ट को सही माना जा सकता है। स्पष्ट है कि उक्त आत्म समर्पण में भी बड़े पैमाने पर फजीर्वाड़ा किया गया था। इस प्रकार एक सामान्य नागरिक के भी नागरिक अधिकारों और उसके इज्जत से जीने के अधिकार को ही बड़े पैमाने पर कुचलकर कुछ लोगों की तकदीर चमकाने और वाहवाही लूटने का काम किया गया था। मार्च 2017 में 'एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया' की एक फैक्ट फाइंडिंग टीम ने बस्तर का दौरा किया था। इसने बड़ी संख्या में वहां के पत्रकारों से बात की, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि वे स्वतंत्र रूप से रिपोर्टिंग नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि उन पर पुलिस और नक्सलियों दोनों का दबाव रहता है, उनके फोन टेप किए जाते हैं और अघोषित रूप से निगरानी रखी जाती है। प्रतिष्ठित अखबार 'देशबंधु' के संपादक (अब दिवंगत) ललित सुरजन ने टीम को बताया था कि अगर आप स्वतंत्र रूप से तथ्यों का विश्लेषण करना चाहे, तो वे सीधे-सीधे पूछते हैं कि आप सरकार के साथ हों या माओवादियों के? बीबीसी के पत्रकार आलोक पुतुल ने जब एक खबर के लिए एसआरपी कल्लूरी का पक्ष जानना चाहा था, तो उन पर न सिर्फ पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग का आरोप लगाया गया था, बल्कि यह भी कहा गया था कि 'देशभक्त' मीडिया पुलिस के साथ है। इसके बाद उन्हें तुरंत वह इलाका छोड़ देने की धमकी दी गई थी। सभी जानते है कि यह 'देशभक्त मीडिया' ही आज 'गोदी मीडिया' में बदल गया है। ये 8-10 साल पहले का बस्तर था। लेकिन आज भी कुछ नहीं बदला है, कुछ भी नहीं, बल्कि बहुत कुछ बिगड़ा ही है। छत्तीसगढ़ के सुदूर बस्तर में नक्सलियों से निपटने और उनको कुचलने के नाम पर आदिवासियों के मानवाधिकारों को कुचलने और राज्य प्रायोजित हत्या और गिरफ्तारियों का दौर जारी है। सरकारी दावे के अनुसार, भाजपा राज के पहले आठ महीनों में 147 माओवादी मुठभेड़ में मारे गए हैं, 631 ने आत्म समर्पण किया है और 723 को गिरफ्तार किया गया है। इन आंकड़ों में कितने वास्तव में नक्सली हैं और कितने निर्दोष ग्रामीण, यह छानबीन का विषय है। जब तक किसी मुठभेड़, आत्मसमर्पण या गिरफ्तारी की वास्तविकता की खबर जंगल से छनकर, गोदी मीडिया के दुष्प्रचार को भेदकर जिला मुख्यालय या राजधानी तक पहुंचती है, इस बीच कई और घटनाएं होकर छानबीन की लाइन में खड़ी हो जाती है।

सरकारी दावे के अनुसार, भाजपा के सत्ता में आने के बाद माओवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। इसके सबूत के बतौर वह उन आंकड़ों को पेश करती है, जो मुठभेड़ में मारे गए हैं, या जिन्होंने आत्म समर्पण कर दिया है, या जिनकी गिरफ्तारियां हुई है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के पिछले 25 सालों से भाजपा और कांग्रेस आंकड़ों का यह खेल खेल रही है। लेकिन इसके विपरीत हकीकत यही है कि बस्तर का बड़े पैमाने पर सशस्त्रीकरण हुआ है और आज हर 9 नागरिकों के सिर पर एक पैरा मिलिट्री जवान की बंदूक तनी हुई है। बस्तर रेंज में हर 2-7 किमी. के बीच सुरक्षा बल का एक कैंप मौजूद है। कांग्रेस राज में वर्ष 2019-23 के बीच बस्तर संभाग में सुरक्षा बलों के 250 से ज्यादा कैंप स्थापित किए गए, तो भाजपा के पास भी आदिवासी गांवों को खुशहाल बनाने के लिए कैंप स्थापित करने की ही योजना है। भाजपा के सत्ता में आने के एक साल के अंदर 'योजना' बनाकर गांवों में लगभग 50 कैंप स्थापित किए गए हैं और उसने इस योजना को बड़ा ही खूबसूरत नाम दिया है -- नियाद नेल्लानार (मेरा गांव खुशहाल) योजना! कांग्रेस और भाजपा दोनों ने आदिवासियों को बुनियादी मानवीय सुविधाएं भले न दी हो, लेकिन उनकी खुशहाली के लिए कैंप जरूर दिए हैं।

लेकिन आदिवासी है कि वे न तो भाजपा की खुशहाली को स्वीकार कर रहे हैं और न उन्होंने कांग्रेस की खुशहाली को स्वीकार किया, तो क्यों? इसलिए कि ये कैंप उन्हीं के उत्पीड़न के लिए उन्हीं को बर्बाद करके बनाए जा रहे है। कांग्रेस-भाजपा राज में स्थापित इन कैंपों में एक भी कैंप ऐसा नहीं है, जो आदिवासियों को उनकी भूमि से खदेड़कर खड़ा नहीं किया गया हो ; एक भी कैंप ऐसा नहीं है, जिसके लिए आदिवासियों की ग्रामसभा की सहमति ली गई हो ; सुरक्षा बलों के साए में किए जा रहे सड़क निर्माणों में एक भी ऐसा निर्माण नहीं है, जिसके लिए आदिवासियों की सहमति ली गई हो। इन निर्माणों में, और इसको सुनिश्चित करने के लिए हो रही मुठभेड़ों, किए जा रहे आत्म समर्पणों और गिरफ्तारियों में अफसरों, ठेकेदारों और नेताओं की सांठगांठ से कितना भ्रष्टाचार हो रहा है, पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या की कहानी यह सब बताने के लिए काफी है। दिल्ली और रायपुर से चलकर बस्तर के जंगलों तक पहुंचते-पहुंचते हमारा संविधान और आदिवासियों को इससे मिलने वाली शक्तियां दम तोड़ देती है।

सरकारी दावे के अनुसार, जैसे जैसे बस्तर में माओवाद या नक्सलवाद दम तोड़ रहा है, वैसे-वैसे बस्तर में सशस्त्रीकरण बढ़ता जा रहा है। अब भाजपा राज में अबूझमाड़ में सेना का युद्धाभ्यास रेंज बनाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए 54000 हेक्टेयर (1.35 लाख एकड़) भूमि की आवश्यकता है। यह भूमि नारायणपुर जिले के कोहकमेटा तहसील की 13 ग्राम पंचायतों के 52 गांवों को विस्थापित कर हासिल की जाएगी। इस समय इन 52 गांवों की सम्मिलित आबादी लगभग 10000 हैं। 'देशद्रोही' करार दिए जाने का खतरा लेकर भी यह सवाल जरूर पूछा

जाएगा कि सेना के लिए युद्धाभ्यास रेंज बनाने की इस परियोजना में बस्तर का कितना विकास समाया हुआ है? 52 गांवों का विस्थापन पेसा अधिनियम के अनुसार आदिवासियों की सहमति से किया जाएगा या फिर बंदूक की नोक पर? साफ है कि माओवाद तो बहाना है, असली बात है बस्तर की प्राकृतिक संपदा को कॉरपोरेटों के हवाले करने की मुहिम में विरोध में उठने वाली आवाज को तुरंत शांत करना। हाल ही में जल, जंगल और जमीन को कॉरपोरेटों को सौंपने की मुहिम का विरोध कर रहे तथा पेसा और वनाधिकार कानून को लागू करने की मांग पर चलाए जा रहे आंदोलनों का नेतृत्व करने वाले रघु मीडियामी की गिरफ्तारी ने फिर यह सवाल सामने लाकर खड़ा कर दिया है कि क्या बस्तर में लोकतांत्रिक अधिकार प्रतिबंधित हैं? इस गिरफ्तारी की मानवाधिकार संगठनों ने तीखी निंदा की है।

माओवादी संगठनों से जुड़ाव के आरोप में 24 साल के रघु की गिरफ्तारी एनआईए ने 27 फरवरी को की है। सुकमा जिले के सिलगेर गांव में आदिवासियों की जमीन छीनकर सीआरपीएफ कैंप स्थापित करने के विरोध में मई 2021 में स्थानीय आदिवासियों के एक विरोध प्रदर्शन में गोलियां चलाई गई थीं, इसमें एक गर्भस्थ शिशु सहित 5 लोगों की मौतें हुई थी। तब राज्य में कांग्रेस सरकार थी। कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार का रवैया भी आदिवासियों के प्रति ठीक वैसा ही था, जैसे पूर्ववर्ती भाजपा की रमन सिंह सरकार का। यह हमारा सामान्य अनुभव है कि चाहे कांग्रेस हो या भाजपा, दोनों कॉरपोरेटों के प्रति नतमस्तक ही रही है और इनकी सेवा करने के लिए आदिवासियों के अधिकारों को कुचलने में भी उन्हें शर्म नहीं आती। रघु मीडियामी इसी सिलगेर आंदोलन से उभरा चेहरा है, जिन्होंने आदिवासियों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ स्थानीय स्तर पर मूलवासी बचाओ मंच नाम का एक संगठन बनाया। इस संगठन के बैनर पर देखते ही देखते 30 से ज्यादा जगहों पर कांग्रेस सरकार की आदिवासी विरोधी और कॉपोर्रेटपरस्त नीतियों के खिलाफ आंदोलन शुरू हो गया। बस्तर जैसे विरल आबादी वाले गांवों से औसतन एक लाख से ज्यादा आदिवासियों का दिन-रात के इन धरनों में जुटना बहुत ही महत्वपूर्ण था। ये आदिवासी शांतिपूर्ण ढंग से, लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे थे। ये आदिवासी लोकतंत्र की मुख्यधारा से अपने को जोड़ रहे थे। लेकिन तब की कांग्रेस की सरकार ने और अब की भाजपा सरकार ने इस आंदोलन और इसके नेताओं पर माओवादी का ठप्पा लगाने से परहेज नहीं किया, क्योंकि हर कीमत पर वे कॉरपोरेटों के हित साधने के लिए वे डटे रहे। यहां तक कि अपनी मांगों को लेकर राज्यपाल से मिलने आ रहे आदिवासियों के प्रतिनिधिमंडल को भी बीच रास्ते में गिरफ्तार किया गया। पिछले साल अक्टूबर में ही कांग्रेस सरकार ने मूलवासी बचाओ मंच पर प्रतिबंध लगाया था। इस संबंध में जारी अधिसूचना में कहा गया था : "यह संगठन "माओवादी प्रभावित क्षेत्रों" में राज्य और केंद्र सरकार की पहलों का विरोध कर रहा है और सुरक्षा शिविरों की स्थापना का विरोध करके क्षेत्र में विकास परियोजनाओं में बाधा बन रहा है।" लेकिन इस संगठन के किसी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने की बात नहीं कही गई थी। अब सवाल उठता है कि यदि कोई आदिवासी समुदाय राज्य और केंद्र की किसी पहल का विरोध कर रहा है, तो क्या यह उसका लोकतांत्रिक और संविधानप्रदत्त अधिकार नहीं है? कोई परियोजना विकास परियोजना है या नहीं, इसे सरकार तय करेगी या इसका फैसला पेसा अधिनियम के तहत स्थानीय आदिवासी समुदाय अपनी ग्राम सभाओं के जरिए करेगा? मूलवासी बचाओ मंच ठीक यही तो मांग कर रहा है कि पेसा अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार आदिवासियों को दिया जाय। यह मांग किस तरह नाजायज है, यह कांग्रेस और भाजपा को बताना होगा।कांग्रेस आज सत्ता में नहीं है, लेकिन कॉपोर्रेटपरस्ती से उसका नाता अभी तक टूटा नहीं है। इस अवैध गिरफ्तारी के एक सप्ताह बाद भी वह इस मामले में चुप है। रघु मीडियामी की वकील शालिनी गेरा का कहना है कि बस्तर के जन आंदोलनों को कुचलने के लिए ही रघु की फर्जी केस में गिरफ्तारी की गई है, क्योंकि जिन प्रतिबंधित 2000 रुपए के नोटों को रखने और प्रतिबंधित माओवादी संगठनों को धन वितरित करने के आरोप में उसे गिरफ्तार किया गया है, संबंधित एफआईआर में भी उसका कोई जिक्र नहीं है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले भी सरजू टेकाम और सुनीता पोटाई नामक मंच के दो कार्यकताओं को गिरफ्तार किया जा चुका है, जो बस्तर में संसाधनों की लूट के खिलाफ जारी आंदोलनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे थे।

बस्तर के बाहर जो लोग लोकतंत्र और संविधान की बड़ी-बड़ी डींगें हांकते हैं, उन सबके लिए बस्तर चुनौती है कि यहां आएं और माओवाद के नाम पर आदिवासियों की आवाज को हमेशा के लिए बंद करने का जो राज्य प्रायोजित अभियान पिछले 20-25 सालों से चल रहा है,

अखबार में अपना लेख कहानी, कविता या किसी विभाग के खिलाफ शिकायत या सुझाव देने के इच्छुक हो तो बेझिझक होकर हमारे पास भेज दें जिसे प्रकाशन योग्य होने पर अवश्य प्रकाशित करेंगे। हमें इस ईमेल पर भेज सकते हैं। भेजते समय विषय अवश्य लिखें।
bulandsandesh@ gmail.Com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि बुलन्द संदेश दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच पड़ताल कर लें, समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

महिला दिवस पर विशेष : क्या एक लड़की होना पाप है ? क्यों हमें सम्मान नहीं मिलता....

जेबा खान

आखिर हम इस समाज में कब तक महिलओं को दबाते रहेंगे कभी घर-परिवार के नाम पर तो कभी पिता का मान-सम्मान बचाने के लिए हमेशा एक बेटी, महिला और पत्नी को अपना मन मसूसकर कब तक रहना पड़ेगा। क्या इस पुरुषप्रधान देश में केवल एक दिन महिला दिवस मना लेने से उनकी बद से बत्तर हालत को सुधार जा सकता, बात चाहे किसी भी धर्म की हो लेकिन एक महिला को वो इज्जत वो प्रेम कभी नहीं मिला जो उन्हें भगवान की तरफ से दिया गया है। हिन्दू धर्म में महिला का लक्ष्मी का रूप माना गया है, तो वहीं मुस्लिम समाज की किताब कुरान में तो बेटी को रहमत का दर्जा दिया है, सबसे पहले चीज देना का हुक्म भी बेटी को दिया गया उसको पिता की सम्पत्ति में हिस्सा में दिया गया है लेकिन इस समाज के पुरुष इतना कुरूर हो गया हैं कि वो अपनी बेटी, पत्नी, बहन का हक तो मरते ही है और अगर घर में कन्या का जन्म हो जाये तो बहुत बढ़ा पाप मानकर महिला को प्रताड़ित किया जाता है यहाँ तक की उसको तलाक तक दे दिया जाता है।हर युग में महिलों की पुररुषों ने धज्जियाँ उडा कर रख दी हैं अगर बात आज के समय की करें तो एक 70 वर्ष की बुजुर्ग महिला हो या 1 साल की मासूम सी काली उसके अपने रिश्तेदार अपने घर में बलात्कार कर देते हैं। आखिर महिलाओं को पुरुष इन्सान होने का भी हक नही दे सकते और साल में एक बार महिला दिवस मना कर सोच लेते हैं कि देश की महिलाओं को उनका हक, इज्जत, प्रेम सब कुछ उनको मिल गया। जिस भगवान/ अल्लाह ने माँ के कदमों में जन्नत रख दिए आज उसी माँ-बहन को पुरुष अपने पैरों तलें रोंद के चले जाते हैं। उन्हें इज्जत के नाम पर दी जाती है चंद योजनाओं का लोलीपोप जैसे :- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना। सुकन्या समृद्धि योजना। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने से आर्थिक रूप से मजबूत होना। महिला सम्मान बचत पत्र योजना के जरिए 2 लाख रुपए तक निवेश पर 7.5 फीसदी ब्याज मिलना। ग्रामीण महिलाओं के लिए महिला शक्ति केंद्र स्कीम लाना। मातृत्व दिवस अवकाश 12 की जगह 26 हफ्ते करना। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को बच्चे के जन्म पर 5000 रुपए देना । मुस्लिम महिलाओं के लिए तीन तलाक पर कानूनी पाबंदी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त एलपीजी कलनेक्शन और सिलेंडर देना। महिला ई-हाट स्कीम शुरू करना। महिलाओं के लिए कई स्टार्टअप स्कीम। महिला पोषण अभियान। महिला हेल्पलाइन योजना। सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना। फ्री सिलाई मशीन योजना के तहत हर राज्य में सालाना 50 हजार से अधिक सिलाई मशीन फ्री में देना। आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए तक फ्री में इलाज। वर्किंग वुमेन हॉस्टल स्कीम चालू करना। वन स्टॉप सेंटर स्कीम, जिसके तहत हिंसा से पीड़ित महिलाओं को सभी तरह की मदद एक ही छत के नीचे मिलना। मातृत्व वंदन योजना के तहत गर्भवती महिला को पौष्टिक आहार योजना आदि क्या सिर्फ इन योजनाओं से महिलाओं का उनका हक और सम्मान मिल सकता है।

क्या वो उन मान सम्मान की हकदार नही हैं जो उन्हें ऊपर वाले ने (ईश्वर/ अल्लाह) ने उन्हें दिया है। क्या वो उस मान सम्मान की हकदार नहीं जो एक पुरुष को परिवार से मिलता है। या इनकी सुरक्षा के लिए कड़े कानून बनाने के जरूरत नही है जिससे बलात्कार से महिला और मासूम बच्चों को बचाया जा सके।

महिलाओं के आत्मबल एवं नेतृत्व की शक्ति को जागृत करने का दिवस

डॉ. बी. आर. नलवाया

आज के इस युग में नारी शक्ति के नेतृत्व में विकास की नई-नई गाथाएं लिखी जा रही है। इस विकास में पिता का रोल बेहद अहम माना जा सकता है क्योंकि जिन परिवारों में पिता अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं और प्रेरित करते हैं, उन घरों की बेटियां बुलंदियों को छुती है। कुछ बेटियों की जिंदगी में आज भी अनेकों पाबंदिया लगाई जाती है इन पाबंदियों से सभी वाकिफ भी है लेकिन जिन बेटियों की जिंदगी में बेवजह की पाबंदिया नहीं होती है उन घरों की बेटियां आजाद ख्यालों की होती है जिससे वे आगे बढ़ने में सफल भी होती है। वर्तमान में बेटियों या महिलाओं के लिए कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहा है। महिलाएं आगे बढे, इसके लिए भारत सरकार ने कई महत्वाकांक्षी योजनाएं भी चला रखी है। यदि देखा जाए तो 1930 में पहली बार भारत में महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में महिला साक्षरता में 10.5 फीसदी की बढ़त आई एवं आज महिला साक्षरता 75 फीसदी के लगभग पहुंच गई है। महिलाओं के बढ़ते कदमों को देखे तो 33 देशो में महिलाएं राष्ट्राध्यक्ष रही है, वही स्वीडन की संसद में 45 फीसदी महिलाएं है। विश्व के 1826 अरबपतियों में 200 से अधिक महिलाएं है। इसराइल दुनिया का पहला ऐसा देश है जहां सेना में महिलाओं को भी लिया गया था। महिला उद्यमियों की ओर देखा जाए तो भारत सरकार ने देश की 75 श्रेष्ठ स्टार्टअप कंपनियों में नवाचार करने वाली महिलाओं को चयनित किया है। विगत वर्षों में स्टार्टअप इंडिया योजना के तहत महिला उद्यमियों को 10 लाख से 1 करोड रुपए तक के ऋण की मंजूरी दी गई है।

कौशल विकास योजना में लगभग 375 उद्यमियो में से करीब आधी महिलाएं ही है। वर्तमान में महिला उद्यमी देश के विकास में उल्लेखनीय सहयोग कर रही है। इनके आत्मा बल का दुनिया में अन्य पुरुष लोहा ले रहे हैं। देखा गया है दुनिया के कई उद्यमी महिलाओं उद्यमियों के कार्यों का अनुसरण भी करते हुए देखा गया। इस समय जहां महिलाओं की दुनिया बदल रही है वही उनके सामने कुछ चुनौतियां भी खड़ी है। जहां महिलाएं खुदमुख्तार बनने के लिए घर से बाहर निकल रही है वहीं उनकी सुरक्षा उनके परिवार और पूरे समाज के लिए एक चुनौती बनती जा रही है। दुष्कर्म और छेड़छाड़ के मामले जिस तेजी से बढ़ रहे हैं यह बहुत ही चिंता का विषय है। अब इसके लिए कड़ा कानून बनाने की आवश्यकता है, जिसमें कोई रहम की जरूरत नहीं है तभी जाकर कुछ अनुशासन सुधार महसूस होगा । विगत वर्ष में ही 2 मार्च को झारखंड के दुमका जिले में विश्व भ्रमण पर निकली स्पेन की 28 वर्षीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म की शर्मनाक घटना सामने आई है, यह विश्व पटल पर भारत देश के लिए बहुत ही निंदनीय है,और यह संसार की एक शर्मसार घटना हुई है। मेरे भारत में विदेशी पर्यटक के साथ एसी घटना का भारतीय पर्यटन पर बहुत ही बुरा असर हो सकता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं की इज्जत करना सीख लो भाई, किसी के साथ गलत होता देख चुप्पी तोड़ना सीख लेंगे तभी इस तरह की घटनाओं को रोका जा सकता हैं। वैसे तो ज्यादातर महिलाएं अपने उपर होने वाले जुल्मो के खिलाफ आवाज उठाने लगी है। अब महिला अत्याचार के खिलाफ पहले जैसी सहनशील नहीं रही है वे अन्याय और नाइंसाफी के खिलाफ आवाज उठाने लगी है।

बेरोजगारों को छलनी करती 'रीट' की अपमानजनक रीत

हरीश शिवनानी

बीते फरवरी का अंतिम सप्ताह देश के सबसे बड़े प्रदेश के लाखों युवा बेरोजगारों के लिए एक बार फिर मानसिक रूप से छलनी करने वाला साबित हुआ। उनके साथ यह पहली बार नहीं हुआ, लेकिन यह पहली बार हुआ है कि अब इस बारे में न सिर्फ आपत्ति जताई जा रही है बल्कि विरोध के स्वर भी मुखर हो उठे हैं। संदर्भ है राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी ह्यरीटह्ल का। राजस्थान के स्कूलों में शिक्षक भर्ती की पात्रता के लिए आयोजित होने वाली इस परीक्षा में हर वर्ष लाखों युवा बैठते हैं। इस वर्ष यह परीक्षा 27-28 फरवरी को 41 जिलों के 1731 केंद्रों पर हुई। जिसमें 24,29,882 परीक्षार्थी शामिल हुए। वैसे तो ह्यरीटह्ल पिछले कई वर्षों से विभिन वजहों से चर्चा या विवाद का विषय रही है। इनमें ह्यपेपर लीकह्ल प्रकरण की चर्चा तो देश भर में रही थी। फरवरी 2017 में ह्यरीटह्ल का पेपर लीक होने के कारण परीक्ष रद्द करनी पड़ी थी। बाद में जून में पुनः परीक्षा हुई। पेपर लीक मामले में कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। इस घटना के बाद परीक्षा के दिन राज्य में नेटबंदी की जाने लगी, इसके बावजूद 2021 में गंगापुर सिटी से परीक्षा के पेपर फिर लीक हो गए। उस कांड के तार राजधानी के शिक्षा संकुल से भी जुड़े थे और इसमें सरकारी कर्मचारी,अधिकारी तक शामिल थे, जिससे स्कूल-लेक्चरर से लेकर हैड कॉन्स्टेबल भी जुड़े पाए गए। वर्ष 2022 में भी एक बड़े नेता ने स्क्रीन शॉट्स के जरिए इस परीक्षा के पेपर लीक होने के आरोप लगाए तो 2023 में जोधपुर से 37 ऐसे लोगों को गिरफ़्तार किया गया जो ह्यरीटह्ल के पेपर लीक करने की कोशिश में थे। जहाँ पेपर लीक जैसी घटनाएं महीनों से परीक्षा की तैयारी करने वाले लाखों निर्दोष युवाओं को निराश, हताश करने के साथ ही उन्हें असहनीय पीड़ा पहुंचाने वाली थीं, वहीं इन घटनाओं के बाद परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के साथ व्यवस्था और नियम-कायदों के नाम पर जो व्यवहार किया जाने लगा, वो कोढ़ में खाज या जले पर नमक छिड़कने से कम नहीं है। कुछ आपराधिक मानसिकता वाले तत्वों के कारण परीक्षा केंद्रों पर नियम-कायदों और व्यवस्था-अनुशासन के नाम पर पहले से मानसिक तनाव से गुजर रहे युवको-युवतियों को असहज करने वाला व्यवहार अपमानजनक और शर्मनाक है। हालांकि बोर्ड पहले ही परीक्षार्थियों को ड्रेस कोड आदि के बारे में सूचित कर देता है। नकल रोकने और पारदर्शिता के नाम पर लागू किए गए कड़े-नियम-कायदों का पालन करके आने के बावजूद परीक्षार्थी युवक-युवतियों के साथ के इस बार जो व्यवहार किया, वो उनकी गरिमा,आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाला ही नहीं, बल्कि उनकी धार्मिक-सांस्कृतिक भावनाओं को भी ठेस पहुंचाने वाला भी था। मसलन, 28 फरवरी को डूंगरपुर में दो युवक परीक्षार्थियों के जनेऊ उतरवा दिए गए, कइयों की कलाई से कलावे उतरवा लिये तो अलवर में एक युवती परीक्षार्थी के कुर्ते के बटनों पर कैंची चला दी गई। कई विवाहित युवतियों के मंगलसूत्र पर भी आपत्ति की गई तो अनेक युवतियों के बालों में लगी ह्यहेयर क्लिपह्य भी उतरवा दे गई। हैरान करने वाली बात यह है कि उदयपुर के एक केंद्र में जब दो युवतियों की ह्यनोज-पिनह्ल (लौंग,कील) नहीं उतरी तो उनके नाक पर पारदर्शी टेप चिपका दी गई और उसके बाद ही उन्हें परीक्षा देने के लिए अंदर जाने दिया गया। ऐसे में उन युवक-युवतियों के मानसिक संताप का अनुमान लगाना कठिन नहीं है। अंदाजा लगाइए कि पहले ही परीक्षा के तनाव से गुजर रहे इन युवाओं ने कितनी शर्मिंदगी महसूस की होगी। महत्वपूर्ण यह है कि ये सारे प्रतीक चिन्ह सनातन धर्म-संस्कृति के अटूट हिस्से मने जाते हैं। स्वाभाविक रूप से परीक्षा केंद्रों पर युवाओं से हुए इस व्यवहार के बाद आपत्तियां दर्ज करवाने और विरोध के स्वर मुखर होने के बाद एक महिला शिक्षक को निलंबित करने और एक हैड कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर करने जैसी कार्रवाई भले ही की गई लेकिन अनेक सवाल अब भी मौजूं हैं कि अदद एक नौकरी का सपना लेकर आने वाले युवाओं के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जाता है ? नकल रोकने के तमाम आधुनिक साधन-उपाय होने के बावजूद के साथ ये रवैय्या व्यवस्था की कई खामियों को उजागर करता है। परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थी के चेहरे की पहचान तकनीक का इस्तेमाल करने, प्रवेश-पत्र पर लगी फोटो का बारकोड के जरिए अभ्यर्थी से मिलान करने, फिंगर प्रिंट लेने के अलावा परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी से निगरानी के बावजूद युवाओं के साथ ऐसे व्यवहार का कोई तार्किक आधार नहीं है। यह मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि परीक्षा देने आए विद्यार्थी-अभ्यर्थी स्वाभाविक रूप से पहले से ही मानसिक तनाव में होते ही हैं, उस पर अगर परीक्षा नौकरी के लिए हो तो इस तनाव का बोझ बढ़ ही जाता है, ऐसे में जब उनके साथ कड़ी पाबंदियों के साथ कड़ा व्यवहार होता हो तो इसका नकारात्मक असर सीधा उसकी परीक्षा पर पड़ता है।

देश के सबसे बड़े प्रदेश में शिक्षक भर्ती पात्रता परीक्षा (रीट) के दौरान नियम-कायदों और व्यवस्था-अनुशासन के नाम पर परीक्षार्थियों के साथ किया जाने वाला व्यवहार उनके आत्मसम्मान और गरिमा को ठेस पहुँचाने वाला है। अब इस व्यवस्था को लेकर गहन विमर्श की आवश्यकता है

समय आ चुका है कि सरकार इस व्यवस्था पर अब गंभीरता से विशेषज्ञों के साथ विमर्श करे और ऐसी सरल और पारदर्शी व्यवस्था बनाए कि परीक्षा केंद्र पर बेरोजगारी के दंश से त्रस्त परीक्षार्थी सहज और तनावमुक्त होकर आत्मसम्मान के साथ परीक्षा दे और मुस्कराता हुआ लौटे।

महिला दिवस के अवसर पर अंशुमन गर्ग जेल अधीक्षक के आदेशानुपालन में महिला सप्ताह मनाया जा रहा है

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मथुरा (मोइनुद्दीन)। जिला कारागार मथुरा में महिला दिवस के अवसर पर श्री अंशुमन गर्ग जेल अधीक्षक के आदेशानुपालन में महिला सप्ताह मनाया जा रहा है। उक्त का शुभारम्भ 4 मार्च को किया गया। उक्त कड़ी में आज तीसरे दिन श्रीगिर्राज जी महाराज कॉलेज गोवर्धन मथुरा की चेयरपर्सन श्रीमती अनुराधा शुक्ला कारागार पर आई तथा उनके साथ आए कॉलेज की महिला विद्यार्थियों श्रेया व कृतिका के द्वारा राधा-कृष्ण के स्वरूप में एक नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इनके द्वारा महिला बंदियों के लिए दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री, तौलिया, सेनेटरी नैपकिन,होली की पिचकारी,बच्चों के लिए खिलौने आदि वितरित कराए गए। इस अवसर पर कु० रोहिणी शुक्ला, श्रीमती राखी सक्सेना, ममतेश दीक्षित,चंचल वर्मा एवं महिला बैरिक प्रभारी डिप्टी जेलर सुश्री करुणेश व अन्य महिला कार्मिक उपस्थित रही।

मथुरा मंदिर-मस्जिद विवाद पर इलाहाबाद कोर्ट में सुनवाई, ASI को पक्षकार न बनाने की मांग

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मथुरा (मोइनुद्दीन)। मथुरा की श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल की गई डेढ़ दर्जन याचिकाओं पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज एक बार फिर सुनवाई हुई, आज की सुनवाई में सूट नंबर एक और सोलह के हिंदू पक्षकारों ने अपनी याचिका में संशोधन किए जाने की अर्जी दाखिल की, सूट नंबर एक और सोलह के याचिकाकताओं ने अपनी याचिका में केंद्र सरकार के माध्यम से आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया को भी पक्षकार बनाए जाने की अनुमति दिए जाने की मांग की। हालांकि मुस्लिम पक्ष ने इस पर आपत्ति दाखिल की, मुस्लिम पक्ष के साथ ही कई हिंदू पक्षकारों ने भी इस पर ऐतराज जताया, कई हिंदू पक्षकारों ने भी सूट नंबर एक के याचिकाकर्ता भगवान श्री कृष्ण विराजमान एट कटरा केशव देव खेवट और सूट नंबर 16 के याचिकाकर्ता देवता भगवान श्री कृष्ण लला विराजमान की याचिकाओं में संशोधन की इजाजत की मांग खारिज किए जाने

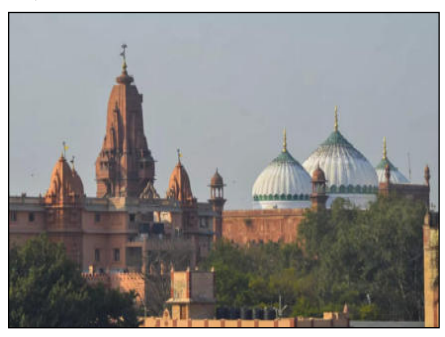

की दलील पेश की। मुस्लिम और हिंदू पक्षकारों की तरफ से कहा गया कि इससे मुकदमे का निपटारा होने में दिक्कत होगी, यह सिविल सूट दो पक्षों के बीच का है और इसमें केंद्र सरकार के माध्यम से आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया को पक्षकार बनाए जाने की कोई जरूरत नहीं है, मामले की सुनवाई जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्र की सिंगल बेंच में हुई। आज की सुनवाई तकरीबन डेढ़ घंटे तक चली, सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने सूट नंबर एक और 16 में संशोधन की इजाजत दिए जाने की मांग वाली अर्जी पर अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया, अदालत ने ओपन कोर्ट में अपना आधा फैसला लिखाया, इस मामले में अदालत का फैसला एक-दो दिन बाद आ सकता है, हाईकोर्ट का फैसला सिर्फ दो सूट में संशोधन की इजाजत के बिंदु पर ही आएगा। गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट अयोध्या विवाद की तर्ज पर मथुरा के मंदिर मस्जिद विवाद में सीधे तौर पर सुनवाई कर रहा है, हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल किए गए मुकदमों में एक साथ सुनवाई हो रही है, हालांकि अभी तक मुकदमों का ट्रायल शुरू नहीं हो सका है, मुकदमों का ट्रायल शुरू होने के लिए अभी तक वाद बिंदु भी तय नहीं हो सके हैं, हाईकोर्ट में इस मामले में अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी, सभी पक्षों की तरफ से ज्यादातर अधिवक्ताओं ने आज ऑनलाइन मोड में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी दलीले पेश की ।

मथुरा में शराब-भांग की 461 दुकानों का हुआ लाटरी ड्रा से आवंटन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

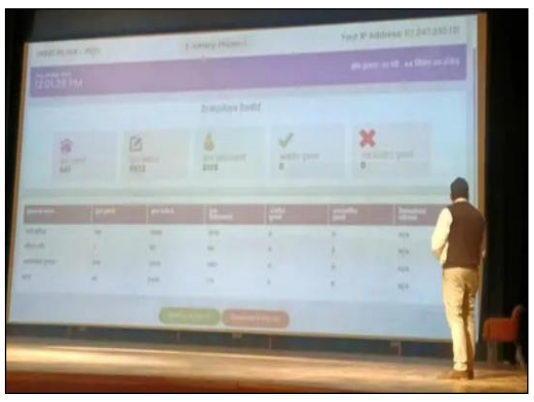

मथुरा (मोइनुद्दीन)। जनपद में शराब की 461 दुकानों का आवंटन लाटरी ड्रा द्वारा किया गया। इसमें 13 ऐसी भी दुकान थीं जिनके लिए सिर्फ एक एक ही आवेदन आया था। आवंटन के दौरान पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में लोगों की भीड़ जुटी रही।

गुरुवार को जनपद में शराब और भांग की दुकानों की लॉटरी की प्रक्रिया आगरा मंडल आयुक्त शैलेंद्र सिंह और जिलाधिकारी सीपी सिंह,पुलिस कप्तान शैलेश कुमार पांडे की मौजूदगी में डैंपियर नगर स्थित पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में हुई।

जिला आवकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह ने बताया कि जनपद में शराब की 461 दुकानों का लाटरी द्वारा आवंटन किया गया। इसमें 9622 लोगों के बीच लाटरी ड्रा का मुकाबका हुआ। जिसमे 196 देशी, 209 कम्पोजिट दुकान, 7 मॉडल शाप और 49 भांग की दुकान थीं। इनके लिए 9624 आवेदन प्राप्त हुए थे। इसमें से दो आवेदन पत्र निरस्त किए गए। इस तरह देशी की 196 दुकानों के लिए 3686 आवेदन, 209 कम्पोजिट दुकानों के लिए 3606, 7 मॉडल शाप के 101 और 49 भांग की दुकानों के लिए 2229 आवेदन थे, जिसके आधार पर आवंटन किया गया। इसमें भी देशी की सात, कम्पोजिट की चार, मॉडल शाप एक और भांग की एक दुकान के लिए सिर्फ एक एक आवेदन था। इस प्रक्रिया के दौरान मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित डैंपियर नगर स्थित पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में भीड़ जुटी रही। बड़ी संख्या में आवेदकों के साथ उनके परिचित भी यहाँ पहुंचे।

किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मथुरा (मोइनुद्दीन)। मथुरा शहर के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित डिग्री कॉलेज किशोरी रमण महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए करियर काउन्सलिंग का आयोजन हुआ! महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार अग्रवाल द्वारा महाविद्यालय में अध्ययनरत कॉमर्स के विद्यार्थियों को करियर से सम्बंधित मार्गदर्शन और बदलते हुए समय में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अवसरों की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए इस कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा तैयार की! कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित रह कर तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त किया! कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सी. ऐ. राहुल चौधरी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को सीऐ , सीएस,आईसी डब्ल्यू ए कोर्स तथा पढ़ाई की जानकारी दी! प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में कॅरिअर सम्बन्धी चुनौतियों से अवगत कराते हुए उनका उत्साह वर्धन कर मार्गदर्शन किया! मुख्य वक्ता के रूप डॉ. वीरांगना सिंह तथा डॉ. अनिल कुमार ने एम. बी. ऐ. तथा अन्य वाणिज्य सम्बन्धी कोर्सेस की जानकारी दी! कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ मुकेश अग्रवाल, डॉ. अनिल सक्सेना उपस्थित रहे ! कार्यक्रम की व्यवस्था डॉ. नवीन अग्रवाल, डॉ. अजय उपाध्याय, डॉ. दिव्या द्विवेदी, डॉ. खुशबू जयसवाल, डॉ. धीरज कुमार, डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. प्रभात वर्मा, डॉ. अशोक कौशिक, डॉ. विजय नारायण सिंह आदि का विशेष योगदान रहा!

मथुरा वृंदावन नगर निगम की टीम ने अपने शहर को साफ स्वच्छ रखने के साथ वर्तमान में प्रदेश में रेटिंग हेतु हम सभी को जिम्मेदार नागरिक के रूप में फीडबैक भरने हेतु आवाहन किया । जिससे मथुरा- वृंदावन नगर निगम स्मार्ट सिटी बन सके।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के द्वारा दोनों बेटियों को कन्यादान के लिये दो लाख रुपये कन्यादान स्वरूप दिए

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मथुरा (मोइनुद्दीन)। करनावल में दलित समाज की दोनों बेटियों मनीषा व रानी पुत्री श्री पदम सिंह की शादी दिनांक 7 मार्च को होनी है। जिससे एक दिन पूर्व आज दिनांक 6 मार्च को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के द्वारा दोनों बेटियों को कन्यादान के लिये दो लाख रुपये कन्यादान स्वरूप समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद माननीय रामजीलाल सुमन सुमन जी, बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती जी ,एवं लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर रामकरण निर्मल जी, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा जी, आजाद सिंह जाटव पूर्व जिला अध्यक्ष आगरा डालो, जिला अध्यक्ष मथुरा वीरेंद्र यादव , जिला महासचिव सुभाष पाल, जिला उपाध्यक्ष दिगंबर सिंह ,वरिष्ठ नेता प्रदीप चौधरी सहित तमाम समाजवादी साथियों ने गांव करनावल जाकर दोनों बेटियों के हाथों में कन्यादान की धनराशि भेंट की । आज के कार्यक्रम से दो दिन पूर्व जिला समाजवादी पार्टी द्वारा घोषित 51 हजार रुपए की धनराशि भी परिवार को उपलब्ध करा दी गई थी। इस मौके पर श्री रामजीलाल सुमन जी ने कहा कि कुछ सामाजिक तत्व हर समाज में पैदा होते हैं उनकी वजह से किसी संपूर्ण समाज को दोषी नहीं ठहराया जा सकता । समाजवादी पार्टी हमेशा समाज में शोहार्ड चाहती है। लेकिन कुछ राजनीतिक दल अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस भाईचारे को तोड़ना चाहते हैं। लेकिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी ने जब से पीडीए का नारा दिया है प्रदेश में आपसी मेलजोल बड़ा है। इसी को लेकर कुछ लोग इसे तोड़ना चाहते हैं। मिठाई लाल भारती जी ने कहा उत्तर प्रदेश अन्य इलाकों में भी मुख्यमंत्री के सजातियों द्वारा दलितों के साथ घटनाएं घटित की जा रही है उसमें समाज कल्याण मंत्री क्यों नहीं जा रहे हैं। अन्य जगहों पर उन्हें गुंडे दिखाई नहीं देते हैं क्योंकि वह गुंडे मुख्यमंत्री के सजातीय भाई हैं। रामकरण निर्मल प्रदेश अध्यक्ष लोहिया वाहिनी ने कहा पड़ा नर से अधिक जमीन पर काम करता है और हाथरस फतेहपुर लखनऊ लखीमपुर हरदोई आदि दलों में भी दलितों को मारा गया है वहां भी समाजवादी पार्टी के अलावा अन्य कोई पार्टी दलितों के साथ नहीं खड़ी है दलित बेटियों के पिता ने मनी राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के नाम निमंत्रण दिया है । माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने आशीर्वाद के रूप में इन बेटियों को ?200000 भेंट करवाए हैं इस मौके पर मुख्य रूप से विश्व गुरु जाटव राष्ट्रीय महासचिव अंबेडकर वाहिनी ,आशीष गौतम राष्ट्रीय सचिव अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ ,नितिन कोहली आगरा शालू यादव आशीष गौतम, डॉक्टर संतोष वर्मा प्रमुख महासचिव लोहिया वाहिनी, सोनू ठाकुर जिला सचिव, पवन चौधरी अध्यक्ष लोहिया वाहिनी, मुन्ना मलिक जिला अध्यक्ष योवजन सभा, रानू यादव महानगर अध्यक्ष छात्र सभा, सुरेश यादव पूर्व प्रधान ,सौदान सिंह रामनिवास पप्पू जाटव आदि मौजूद यादव, रामनिवास यादव, रामपाल पूर्व प्रधान रहे । सभी ने दोनों बेटियों की शादी कल धूमधाम से करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

खादी ग्रामोद्योग विकास प्रोत्साहन नीति के अन्तर्गत जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

अलीगढ़। खादी ग्रामोद्योग विकास प्रोत्साहन नीति के अन्तर्गत खादी ग्रामोद्योग उत्पादन के लिए गुरूवार को उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा एक दिवसीय जागरूकता शिविर का भव्य आयोजन आईटी लैब, राजकीय औद्यौगिक संस्थान में किया गया। जागरूकता शिविर की अध्यक्षता परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी श्रीमती संजीदा बेगम द्वारा की गयी, शिविर में शिक्षारत छात्र एवं छात्राओं द्वारा भाग लिया गया।जागरूकता शिविर में क्षेत्रीय श्री गाँधी आश्रम के मंत्री संतोष कुमार मिश्रा, जन सेवा खादी आश्रम के मंत्री आरके शर्मा के द्वारा खादी उत्पाद व खादी के वस्त्रों के महत्व, उपयोगिता एवं खादी के इतिहास के बारे में विस्तृत जारकारी दी गयी। जागरूकता शिविर में क्षेत्रीय निदेशक इग्नू के डायरेक्टर डा अजय वर्धन आचार्य द्वारा उपस्थित छात्र एवं छात्राओं को इग्नू विश्वविद्यालय व अन्य विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गयी।जागरूकता शिविर में राजकीय औद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य का राजेश गौतम व कार्यदेशक हुकुम सिंह का विशेष सहयोग रहा। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी संजीदा बेगम ने शिविर में उपस्थित समस्त छात्र-छात्राओं व उपस्थित लोगों को धन्यवाद देकर जागरूकता शिविर के समापन किया गया।

डीएम ने नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अन्तर्गत लाभार्थियों की निकाली लॉटरी

बुलन्द संदेश ब्यूरो

अलीगढ़ (मनोज चौहान)। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में गुरूवार को नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अन्तर्गत मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना में डिस्ट्रिक्ट एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक आयोजित की गई। योजना में 35 पुरूष आवेदकों के सापेक्ष 09 एवं 51 महिला आवेदकों में से 26 महिला गौपालक लाभार्थियों का लॉटरी के माध्यम से चयन किया गया।जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कहा कि सरकार खेती-बाड़ी में लगे किसानों की आय बढ़ाने के साथ ही

पशुपालकों की आय में वृद्धि करने के लिए गंभीर है। सरकार चाहती है कि उन्नत नस्ल की स्वदेशी गायों का संवर्धन हो और दुग्ध उत्पादन बढ़े। जिसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना में उन्नत नस्ल की गाय खरीदने वालों को भरपूर सब्सिडी दी जा रही है। योजना में राजस्थान एवं हरियाणा की साहीवाल, थारपारकर एवं गीर नस्ल की गायों के पालन पर विशेष बल दिया जा रहा है। डिस्ट्रिक्ट एग्जीक्यूटिव कमेटी के माध्यम से चयनित गौपालक स्वयं या विभाग के माध्यम से राजस्थान या हरियाणा पहुँचकर उन्नत नस्ल की गाय खरीदेंगे। योजना में 02 स्वदेशी उन्नत नस्ल की गाय की इकाई स्थापना के लिए 80 हजार रुपए तक का अनुदान दिए जाने का प्राविधान है।डीएम ने सीवीओ डा0 दिवाकर त्रिपाठी को निर्देशित किया कि वह चयनित गौपालकों को स्थानीय जलवायु को ध्यान में रखते ।हीवाल एवं थारपारकर ब्रीड की गाय लाने के लिए प्रेरित करें। यह देखने में आकर्षक होने के साथ ही दुग्ध उत्पादन में भी बेहतर है। इसके साथ ही उन्होंने गायों की पोषण प्रणाली पर कार्यशाला आयोजित कराने के निर्देश दिए। बैठक में डीडीओ आलोक आर्य, एडी इफोर्मेशन संदीप कुमार, डीएसटीओ चन्द्रभान चैधरी समेत संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एएमयू के तहफ्फुजी वा समाजी तिब विभाग द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के यूनानी चिकित्सा संकाय के तहफ्फुजी वा समाजी तिब (निवारक एवं सामाजिक चिकित्सा) विभाग ने भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए जनजातीय आयुष जागरूकता अभियान के तहत एक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर रूबी अंजुम और अलीगढ़ जिला अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. हशमत उस्मानी ने किया। शिविर के संयोजक डॉ. अम्मार इब्ने अनवर ने कार्यक्रम के लिए बुनियादी ढांचे और स्थल की सुविधा के लिए अलीगढ़ के जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज त्यागी के सहयोग की सराहना की।शिविर में 250 से अधिक लोग आए, जिन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अलावा, उपस्थित लोगों की स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करने के लिए बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) माप आयोजित किए गए, और जूनियर रेजिडेंट ने बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्तापूर्ण जीवनशैली पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

नुमाइश में ड्यूटी करने वाले सिविल डिफेंस ध्नागरिक सुरक्षा के समस्त जवानों को अपर जिलाधिकारी (नगर) महोदय के द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया

बुलन्द संदेश ब्यूरो

अलीगढ। राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी अलीगढ़ महोत्सव 2025 का शुभारंभ दिनांक 2 फरवरी 2025 से किया गया था जिसमें सिविल डिफेंस ध्नागरिक सुरक्षा के 171 जवानों की ड्यूटी शांति व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से अपर जिलाधिकारी (नगर) ध्प्रभारी अधिकारी नागरिक सुरक्षा अलीगढ़ एवं प्रभारी अधिकारी प्रदर्शनी अलीगढ़ के आदेशानुसार एवं उप नियंत्रक महोदय तथा वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक महोदया के निर्देशन में लगाई गई थीसमस्त जवानों ने प्रदर्शनी के शुभारंभ 2 फरवरी 2025 से प्रदर्शनी के समापन 28 मार्च 2025 तक अपनी पूर्ण मेहनत और लगन से शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने में शासन व प्रशासन का पूर्ण सहयोग किया इसके लिए अपर जिलाधिकारी (नगर) महोदय के द्वारा समस्त जवानों के कुशल कार्य की सराहना भी की गई। 3 मार्च 2025 को समय शाम 5रू00 बजे राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी अलीगढ़ महोत्सव का समापन समारोह कृष्णांजलि नाट्यशाला में किया गया जिसमें नुमाइश में ड्यूटी करने वाले समस्त जवानों को अपर जिलाधिकारी (नगर) महोदय के द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।नोट, दिनांक 3 मार्च 2025 को प्रदर्शनी के समापन समारोह में नुमाइश में ड्यूटी करने वाले सिविल डिफेंस के जो सभी जवान नहीं पहुंच पाए थे अर्थात सम्मानित होने के लिए रह गए थे ।

प्रतिभागिता

विज्ञान की दुनिया में अपनी चमक बिखेर रहे बाल वैज्ञानिक, मॉडल बनाने के लिए दी जाएगी 10-10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि

इंस्पायर अवार्ड योजना हो या फिर विज्ञान के लिए राष्ट्रीय स्तर का अवसर, हर जगह पर हो रही अलीगढ़ की प्रतिभागिता

बुलन्द संदेश ब्यूरो

अलीगढ़ (मनोज चौहान)। विज्ञान की दुनिया में अलीगढ़ के युवा देश दुनिया में नाम कमा रहे हैं। इंस्पायर अवार्ड योजना हो या फिर विज्ञान के लिए राष्ट्रीय स्तर का अवसर प्रत्येक जगह पर अलीगढ़ की प्रतिभागिता हो रही है। इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में जिले के 152 बाल वैज्ञानिकों का चयन हुआ है। प्रत्येक चयनित बाल वैज्ञानिकों को केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से मॉडल बनाने के लिए 10 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।केंद्र सरकार की ओर से इंस्पायर अवार्ड मानक योजना चलाई जा रही है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय एवं राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान के तत्वावधान में संयुक्त रूप से कक्षा छह से 10 तक पढ़ने वाले स्कूली बच्चों के लिए नवाचार आधारित योजना में इस वर्ष जिले के 152 बाल वैज्ञानिकों का चयन किया गया है। विज्ञान आधारित मौलिक विचारों को चयनित करके भौतिक रूप में योजना के तहत कक्षा छह से 10 तक के लगभग बच्चों ने करवाया था, पंजीकरण में बेसिक शिक्षा विभाग के बच्चों की संख्या भी है, मॉडल बनाने के लिए प्रत्येक बच्चे को 10 हजार की धनराशि खातों में पहुंचाई जाएगी।जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक एवं इंस्पायर अवार्ड प्रभारी राजीव कुमार अग्रवाल ने बताया कि इंस्पायर्ड अवार्ड योजना का आयोजन डीएसटी और राष्ट्रीय नवप्रर्वतन प्रतिष्ठान द्वारा किया जाता है। इसे पीएम द्वारा शुरू किए स्टार्ट अप इंडिया के साथ जोड़ा गया है। कार्यक्रम में देशभर के सभी निजी और सरकारी स्कूलों के छात्रों के मौलिक विचारों और नवप्रवर्तनों को आमंत्रित किया जाता है। इंस्पायर योजना में 4428 छात्र और छात्राओं ने पंजीकरण करवाया था, इनमें से 152 का चयन हुआ है, योजना में किसान, श्रमिक, कारीगरों व दुकानदारों की रोजमर्रा की समस्याओं पर काम करने वाले मौलिक विचारों को चयन में वरीयता दी जाती है। लाभान्वित होने वाले सभी बच्चे अपने बैंक खातों को क्रियाशील रखें और प्राप्त धनराशि का उपयोग मॉडल को बनाने में करें।जिलाधिकारी संजीव रंजन, मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह, संयुक्त शिक्षा निदेशक मनोज कुमार गिरि अलीगढ़ मंडल, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानन्द, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राकेश कुमार सिंह इंस्पायर अवार्ड योजना प्रभारी राजीव कुमार अग्रवाल, राजीव कुमार सिंह ने सभी चयनित छात्र और छात्राओं को बधाई दी और कहा कि अब चयनित बच्चों को मार्गदर्शन देने और उनकी क्षमताओं में निखार लाने का कार्य करे। हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर अधिक से अधिक चयन और पुरस्कार दिलाने का होना चाहिए,हम सभी को विश्वास है कि हमारी टीम बच्चों के बेहतर भविष्य निर्माण में योगदान देगी।

बरेली पुलिस का हाई अलर्टः 814 जवानों ने किया दमदार प्रदर्शन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

बरेली। आगामी त्योहारों के दौरान शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बरेली पुलिस ने अपने बल को हाई अलर्ट पर रखा और जबरदस्त बलवा ड्रिल का आयोजन किया। पुलिस लाइन परेड ग्राउंड

दंगाइयों से निपटने के लिए आधुनिक तैयारी

में आयोजित इस बड़े अभ्यास में कुल 814 पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया। यह ट्रेनिंग आधुनिक दंगा नियंत्रण तकनीकों को सीखने और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियों पर केंद्रित थी।

दंगाइयों के खिलाफ सशक्त कदमः

1. आधुनिक तकनीकों का अभ्यासः
पुलिस बल ने टियर गैस, लाठीचार्ज, रबर बुलेट, और अन्य विशेष उपकरणों के इस्तेमाल का व्यावहारिक प्रशिक्षण लिया।

2. रणनीतिक तैयारीः

भीड़ नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अलग-अलग आधुनिक तरीकों का अभ्यास किया गया।

3. विशाल भागीदारीः

इसमें वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर आरक्षियों तक, कुल 814 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। इसमें 5 अपर पुलिस अधीक्षक, 13 क्षेत्राधिकारी, 29 थाना प्रभारी, 80 उपनिरीक्षक, और अन्य अधिकारी शामिल थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि शांति भंग करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने और सहयोग बनाए रखने की अपील की।

त्योहारों के समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बरेली पुलिस पूरी तरह से तैयार है। इस अभ्यास ने पुलिस बल को आधुनिक दंगा नियंत्रण तकनीकों में निपुण बना दिया है और शहर में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाने की ओर एक बड़ा कदम उठाया है।

बड़ी बड़ी बातें करने वाली भाजपा महंगाई और बेरोजगारी को रोकने में नाकाम : विजेंद्र सिंह

बुलन्द संदेश ब्यूरो

बरेली/ आंवला। समाजवादी पार्टी आँवला विधानसभा की मासिक बैठक रामनगर के जैन मंदिर में आयोजित की गई । जिसमें विधानसभा प्रभारी विजेंद्र सिंह यादव पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि बड़ी-बड़ी बातें करने वाली भाजपा सरकार महगाई और बेरोजगारी की समस्या से निस्तारण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में देश और प्रदेश में महिला अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है। भाजपा सरकार में महिलाओं के हितों को दरकिनार

किया जा रहा है। अरविन्द यादव जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि आज समय आ गया है कि समाज के सभी वर्ग के लोग एक साथ आकर इस निरंकुश भाजपा सरकार को 2027 में उखाड़ फेंकने का संकल्प लेकर जाये। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डा. इंद्रपाल यादव, जीराज यादव, इंद्रपाल सागर, अमित राज सिंह, सतेन्द्र सिंह, जगन्नाथ सिंह, भूपेन्द्र सिंह, सुनील लोधी, अवधेश पाठक, बी.डी वर्मा, आलोक यादव आदि समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

फर्जी बीमा करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह के सदस्य को पुलिस ने दबोचा

बुलन्द संदेश ब्यूरो

संभल/बहजोई (दिनेश सक्सेना)। पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन व अपर

पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा कुशल नेतृत्व में थाना बहजोई पुलिस ने फर्जी बीमा पॉलिसी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह (बीमा माफिया) के 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार। उपरोक्त खुलासे के सम्बन्ध में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मीडिया के माध्यम से सभी को अवगत कराया।

अभियुक्त विनोद ने अपने ही पिता का कराया था बीमा जब बह मर्णाशन अवस्था में थे उनके नाम पर एक ट्रेक्टर,एक बाइक व एक स्कूटी निकाली थी उनके मरने के उपरांत लोन माफ हो गया।

उसने और एक व्यक्ति के साथ भी ऐसा ही रवैया अपनाया और उसके नाम पर एक बाइक और एक ट्रेक्टर निकाला और फिर उसकी मृत्यु हो गई उक्त ने ट्रेक्टर किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया जबकि बह ट्रैक्टर मृतक दिनेश के नाम पर दर्ज है उसकी पत्नी दर दर भटक रही है उसको पता ही नही की उसके पति के नाम ट्रैक्टर भी है।

पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने बताया की फर्जी बीमा गिरोह के अवतक 26आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया है और मुहीम जारी है ।

कैथल-शमसोई मार्ग का हो रहा चौड़ीकरण

बुलन्द संदेश ब्यूरो

चन्दौसी। कैथल-शमसोई रोड का चौड़ीकरण किया जा रहा है। पिछले दो माह से निर्माण कार्य चल रहा है। इस बार चारकोल की जगह सीमेंटड सड़क का निर्माण किया जा रहा है जिससे बारिश के मौसम में सड़क खराब न हो। फिलहाल लगातार सड़क मशीनों की सहायता से तैयार की जा रही है। कैथल में बाजार के बाद सड़क काफी मोटी सीमेंट सरिया से निर्माण किया जा रहा है। दोनों ओर डेढ़ मीटर से अधिक चौड़ी की गयी है। अब जहां वाहनों को आने-जाने में सुविधा होगी। वहीं नवनिर्मित सड़क से चन्दौसी, कैथल, सैदपुर, फतेहपुर शमसोई को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

राष्ट्रवादी पार्टी कार्यकर्ताओ ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

नबावगंज। गुरुवार को राष्ट्रवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अतीक अहमद इदरीसी की मौजूदगी में पांच सूत्रीय ज्ञापन तहसीलदार नवाबगंज को सौपा यह ज्ञापन किसानो ब आम आदमी की समस्याओं से संबंधित पांच सूत्रीय ज्ञापन सौपा गया आपको बता दे की छुटटा पशुओं को गौशालाओं में सुरक्षित किया जाए जिससे किसान व किसान की फसल सुरक्षित हो सके प्रतिदिन सड़कों पर आवारा पशुओं से आम आदमी के साथ होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लग सके व खाद डीएपी में यूरिया की काला बाजारी पर रोक लगाई जाए जिससे किसान को खाद सस्ते दामों पर

उपलब्ध हो सके और डीजल व पेट्रोल की कीमत को कम किया जाए जिससे किसान फसल को आसानी से कम खर्चे में मंडी तक ले जा सके व फसल की सिंचाई कम लागत में कर सके क्योंकि गरीब किसान आज भी फसल की सिंचाई के लिए डीजल इंजन पर आधारित है पिछले वर्ष राजस्व विभाग के द्वारा किसानों के शामिल खाता की खतौनी पर जो हिस्सा खोले गए हैं जो लगभग 60% हिस्सा गलत कर दिए गए हैं जिन पर किसानों को बाद दायर कर राजस्व विभाग धन उगाही कर रहा है ऐसे गलत हिस्सा खोलने वाले कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई करते हुए किसानों को सरल प्रक्रिया के तहत खतौनी पर हिस्सा खोले जाएं व रसोई गैस सिलेंडर की कीमत घटाकर अधिकतम ?500 से कम की जाए इस मौके पर राष्ट्रवादी पार्टी जिला अध्यक्ष अतीक अहमद इदरीश, प्रमोद कुमार, नितेश कुमार, मोहम्मद यूनुस जिला प्रभारी, शाकिर अली, कुलदीप कुमार प्रजापति, जितेंद्र कुमार, सतीश चंद्र, प्रभु दयाल सहित आदि लोग मौजूद रहे।

युवक की धारदार हथियार से गला रेतकर की हत्या

बुलन्द संदेश ब्यूरो

असमोली (मोनू सागर)। थाना क्षेत्र असमोली के गांव दुगावर निवासी विजय सिंह पुत्र मुंशीराम उम्र 30

वर्ष की बुधवार रात को अज्ञात लोगों ने गला रेतकर हत्या कर दी।

मृतक के भतीजे मनीष ने बताया कि मैं कल भात के कार्यक्रम में शामिल होने गया था। तो शाम लगभग 6.30 बजे मेरे चाचा मृतक विजय सिंह के फोन पर किसी का फोन आया तो चाचा विजय सिंह अपनी पत्नी से किसी काम से गांव के अड्डे पर जाने की बात कहकर घर से चले गए। ओर वापस नहीं आए मै जब रात्रि में घर पहुंचा तो घर पर चाचा के नहीं लौट कर आने का कारण पूछने के लिए फोन किया तो मोबाइल की घंटी लगातार बजती रही लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

आज सुबह होने पर अपने चाचा विजय सिंह को ढूंढा तो गांव से लगभग 1 ½ दूर गांव के ही प्रेमसिंह सैनी के सरसों के खेत में शव पड़ा था। हत्या की सूचना गांव में आग की तरह फैल गई ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप सिंह और थाना प्रभारी मय पुलिस बल के घटना स्थल पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर घटना स्थल पर जरूरी साक्ष्य इकठ्ठा किए। थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के दो छोटे छोटे बच्चे हैं और पत्नी का रो रो कर बुरा हाल है।

बाल विद्या मंदिर के छात्र शलभ दीप गोयल का दिल्ली न्यायिक सेवा परीक्षा में चयन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

संभल (सय्यद अतहर अली)। बाल विद्या मंदिर, दिल्ली के होनहार छात्र शलभ दीप गोयल ने दिल्ली न्यायिक सेवा परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने अंतिम मेरिट सूची में 19वीं रैंक प्राप्त कर अपने परिवार, स्कूल और शिक्षकों का नाम रोशन किया है।

विद्यालय के प्राचार्य मनीष पंवार ने बताया कि शलभ हमेशा से ही पढ़ाई में उत्कृष्ट रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2012 में कक्षा 10वीं में 9.8 सीजीपीए और वर्ष 2014 में विज्ञान संकाय में 12वीं की परीक्षा में 93.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। शलभ की इस उपलब्धि से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनके पिता, श्री वीनेश कुमार गोयल, अपने पुत्र की इस उपलब्धि से अत्यंत प्रसन्न हैं और उन्होंने बाल विद्या मंदिर

के शिक्षकों का आभार प्रकट किया, जिन्होंने शलभ के शैक्षिक मार्ग को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।अपनी सफलता के बाद शलभ दीप गोयल ने बाल विद्या मंदिर का दौरा किया और अपने प्रिय शिक्षकों, सुनील कुमार सिंह, नितिन वर्मा और विनीत सिंह से मुलाकात कर अपनी उपलब्धि को साझा किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों को दिया और कहा कि शुरूआती वर्षों में मिली शिक्षा ने ही उन्हें एक बेहतर विद्वान बनने में मदद की।विद्यालय प्रबंधन की ओर से शलभ से विशेष रूप से मुलाकात करते हुए प्राचार्य मनीष पंवार ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

शलभ ने अपने शैक्षिक सफर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 2014 में बाल विद्या मंदिर से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री वेंकटेश्वर कॉलेज से बी.एससी की पढ़ाई की। इसके पश्चात उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से एलएलबी और एलएलएम किया। उन्होंने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) भी उत्तीर्ण की और वर्तमान में पीएचडी कर रहे हैं।

बाल विद्या मंदिर विद्यालय समिति के अध्यक्ष हरीश गर्ग और प्रबंधक अमिताभ गर्ग ने भी शलभ को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि से विद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्र गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। शलभ ने भी विद्यालय को अपनी सफलता का आधार मानते हुए शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन के प्रति अपना आभार प्रकट किया।

18 मार्च तक करें पराविधिक स्वयंसेवक हेतु आवेदन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

बदायूँ । जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनोज कुमार तृतीय ने जानकारी देते बताया कि आम जनमानस को निशुल्क विधिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जनपद व तहसील स्तर पर पराविधिक स्वयंसेवक के रूप में कार्य करने के इच्छुक स्थानीय व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जनपद मुख्यालय हेतु 20 व जनपद की प्रत्येक तहसील के लिए चार-चार पराविधिक स्वयंसेवक हेतु आवेदन आमंत्रित किया जा रहे है। आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए तथा वह स्थानीय व्यक्ति होना चाहिए। आवेदक अपने आवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय बदायूं में 18 मार्च 2025 तक सीधे या पंजीकृत डाक के माध्यम से भेज सकते हैं।

उन्होंने बताया कि आवेदक को साक्षर होना चाहिए तथा मैट्रीकुलेट अभ्यर्थी को अधिमानता दी जाएगी। अधिक जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय बदायूं से ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि पराविधिक स्वयंसेवकगण की नियुक्ति हेतु शिक्षक (सेवानिवृत्त शिक्षकों सहित), सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारीगण एवं वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्य परास्नातक के छात्र एवं शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, चिकित्सक व फिजीशियन, छात्र एवं विधि छात्र (उनके अधिवक्ता पंजीकृत होने तक) आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त गैर-राजनैतिक, सेवा-उन्मुख गैर-शासकीय संगठनों एवं क्लबों के सदस्य, महिला पड़ौस समूह, मैत्री संघम और अन्य स्वयं सहायता समूहों (हाशिए पर एवं निःशक्त समूहों सहित) के सदस्यगण, कारागार में लम्बी अवधि की सजा काट रहे अच्छा व्यवहार करने वाले शिक्षित बन्दीगण, ऐसे अन्य व्यक्ति जिसे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अथवा तहसील विधिक सेवा समिति पराविधिक स्वयंसेवक के रूप में उपयुक्त समझे, वह भी आवेदन कर सकते हैं।

08 मार्च को होगा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

बदायूँ। जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार व उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस को वृहद स्तर पर मनाये जाने हेतु 07 व 08 मार्च 2025 के मध्य कार्यक्रमों का आयोजन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान वर्ष में विभिन्न गतिविधियों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस को वृहद स्तर पर मनाये जाने व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना का वृहद प्रचार-प्रसार कराये जाने हेतु 08 मार्च 2025 दिन शनिवार डायट परिसर ऑडिटोरियम बदायूँ में पूर्वान्ह 11:30 बजे से अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं।

दिल्ली में आईपीएस अंशिका वर्मा को मिला वुमेन आइकन अवार्ड, अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया देश का मान

बुलन्द संदेश ब्यूरो

बरेली। महिला दिवस से पहले बरेली की एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने अपनी काबिलियत का लोहा मनवाते हुए एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित पांचवें वार्षिक इफ्क्टर उउक्हए महिला शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया और अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए वुमेन आइकन अवार्ड से सम्मानित हुईं।

इस गरिमामयी अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उनके कार्यों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन भी किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस सम्मेलन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की महिला प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आईपीएस अंशिका वर्मा ने मंच से पुलिसिंग की चुनौतियों, खासतौर पर महिलाओं से जुड़े अपराधों और साइबर क्राइम पर अपने विचार रखे।

उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान गोरखपुर और बरेली में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को साझा करते हुए कहा कि ह्महिलाएं किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। अगर वे ठान लें, तो हर चुनौती को पार कर सकती हैं।

बिना कोचिंग वढरउ पास कर बनीं आईपीएस

अंशिका वर्मा 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं और मूल रूप से प्रयागराज की निवासी हैं। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद बिना किसी कोचिंग के स्व-अध्ययन से वढरउ परीक्षा पास की और देश की सेवा के लिए आईपीएस बनीं। वर्तमान में वह बरेली में एसपी दक्षिणी के पद पर कार्यरत हैं और महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और कानून-व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए तत्परता से काम कर रही हैं।

महिला सुरक्षा के लिए समर्पित आईपीएस अधिकारी

आईपीएस अंशिका वर्मा को उनकी सख्त कार्यशैली और त्वरित फैसलों के लिए जाना जाता है। महिला उत्पीड़न, साइबर क्राइम और संगठित अपराधों के खिलाफ उन्होंने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनके कार्यों की वजह से बरेली और गोरखपुर में अपराधों पर लगाम लगी है।

उनकी इस उपलब्धि से न केवल बरेली बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश और देश का नाम रोशन हुआ है। उनके सम्मान से देश की उन लाखों बेटियों को प्रेरणा मिलेगी, जो प्रशासनिक सेवा में अपना करियर बनाना चाहती हैं।

स्वागत प्रयागराज से चली भगवा त्रिशूल यात्रा का...

जनपद भर में किया गया जोरदार स्वागत

बुलद संदेश ब्यूरो

चन्दौसी। प्रयागराज से शुरू हुई भगवा त्रिशूल यात्रा गुरुवार को संभल जनपद पहुंची जहां यात्रा का स्वागत ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। शहर और देहात इलाके के हजारों हिंदूवादी लोगों ने इसमें भाग लिया। बता दें कि यात्रा में 120 त्रिशूल शामिल हैं। पदाधिकारियों के अनुसार, इन त्रिशूलों की सुबह-शाम आराधना की जाती है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण है। साथ ही मंदिरों का संरक्षण और आधुनिकीकरण भी इसका लक्ष्य है। युवा जागरण, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना, पर्यावरण और जल संरक्षण को प्रोत्साहित करना भी इसके

उद्देश्यों में शामिल है। गुरुवार को भगवा त्रिशूल यात्रा चन्दौसी पहुंची जहां नगरवासियों ने जोरदार स्वागत किया। नगरवासियों द्वारा त्रिशूल भगवा यात्रा का फूल बरसाकर स्वागत किया।

इसी तरह बबराला में भी लोगों द्वारा भगवा त्रिशूल यात्रा का भव्यता के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर रेलवे सलाहकार सदस्य विनय कुमार वार्ष्णेय एड0, नगर पंचायत अध्यक्ष हर्षवर्धन वार्ष्णेय, मंडल अध्यक्ष योगेंद्र यादव, उमेश यादव, आकाश सभासद, मीना गुप्ता, प्रवेश कुमार, बॉबी गुप्ता आदि मौजूद रहे।

जल संरक्षण व वृक्षारोपण को किया जागरुक

बुलन्द संदेश ब्यूरो

चन्दौसी। गुरुवार को जनपद संभल में मुख्य कार्यकारी अधिकारी ,परती भूमि विकास उत्तर प्रदेश डॉक्टर हीरालाल जी द्वारा जनपद संभल के परियोजना डब्लू डी सी २ पवांसा के अंतर्गत विकास खंड पवांसा के ग्राम भवानीपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया ।बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत क्लस्टर बनाते हुए महिलाओं की ट्रेनिंग और उत्पादों की बिक्री के साथ ही मूर्ति देवी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के लाभार्थी रोहित को ट्रैक्टर की चाबी सौंप कर प्रतीकात्मक रूप से वितरण किया गया इसके साथ ही लोगों को जल संरक्षण, पेड़ लगाओ पेड़ जियाओ और प्लास्टिक से मुक्ति के साथ ही जल के दोहन को कैसे कम किया जाए जिससे जल स्तर सामान्य रहे इस मौके पर उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी माइक्रो वाटरशेड कोड के अध्यक्ष विष्णु कुमार भूमि

संरक्षण अधिकारी ओंकार सिंह सीलएफ की अध्यक्ष अनुपमा जी अवर अभियंता सौरव पाल, लेखाकार अमित एवं अन्य ग्राम वासी उपस्थित रहे इसके पश्चात मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा से वार्ता भी की गयी।

सौ वर्षों से दिया जा रहा रेलवे कर्मचारियों को प्रशिक्षण

बुलन्द संदेश ब्यूरो

चन्दौसी। नगर में 87 एकड़ में फैला क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान के 100 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ए.के. वर्मा शामिल हुए। बता दें कि 1925 में ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीन ह्यरेलवे स्कूल ऑफ ट्रांसपोर्टेशनह्य के नाम से स्थापित यह संस्थान आज जोनल रेलवे ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के नाम से जाना जाता है। यह संस्थान एक सदी से सुरक्षित रेल संचालन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर रहा है जहां लोको

पायलट, गार्ड, स्टेशन मास्टर समेत सुपरवाइजर स्तर के कर्मचारियों को यहीं प्रशिक्षित किया जाता है। साथ ही ड्राईवर और गार्ड इसी नर्सरी में सीखते हैं कि कैसे लोहे की पटरियों पर हजारों यात्रियों को लेकर रेलगाड़ी दौड़ानी है। संस्थान के प्राचार्य मोनू लाथरा के अनुसार कर्मचारियों को शारीरिक रुप से स्वस्थ रखने के लिए खेलकूद गतिविधियों के साथ योगी की कक्षाएं भी संचालित होती हैं। तनाव प्रबंधन एवं स्वास्थ्य संबंधी अन्य मामलों के लिए विशेषज्ञों को आमंत्रित कर विशेष कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। संस्थान परिसर में स्थित भारतीय एक्स-ए श्रेणी का 95 साल पुराना भाप इंजन एक युग की विरासत को समेटे हुए चन्दौसी के इस प्रशिक्षण संस्थान में खड़ा है जो कि आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

संत निरंकारी सत्संग भवन में 9 मार्च को होगा रक्तदान शिविर का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

बहसूमा। दिल्ली पौड़ी राजमार्ग पर स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन ब्रांच रामराज के तत्वाधान में 9 मार्च को 11वां रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। बृहस्पतिवार को लोगों को रक्तदान करने को जागरूक करने के लिए सत्संगियों द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली सत्संग भवन से आरंभ होकर मुख्य बाजार शिव चौक मंदिर मार्केट ढलान वाला मोहल्ला आदि मार्गो से होती हुई वापस सत्संग भवन पर समापन रैली में भारी संख्या में सत्संगियों ने भाग लिया

संचालक राजन तनेजा ने बताया कि रक्तदान वह मानवीय कर्म है जिसके द्वारा किसी मानव का जीवन बचा जा सकता है। इस मौके पर अजब सिंह, सुरेश चंद मास्टर, सुभाष, मदन कुमार, राजन कुमार, केपी सिंह धीमान, डॉक्टर श्रीपाल कोहली आदि मौजूद रहे।

होली में रंगों के साथ खानपान को लेकर रहें सावधान, कहीं मिलावटी सामग्री न बिगाड़ दे आपकी सेहत

बुलन्द संदेश ब्यूरो

सरधना (जावेद अब्बासी)। त्योहार आते ही मिलावटखोर सक्रिय हो जाते हैं। होली रंगों के साथ-साथ खानपान का त्योहार भी है, ऐसे में ये मिलावटखोर बड़े पैमाने पर पहले से ही अपना धंधा शुरू कर देते हैं। त्योहार पर ज्यादातर चीजें मिलावटी मिलती हैं। इनमें मिलावट इतनी सफाई से की जाती है कि इनकी पहचान करना मुश्किल है।

ऐसे में खरीदारी के समय थोड़ी सी जानकारी बीमार होने से बचा सकती है।त्योहारों का समय नजदीक आते ही मिठाई की मांग बढ़ जाती है। मिलावटखोर मुनाफे के लालच में लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने से भी नहीं हिचकिचाते। होली पर दूध और खोवे की सबसे ज्यादा जरूरत होती है।इसी कमी को पूरा करने के लिए दुकानदार भी इन मिलावटखोरों से समझौता कर लेते हैं। संबंधित विभाग भी त्योहार आने पर चेकिंग के नाम पर खानापूर्ति कर लेता है। सूत्रों के अनुसार देहात क्षेत्र में धड़ल्ले से मिलावट का कारोबार चल रहा है। नकली

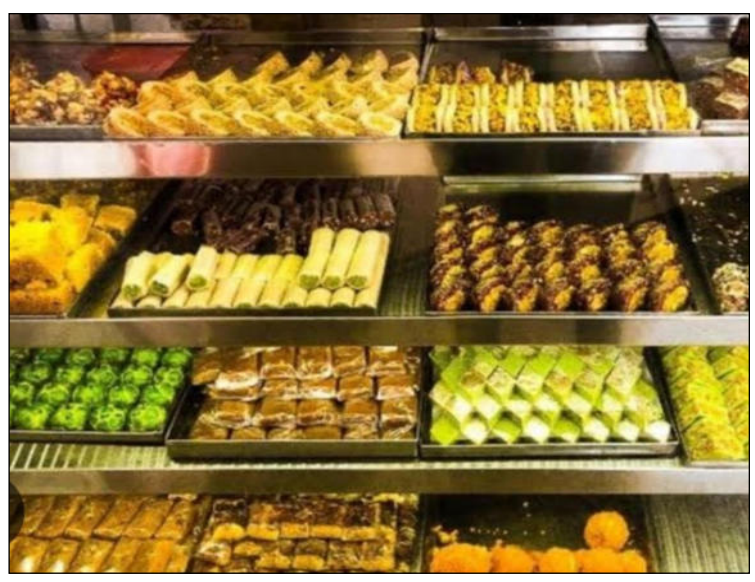

मिठाइयों की खेप बाजारों में पहुंच चुकी है।

मावे में हो सकती है मिलावट

होली पर मावा (खोवा) की बिक्री बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावटी खोवा भी बाजार में आ रहा है। मिलावटखोर में इसमें रिफाइंड और रंगों का प्रयोग करते हैं।

यह होता है नुकसान

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. संदीप गौतम ने बताया कि मिलावटी मिठाई या अन्य सामान खाने से लिवर आदि पर असर पड़ता है। गले और पेट में ईफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए त्योहार पर स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहे।

इस पर भी ध्यान देने की जरूरत

केमिकल वाले रंग सस्ते होते हैं। इनका सेहत पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे आंखों में तेज जलन होती है। वहीं एलर्जी होने की भी आशंका रहती है।

होली खेलने से पहले चेहरे पर पेट्रोलियम जेली या सरसों का तेल लगाएं। ऐसा करने से रंगों का ज्यादा असर नहीं होगा। इसलिए होली पर यही हर्बल कलर्स का ही इस्तेमाल करें।

आने वाले त्योहारों को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

बुलन्द संदेश ब्यूरो

जेवर (इनामुलहक)। पुलिस ने आने वाले त्यौहार होली, अलविदा व ईद को लेकर गुरुवार को कोतवाली परिसर मे एक शांति समिति की बैठक की। जिसमे पुलिस ने कस्बे के समाजसेवी, नेताओं, मंदिर के पुजारी, मस्जिदों के इमाम आदि लोगों को बुलाया गया, यहां कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने आने वाले त्योहारों को भाई चारे के साथ मनाने, किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने और किसी भी असमाजिक तत्व के नजर आने पर फौरन पुलिस को सूचना देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी, संदिग्ध लोगों व वाहनों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों पर के खिलाफ कड़ी कार्यवाई की जाएगी।

वहीं लोगों ने कहा कि सड़कों पर डीजे, ट्रेक्टरों पर लगे हैवी साउंड सिस्टम से लोगों को काफी परेशानी होती है इसपर रोक लगाई जायेगा और हैवी वाहनों को बाई पास निकाला जायेगा। जिसपर एसएचओ ने लोगों को आश्वासन दिया। बैठक मे कस्बा इंचार्ज संसार सिंह, पूर्व चेयरमैन धर्मेंद्र अग्रवाल, सुरेश सैनी, प्रिंस भारद्वाज, हंसा, शौकत आदि लोग मौजूद रहे।

आठ माह बाद भी नहीं हो सका ट्रैफिक सिग्नल लाइटों का संचालन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

संभल। शहर में सुचारु यातायात व्यवस्था

शहर के चंदौसी और चौधरी सराय चौराहे पर पालिका की ओर से लगाई गई हैं लाइटें

और ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के उद्देश्य से नगर पालिका ने दो मुख्य चौराहों पर लाखों की लागत से ट्रैफिक सिग्नल लाइटें लगवाई थीं, लेकिन ये लाइटें केवल शोपीस बनकर रह गई हैं। दोनों चौराहों पर सिर्फ पीली लाइट ही डिमडिमाती दिखाई देती है। लाइटों के संचालन में नहीं आने के कारण जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है। खासतौर पर दोपहर और शाम के समय लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं।

दरअसल, नगर के दो मुख्य चौराहे हैं। चंदौसी चौराहा, जहां से मुरादाबाद चंदौसी बहजोई और असमोली के लिए मार्ग जाते हैं। इसके अलावा चौधरी सराय चौराहा, जहां से बुलंदशहर, हसनपुर बहजोई के साथ ही शहर में वाहन प्रवेश करते हैं। बढ़ती जनसंख्या और वाहनों की संख्या को देखते हुए नगर पालिका ने दोनों प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइटें लगाने का निर्णय लिया था। इस परियोजना पर लगभग 36 लाख रुपये खर्च किए गए थे। जुलाई 2024 में दोनों चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइटें लगाई गई थीं। योजना के तहत सिग्नल लाइटों के जरिए यातायात को नियंत्रित करना और सड़क हादसों में कमी लाना मुख्य उद्देश्य था, लेकिन इस योजना को अमल में लाए हुए कई महीने बीत चुके हैं, लाइटें लग भी गई हैं। फिर भी इन लाइटों का अभी तक संचालन नहीं हो पाया है। सिर्फ पीली लाइट ही कभी जलती बुझती दिखाई देती है। नगर पालिका द्वारा लगाए गए सिग्नल लाइटों के संचालन ना होने के कारण शहर की प्रमुख सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या और अधिक गंभीर होती जा रही है। सुबह और शाम के व्यस्त समय में चौराहों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। खासकर स्कूलों की छुट्टी के समय हालात ओर अधिक बिगड़ जाते हैं। चंदौसी चौराहा शहर का सबसे व्यस्त इलाका है, जहां दिनभर भारी ट्रैफिक रहता है। यहां पर चारों ओर से आने वाले वाहनों के कारण जाम की समस्या आम हो गई है। वहीं चौधरी सराय चौराहा से शहर में अन्य जिलों से आने वाले वाहन प्रवेश करते हैं। ऐसे में यातायात जाम की वजह से लोगों को रोजमर्रा के कामों में देरी हो रही है। स्कूल जाने वाले बच्चों व जरूरी काम से जाने वाले को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

आबकारी दुकानों के आवंटन संबंधी ई-लॉटरी हुई संपन्न

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मेरठ (जावेद अब्बासी)। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत विभाग/उ०प्र० शासन द्वारा नामित पर्यवेक्षक नरेंद्र भूषण की उपस्थिति में चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के

जनपद की कुल 382 दुकानों को सफलतापूर्वक ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया आवंटित

नेताजी सुभाष चंद्र बोस ऑडिटोरियम में आबकारी दुकानों के आवंटन संबंधी ई-लॉटरी संपन्न हुई।जनपद में कुल 382 मदिरा दुकानों के सापेक्ष 2807 आवेदको से 6449 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 07 आवेदनों को अपूर्ण अभिलेख/निर्धारित मानक के अनुसार

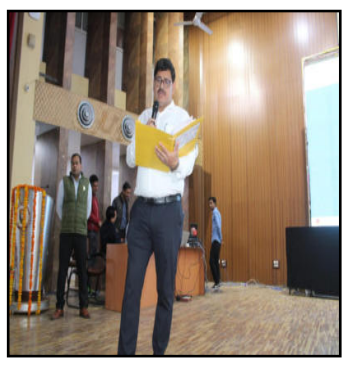

नहीं पाए जाने पर अस्वीकृत किया गया। लॉटरी अपने निर्धारित समय सारणी के अनुसार प्रारंभ हुई, जिसमें देसी शराब दुकान, मॉडल शॉप और कंपोजिट मदिरा दुकानों का रेंडमाइजेशन के आधार पर आवंटन किया गया। चयन समिति द्वारा सफल आवंटियों का नाम पढ़ कर सुनाया गया। इस प्रकार जनपद मेरठ की कुल 382 दुकानों को सफलतापूर्वक ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटित किया गया। इस अवसर पर जनपद स्तरीय चयन समिति से जिलाधिकारी डॉ वी0 के0 सिंह, एसएसपी विपिन ताडा, उप आबकारी आयुक्त मेरठ राकेश कुमार सिंह, जिला आबकारी अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग अंजान, होली से पहले मिलावट खोर सक्रिय

बुलन्द संदेश ब्यूरो

संभल (सय्यद अतहर अली)। होली से पहले मिलावटी मिठाइयों, तेल, घी और दूध उत्पादों की बिक्री जोरों पर है, लेकिन खाद्य सुरक्षा विभाग इसे रोकने के लिए सक्रिय नजर नहीं आ रहा है। त्योहार में अब सिर्फ एक सप्ताह शेष है, लेकिन बाजार में मिलावटी सामान धड़ल्ले से बिक रहा है, जिससे लोगों की सेहत को गंभीर खतरा है।

त्योहारों पर बाजार में मिठाइयों और दूध से बने उत्पादों की मांग बढ़ जाती है। इसका फायदा उठाते हुए कई दुकानदार और फैक्ट्रियां नकली खोया, सिंथेटिक दूध, मिलावटी मावा और सस्ते रंगों से बनी मिठाइयां बेच रहे हैं। यह मिलावटी सामान न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकता है। हर साल होली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सैंपलिंग और छापेमारी की जाती थी, लेकिन इस बार अब तक शहर में कोई

ठोस कार्रवाई होती नहीं दिख रही है। बाजारों में खुली मिलावटखोरी से प्रशासन की सुस्ती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन पेट संबंधी बीमारियों, फूड प्वाइजनिंग, लिवर डैमेज और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। इसके बावजूद जिम्मेदार अफसर हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं।

ग्राहकों की जागरूकता ही बचाव का उपाय

संभल। प्रशासन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है, इसलिए ग्राहकों को खुद जागरूक होना जरूरी है। ग्राहक दुकानों की अनब्रांडेड मिठाइयों और दूध उत्पादों से बचें। नकली घी, खोया और मावे की जांच कर लें। बहुत चमकीली मिठाइयों और सस्ते रंगों से बनी गुजिया और पापड़ से बचें। केवल प्रमाणित दुकानों और प्रतिष्ठानों से ही खाद्य पदार्थ खरीदें। वहीं ग्रामीण और शहरी इलाकों में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर तुरंत रोक लगानी जरूरी है। खाद्य विभाग को छापेमारी कर मिलावटी सामान बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि आम जनता की सेहत से खिलवाड़ न हो।

वर्जन

होली के त्योहार पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए गुरुवार से जिलेभर में अभियान चलाया जाएगा। मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाले दुकानदारों और बनाने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राहुल सिंह,
मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी।

जिला अस्पताल की महिला इकाई में डॉक्टरों की भारी कमी

बुलन्द संदेश ब्यूरो

संभल (सय्यद अतहर अली)। जिला अस्पताल की महिला इकाई में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ, पैथोलॉजिस्ट और रेडियोलॉजिस्ट समेत सभी सात प्रमुख पद खाली हैं। डॉक्टरों की कमी के चलते महिला रोग विभाग मरीजों की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ नजर आ रहा है।

चिकित्सकों की कमी से जूझ रहे जिला अस्पताल की महिला इकाई में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं। महिला इकाई में मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका का पद रिक्त है। इसके अलावा अधीक्षिका एवं प्रभारी भंडार, स्त्री रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट और ईएमओ के पद रिक्त हैं। जिलेभर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से गर्भवती और प्रसूताओं को भी गंभीर समस्या होने पर यहां रेफर किया जाता है लेकिन स्त्री रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं होने से कई बार प्रसूताओं की जिंदगी खतरे में आ जाती है। एएनएम ही प्रसव व अन्य कार्य कराने का काम करती हैं। जिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेंद्र सिंह ने बताया कि डॉक्टरों की तैनाती के लिए कई बार शासन को लिखित जानकारी दी गई है। इसके बावजूद अभी तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया है।

अब गमलों में भी जैविक पद्धति से होगी स्ट्राबेरी की खेती

बुलन्द संदेश ब्यूरो

संभल (सय्यद अतहर अली)। स्ट्रॉबेरी की खेती को आमतौर पर जटिल और अत्यधिक तकनीकी माना जाता है, लेकिन अब इसे जैविक तरीके से घरों के गमलों,

घर बैठे करें उत्पादन, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. ज्योति स्वरुप ने उगाई आर्गेनिक फसल

बास्केट, वर्टिकल गार्डनिंग और किचन गार्डनिंग में भी उगाया जा सकता है। यह जानकारी पल्था मिठनपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के बागवानी वैज्ञानिक डॉ. ज्योति स्वरुप ने दी। उन्होंने बताया कि स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए पारंपरिक रूप से बेड्स बनाकर प्लास्टिक सीट की मल्चिंग और ड्रिप सिंचाई पद्धति का उपयोग किया जाता है, लेकिन अब इसे कम लागत और जैविक विधियों से भी उगाया जा सकता है।

डॉ. स्वरुप के अनुसार, पिछले दो वर्षों में कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किसानों के प्रक्षेत्र और केंद्र पर किए

गए परीक्षणों में यह पाया गया कि स्ट्रॉबेरी की खेती को छोटे स्तर पर भी सफलतापूर्वक किया जा सकता है। यदि इसे घर के किचन गार्डन में बेड्स बनाकर सूखी पत्तियों, घास आदि की मल्चिंग के साथ उगाया जाए, तो यह अच्छा उत्पादन दे सकती है। इसके अलावा, गमलों में भी इसकी खेती संभव है, जिससे शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी इसका लाभ उठा सकते हैं।

जैविक खाद से होगी बेहतर उपज

डॉ. स्वरुप ने बताया कि स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता नहीं होती। बेड्स के बीच बनी नालियों में हल्की सिंचाई करके पर्याप्त नमी बनाए रखी जा सकती है। साथ ही, सड़ी हुई गोबर की खाद या केंचुआ खाद का उपयोग करके इसका जैविक उत्पादन किया जा सकता है। इससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और फसल की गुणवत्ता भी अच्छी होती है। इसके अलावा, इस फसल में रोग और कीटों का प्रकोप भी काफी कम होता है। स्ट्रॉबेरी की रोपाई का सबसे उपयुक्त समय सितंबर से नवंबर के बीच होता है। इसका पौधा वर्षभर हरा-भरा रहता है, जिससे यह शोभाकारी पौधे का भी कार्य करता है। फल दिसंबर से मार्च तक आते हैं, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं को ताजा और स्वादिष्ट फल प्राप्त हो सकते हैं।

रनर से तैयार कर सकते हैं नए पौधे

स्ट्रॉबेरी के पौधे फलत के बाद प्रत्येक पौधे से 15 से 20 रनर (नई शाखाएं) निकालते हैं। इन्हें मुख्य पौधे से अलग कर किसी अन्य स्थान पर रोपित किया जा सकता है, जिससे नए पौधे तैयार किए जा सकते हैं। डॉ. स्वरुप ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र में स्ट्रॉबेरी की विंटरडॉन प्रजाति की पौध तैयार की गई है, जिसे किसानों को प्रेरित करने के लिए निःशुल्क या रियायती दरों पर प्रदान किया जा रहा है। किसान या जिले का कोई भी व्यक्ति घर के गमले, किचन गार्डन या बगीचे में जैविक पद्धति से स्ट्रॉबेरी उगाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क कर इसकी उन्नत खेती की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

त्योहारों के दृष्टिगत थाना क्षेत्र में पुलिस टीम के साथ थाना प्रभारी ने किया गश्त

बुलन्द संदेश ब्यूरो

बहसूमा। बहसूमा थाना प्रभारी इंदु वर्मा के नेतृत्व में कस्बे व देहात में कानून व्यवस्था व शांति सौहार्द कायम रखने के साथ पुलिस टीम के साथ पैदल गश्त की गई। गश्त के दौरान थाना प्रभारी इंदु वर्मा ने कहा कि रमजान पर्व होली के पावन पर्व को लेकर सभी व्यापारी सुरक्षा को दृष्टिगत देखते हुए अपने-अपने दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने का कार्य करें तथा किसी भी असामाजिक तत्व को देखने के बाद तुरंत थाने में सूचना दे थाना प्रभारी ने कहा कि व्यापारी कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे प्रशासन को उनके विरुद्ध कार्रवाई करनी पड़े उन्होंने बताया कि व्यापारियों की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन भी कस्बा एवं देहात क्षेत्र में अपनी टीम के साथ कार्यरत है क्षेत्र के लोग पुलिस प्रशासन का सहयोग करने में मदद करें थाना प्रभारी इंदु वर्मा ने कहा कि पुलिस व्यापारियों की एवं क्षेत्रवासियों की सुरक्षा के लिए हर समय तत्पर रहती है वहीं थाना प्रभारी इंदु वर्मा ने कहा कि बहसूमा थाना क्षेत्र में गुंडागर्दी किसी भी कीमत पर सहन नहीं की जाएगी जो भी गुंडागर्दी बदमाशी करता पाया जाएगा उसके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी क्षेत्र में किसी भी कीमत पर गुंडा तत्वों को पनपने नहीं दिया जाएगा।

फैक्ट्री पकड़ी

भारी मात्रा में बोतल और शराब बरामद, जनपद के उच्च अधिकारी मौके पर मौजूद

अधिकारियों ने आकस्मिक निरीक्षण में नकली शराब बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कांठ (सुदेश बिश्नोई)। नगर के पास कांवड़ पथ बाईपास पर नागमणि शिव मंदिर के निकट मधुमक्खी पालन के नाम से एक हाल में नकली अंग्रेजी शराब बनाने का भंडाफोड़ स्थानीय पुलिस प्रशासन ने आज दोपहर किया है' जनपद के उच्च अधिकारी अधिकारी मौके पर मामले की जांच कर रहे हैं आबकारी विभाग की टीम मौके मौके पर खबर लिखे जाने तक मौजूद है' जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर गुरुवार की दोपहर करीब 2:00 बजे पुलिस क्षेत्र अधिकारी अपेक्षा निम्बाडिया, एसडीएम संत दास पवार एवं पुलिस इंस्पेक्टर कांठ भारी पुलिस फोर्स के साथ एक गोदाम पर पहुंचे वहां पर बड़ी तादाद में अंग्रेजी मार्का की खाली बोतले एवं पैकिंग करने की मशीन तथा भारी मात्रा में पैकिंग की गई बोतल एवं तीन वाटर टैंकों में भरी हुई नकली अंग्रेजी शराब टोटी लगाकर पैकिंग की जाती बरामद हुई' बताते हैं कि अंग्रेजी नकली शराब आने वाले होली के त्यौहार में उपयोग के लिए बनाई जा रही थी जिससे न जाने कितने लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जाता पिछले गत वर्षो में इस नकली शराब या जहरीली शराब से न जाने कितनी जाने जा चुके हैं लेकिन मिलावट खोर इस काले कारनामे से बाज नहीं आ रहे हैं' शासन ने पिछले दिनों होली के मुद्दे नजर नकली शराब बनाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए थे ' घटना स्थल पर जनपद के उच्च अधिकारी मौजूद है ' शराब बनाने वाला कौन था कितनी शराब बरामद हुई है इसका विवरण अभी नहीं मिल पाया है' एसडीएम कांठ संत दास पवार ने संपर्क करने पर" बुलंद संदेश" को बताया कि इस मामले में अभी जांच चल रही है।

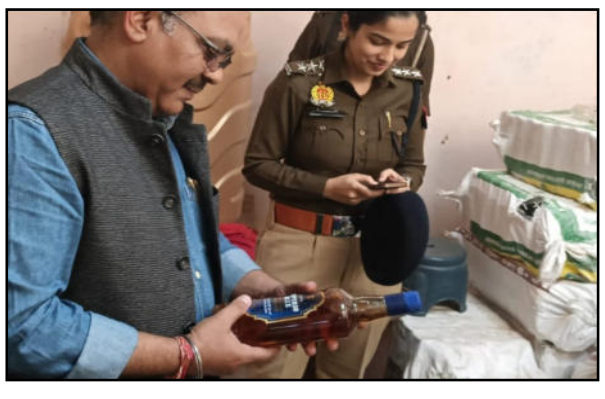

फलों के मूल्य में उछाल, इफ्तार की थाली मंहगी हुई

बुलन्द संदेश ब्यूरो

बहसूमा। रमजान के शुरू होते ही फलों के दाम बढ़ाकर आसमान छूने लगे हैं सेब, अंगूर, केला, पपीता, संतरा और तरबूज के दामों में 20 से 30 फीसदी बढ़ोतरी हुई है जिसके चलते इफ्तार की थाली महंगी हो गई है इफ्तार की थाली पर महंगाई की मार पड़ गई है रमजान से पहले वह अब फलों के दाम में करीब 20 से 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है इससे रोजेदारों को अपनी जेबें ढीली करनी पड़ रही है बृहस्पतिवार को बाजार में फलों की दुकानों पर खरीदारी करते मिले लोगों के चेहरे पर महंगाई की सिकन साफ देखने को मिली हर कोई सोच समझकर अपने बजट का आकलन करते हुए खरीदारी कर रहा था ।लोगों ने बताया कि रमजान से पहले जो फल 50 रूपए किलो मिला था अब वह 70 से 80 रूपए में बिक रहा है रमजान से पहले 50 में बिकने वाला केला अब 70 से 80 रूपए किलो बिक रहा है।100 रुपए प्रति किलोग्राम में मिलने वाले अंगूर अब 120 रुपए में बिक रहे हैं संतरे के मूल्य में भी 20 रुपए का अंतर आया है संतरा 55 से 60 रूपए किलो था जो अब 80 रुपए किलो बिक रहा है अनार के दाम में भी 20 से 30 रुपए का इजाफा हो गया है 15 दिन पहले अनार की कीमत 100 से 110 रुपए किलोग्राम थी जो अब बढ़कर 130 से 140 किलोग्राम बिक रहा है पपीते के मूल्य में भी 15 से 20 रुपए की बढ़ोतरी हुई है पहले 40 से 45 रूपए प्रति किलो ग्राम बिक रहा था जो अब 60 रूपए प्रति किलोग्राम बिक रहा है।तरबूज के रेट में भी इजाफा हुआ है जो इस समय 40 रुपए में मिल रहा है। फलों में मुख्य सेब के दाम सबसे ज्यादा बढ़ गए हैं 15 दिन पहले सेब का मूल्य 90 से 100 रूपए प्रति किलो था जो अब बढ़कर

"हमारा आंगन हमारे बच्चे" उत्सव कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन, मेधावी बच्चों को किया गया सम्मानित

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कांठ (सुदेश बिश्नोई)। जन समुदाय के समक्ष निपुण लक्ष्यों एवं मूलभूत साक्षरता की आवश्यकता "हमारा आगंन हमारे बच्चें" एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा निदेर्शों के अन्तर्गत बुनियादी साक्षरता एवं प्राथमिक दक्षता प्राप्त करने हेतु पूर्व-प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण किया जाना लक्षित है। प्रदेश में निपुण लक्ष्यों की सम्प्राप्ति आयुवर्ग 05 से 08 वर्ष के समस्त बच्चों के लर्निंग आउटकट के माध्यम से प्राप्त किया जाना है, जिसके अन्तर्गत बालवाटिका आयुवर्ग 05 से 06 वर्ष एवं विद्यालय में नामांकित कक्षा 01 एवं कक्षा 02 के समस्त बच्चें सम्मिलित है। "हमारा आगंन हमारे बच्चें" उत्सव कार्यक्रम गुरुवार को खंड विकास अधिकारी विकास कुमार की अध्यक्षता में जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान कॉठ में आयोजन किया गया। "हमारा आगंन हमारे

बच्चें" उत्सव कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी, एस०आर०जी० डॉक्टर कपिल सिरोही (अध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, छजलैट), समस्त ए०आर०पी०, प्राथमिक स्तर से नोडल अध्यापक (प्राथमिक/कम्पोजिट) परिषदीय विद्यालय, शहनवाज, भुवनेश कुमारी, प्रियंका चौधरी, दीपिका गुप्ता, बृजेन्द्र विश्नोई, समस्त कार्यालय स्टॉफ, आंगबाड़ी कार्यकत्री एवं छात्र-छात्राओं के अभिभावक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ खण्ड शिक्षा अधिकारी व उपस्थित पद अधिकारीयो द्वारा सयुक्तरुप से दीप प्रज्ज्वलित किया गया कस्तूरबा गांधी आवसीय विद्यालय के बच्चों के सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्राथमिक विद्यालय माननगर, कांठ की बालिकाओं के द्वारा बालिका शिक्षा पर कविता प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में बालवाटिका आयुवर्ग 05 से 06 वर्ष एवं विद्यालय में नामांकित कक्षा 01 एवं कक्षा 02 के प्रत्येक न्याय पचायत 5 को बच्चो को प्रमाण पत्र, मेडल, स्टेशनरी किट आदि से सम्मनित किया गया । इस अवसर पर अरुण कुमार, ,लोकिंदर सिंह, मेघराज सिंह, शिशुपाल,सर्मेन्द्र कुमार, जुबैर अहमद, रिजवान अहमद,,सतवीर सिंह,भूपेंद्र यादव, धर्मेन्द्र सिंह, जुल्फेकार अली, मनीष कुमार, आदि मौजूद थे संचालन गौतम सिंह ने किया।

मांगें न मानी गईं तो शुक्रवार से हड़ताल करेंगे मंडी के व्यापारी

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कांठ (सुदेश बिश्नोई)। मुरादाबाद मंडी समिति के नोटिस के विरोध में व्यापारी सात मार्च को कारोबार बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। यह निर्णय फल-सब्जी विक्रेता कल्याण समिति की हुई बैठक में लिया गया।मंडी समिति में फल मंडी अध्यक्ष मोहम्मद जिगरान और फल-सब्जी विक्रेता कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह सैनी की मौजूदगी में हुई बैठक में मंडी समिति परिसर में टिनशेड डालकर काम कर रहे व्यापारियों को हटाने संबंधी नोटिस पर चर्चा की गई। व्यापारियों ने इसे व्यापारियों के साथ ज्यादती करार दिया। बैठक में सभी ने सर्वसम्मति से तय किया कि अगर प्रशासन ने उनकी मांगें नहीं मानीं तो मंडी के व्यापारी सात मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।मंडी समिति पदाधिकारियों ने अपने निर्णय से प्रशासन को भी अवगत करा दिया है। इस मौके पर फल मंडी एसोसिएशन के सचिव राजकुमार सचिव, राहुल शंखधार, रफत, सुनील, मनोहर लाल आहुजा, विनोद शर्मा, तीरथ सैनी, मोनू, बिजेंद्र आदि मौजूद रहे।

बसपा की जिला कमेटी गठितः निर्मल सागर फिर बने जिलाध्यक्ष

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कांठ (सुदेश बिश्नोई)। बसपा ने जिला कमेटी का गठन किया है। निर्मल सिंह सागर को जिलाध्यक्ष बरकरार रखा है। इनके अलावा अन्य पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की गई है।पाकबड़ा स्थित बसपा के मंडल कार्यालय में बैठक आयोजित की गई जिसमें पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव मुनकाद अली, मुरादाबाद मंडल के मुख्य सेक्टर प्रभारी डॉ. रणविजय सिंह, जाफर मलिक और विजय सिंह ने जिला कमेटी की घोषणा की। जिसमें बताया कि बसपा ने निर्मल सिंह सागर को जिलाध्यक्ष पद पर बरकरार रखा है।इनके अलावा जिला प्रभारी राम कुंवर गुलाब और अरुण कुमार बनाए गए हैं। जिला उपाध्यक्ष बब्बू लम्बरदार, जिला महासचिव चंद्रपाल सैनी, जिला कोषाध्यक्ष संजीव शर्मा, जिला सचिव करतार सिंह, जिला कार्यकारिणी सदस्य - राजेश सागर, पवन कश्यप को बनाया गया है।

लिमिट से ज्यादा गेहूं स्टॉक पकड़ने के लिए अभियान हुआ शुरू

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कांठ (सुदेश बिश्नोई)। गेहूं खरीद शुरू होने के साथ ही प्रशासन ने गेहूं भंडारण करने वालों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शासन ने थोक और फुटकर गेहूं विक्रेताओं के भंडारण की लिमिट भी तय कर दी है।इससे अधिक स्टॉक मिलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। संभागीय खाद्य नियंत्रक ने इसके लिए मंडल भर के गेहूं खरीद कार्य से जुड़े अधिकारियों को इस पर निगरानी के लिए कहा है। चेकिंग के लिए बृहस्पतिवार से अभियान भी प्रारंभ कर दिया गया है।जिले में एक मार्च से गेहूं खरीद के लिए क्रय केंद्र खुल गए हैं। हालांकि इन केंद्रों पर अभी तक गेहूं की खरीद शुरू नहीं हुई है, लेकिन प्रशासन ने किसानों से सीधी खरीद सुनिश्चित करने के लिए आढ़तियों व बिचौलियों पर अभी से शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। संभागीय खाद्य नियंत्रक शैलेष कुमार ने गेहूं खरीद कार्य से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों का गेहूं खरीदने के लिए व्यवस्था करने तथा उनका भुगतान खाते में 48 घंटे के भीतर पहुंचना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

अमन कमेटी की बैठक: सामाजिक सौहार्द एवं भाईचारे के साथ बनाए त्यौहार: एसडीएम

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कांठ (सुदेश बिश्नोई)। शासन के निर्देश पर आज होली एवं ईद के पर्व को लेकर थाना प्रांगण में अमन कमेटी की बैठक आयोजित की गई' जिसमें उप जिलाधिकारी संत दास पंवार ने सामाजिक सौहार्द एवं शांतिपूर्ण भाईचारे के साथ होली एवं ईद का पर्व मनाए जाने का आह्वान किया उन्होंने गंगा जमुना तहजीब को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी अपेक्षा निम्बाडिया ने सभी डीजे संचालकों को कड़ा निर्देश दिया कि होली के जुलूस में अगर किसी ने भी तेज आवाज के साथ डीजे साउंड बजाया तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा जिसने भी डीजे स्वामियों के ऊपर तेज साउंड से गाने बजाने के लिए दवाव बनाया तो उसके खिलाफ भी कठोर से कठोर कानूनी कार्यवाही की जाएगी तथा होली पर निकलने वाले एवं रंग के जुलूस एकादशी के जुलूस निर्धारित रास्तों से ही निकाले किसी की

भावनाओं को ठेस ना पहुंचाएं सभी लोग मिलजुल कर त्योहार मनाए आपस में सब लोग सामाजिक सौहार्द एवं एकता की मिसाल पेश करें यही हमारी संस्कृति है ' बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश माहेश्वरी, डॉक्टर मोहम्मद यूसुफ, ओम प्रकाश, राजेंद्र सिंह डॉ उर्वेश यादव, जुल्फिकार अहमद,डॉ सिराजुद्दीन अंसारी, प्रमोद बिश्नोई, निरुपम बिश्नोई खलील अहमद,राजपाल प्रजापति आदि मौजूद थे।

आवास दिलाने का दिया था झांसा, आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कांठ (सुदेश बिश्नोई)। लोगों को सरकारी योजना के तहत आवास दिलाने का झांसा देकर जालसाजों ने बैंक खाता खुलवाकर पासबुक और डेबिट कार्ड ले लिए। इसके बाद 1000-1000 रुपये देकर घर भेज दिया। कुछ दिन बाद लोगों ने अपने बैंक खाते चेक किए तो पता चला कि उनमें लाखों रुपये का लेनदेन हुआ है। गलशहीद थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भोजपुर क्षेत्र के सिड़लऊ नजरपुर निवासी रजनेश ने गलशहीद थाने में दर्ज कराए केस में बताया कि दिल्ली रोड पर कुछ दिन पहले जोगेंद्र नाम के युवक से उसकी मुलाकात हुईथी। जोगेंद्र ने बताया कि वह सरकारी योजना के तहत लोगों को आवास और बिना ब्याज के लोन दिलाने का काम करता है। अगर किसी व्यक्ति को मकान या पैसे की जरूरत हो बता दीजिए।
वह लोगों को लाभ दिला देगा।इसके बाद रजनेश ने राजकुमार, मनोज कुमार, कुमकुम, सरिता, आदित्य, शुभम गुप्ता, बंटी, अंकित के नाम बता दिए। रजनेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह सभी लोगों को लेकर गलशहीद थाना क्षेत्र में रामपुर रोड स्थित बैंक शाखा में लेकर गया था। आरोप है कि यहां मझोला के गागन निवासी जोगेंद्र और बदायूं के बिसौली रोडवेज बस अड्डे के पास रहने वाला विकास मिले। आरोपियों ने सभी लोगों से आधार कार्ड, पैन कार्ड, दो फोटो लेकर बैंक में खाता खुलवा दिया।इस दौरान विकास ने रजनेश और उसके साथ आए लोगों से कहा कि आप सभी का बहुत समय खराब हो गया है। इसलिए सभी फा को 1000-1000 रुपये दे दिए लेकिन विकास ने सभी से पासबुक, डेबिट कार्ड ले लिए। आरोपियों ने पीड़ितों को चार फरवरी को पासबुक और डेबिट कार्ड वापस कर दिए। रजनेश ने बताया कि उसने बैंक जाकर खाता चेक किया तो पता चला कि उसके खाते से 32,67,955 रुपये का लेनदेन किया गया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

जिला अस्पताल में मेडिसिन के विशेषज्ञ भी बनेंगे

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कांठ (सुदेश बिश्नोई)। बाल रोग विशेषज्ञ बनाने के लिए जिला अस्पताल में डीएनबी पीडियाट्रिक्स की पढ़ाई शुरू हो गई है। इसके बाद अब मेडिसिन के विशेषज्ञ डॉक्टर तैयार करने की कवायद शुरू हो गई है। अस्पताल में डीएनबी मेडिसिन की मान्यता के लिए राष्ट्र स्तरीय टीम ने निरीक्षण किया। कुछ माह बाद टीम अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।निरीक्षण करने वाली टीम में सफदरजंग अस्पताल के मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ब्रजेंद्र कृष्ण त्रिपाठी प्रमुख रहे। सब कुछ ठीक रहा तो जिला अस्पताल में जनरल फिजीशियन तैयार होने लगेंगे। अस्पताल में पहले ही लाइब्रेरी, क्लासरूम व विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था की जा चुकी है। डीएनबी पीडियाट्रिक्स की तरह शुरूआत में दो छात्र डीएनबी मेडिसिन की पढ़ाई के लिए जिला अस्पताल में आएंगे।इन्हें अस्पताल के जनरल फिजीशियन प्रशिक्षित करेंगे। फिलहाल अस्पताल में वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. एनके मिश्रा तैनात - हैं। उनकी उम्र 65 साल हो चुकी है। पांच साल सेवा विस्तार के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। यदि सेवा विस्तार नहीं हुआ तो कोई अन्य फिजीशियन यहां तैनात होंगे'।
जिला अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञों को तीन पद हैं। एक विशेषज्ञ दो छात्रों को पढ़ा सकते हैं। चिकित्साधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार अकेले एमडी पीडियाट्रिक्स हैं। अन्य दो बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. वी सिंह डीसीएच व डॉ. अवनीश सिंह डीएनबी हैं। यदि तीनों विशेषज्ञ एमडी डिग्री धारक हों तो अस्पताल में डीएनबी पीडियाट्रिक्स के छात्रों के लिए छह सीटें हो सकती हैं। इसी तरह जनरल फिजीशियन के तीन पद हैं। फिलहाल दो विशेषज्ञ यहां तैनात हैं, इसलिए चार छात्र पढ़ सकते हैं। दो साल बाद परीक्षा होने पर इन्हें डीएनबी की डिग्री मिल जाएगी। इस तरह हर साल नीट पीजी की परीक्षा पास करने के बाद दो छात्र अस्पताल में पढ़ने आते रहेंगे। निरीक्षण के मौके पर टीम ने अस्पताल में ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड, वेंटीलेटर, लाइब्रेरी, क्लासरूम व अन्य व्यवस्था देखीं। इस मौके पर जिला अस्पताल की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक संगीता गुप्ता, चिकित्साधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार, जनरल फिजीशियन डॉ. एनके मिश्रा, अस्पताल प्रबंधक रजनीश कुमार आदि मौजूद रहे।

गुड न्यूज: टीएमयू के फॉरेंसिक स्टुडेंट्स अब करेंगे यूनिवर्सिटी ऑफ फिलीपींस का भ्रमण

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद नित नई वैश्विक बुलंदियों की ओर अपने कदम बढ़ा रहा है। टीएमयू के स्टुडेंट्स को एक और बड़ी सौगात

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ फिलीपींस के बीच एमओयू साइन, एमओयू के वक्त टीएमयू के वीसी प्रो. वीके जैन के संग-संग यूनिवर्सिटी ऑफ फिलीपींस के कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज की डीन डॉ. मां. टेरेसा जी. डी गुजमान, एसोसिएट डीन डॉ. जय टी. डालेट की रही गरिमामयी मौजूदगी

मिली है। अब टीएमयू के स्टुडेंट्स और फैकल्टीज यूनिवर्सिटी ऑफ फिलीपींस का भ्रमण कर सकेंगे। साथ ही यूनिवर्सिटी ऑफ फिलीपींस के स्टुडेंट्स और फैकल्टीज टीएमयू का दौरा करेंगे। इसके लिए तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ फिलीपींस के बीच एक ऐतिहासिक एमओयू साइन हुआ है। एमओयू के तहत कोलाबोरेटिव रिसर्च, ट्रेनिंग, फॉरेंसिक इंवेसटिगेशन, नॉलेज स्किलिंग, स्टुडेंट्स एंड फैकल्टीज इंटरचेंज, ज्वाइंट प्रोजेक्ट आदि की सहमति बनी है। एमओयू पर टीएमयू की ओर से डीन एकेडमिक्स प्रो. मंजुला जैन, जबकि यूनिवर्सिटी ऑफ फिलीपींस की ओर से यूनिवर्सिटी ऑफ फिलीपींस के कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज की डीन डॉ. मां. टेरेसा जीडी गुजमान ने हस्ताक्षर किए हैं। टीएमयू के वीसी प्रो. वीके बोले, एमओयू के बाद फॉरेंसिक स्टुडेंट्स फॉरेंसिक इन्नोवेशन से अपडेट होंगे। साथ ही टीएमयू की फैकल्टीज यूनिवर्सिटी ऑफ फिलीपींस के कॉलेज ऑफ आर्ट एंड साइंस में मास्टर इन फॉरेंसिक बिहेवियरल साइंस को डवलप करने में मदद करेगी। यूनिवर्सिटी ऑफ फिलीपींस के कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज की डीन डॉ. मां. टेरेसा जीडी गुजमान ने उम्मीद जताई, यह एमओयू हमारे स्टुडेंट्स और फैकल्टीज के लिए मील का पत्थर साबित होगा। एमओयू साइन के मौके पर कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज के एसोसिएट डीन डॉ. जय टी. डालेट, टीएमयू के एसोसिएट डीन डॉ. अमित कंसल, पैरामेडिकल के प्रिंसिपल प्रो. नवनीत कुमार, शेरलॉक इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, दिल्ली के सीईओ डॉ. रंजीत कुमार सिंह, फॉरेंसिक साइंस के एचओडी श्री रवि कुमार, श्री योगेश कुमार, श्री आकाश चौहान आदि की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इस एमओयू के बाद टीएमयू के स्टुडेंट्स कम्युनिटी फॉरेंसिक, हेरिटेज फॉरेंसिक और क्राइम सीन इन्वेसटिगेशन के बारे में ज्ञान का आदान-प्रदान करेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन और ऑफलाइन कॉन्फ्रेंस, सेमिनार, व्याख्यान और गेस्ट लेक्चर्स का भी प्रावधान किया गया है। साथ ही साझा प्रोजेक्ट पर काम कर सकेंगे। उल्लेखनीय है, टीएमयू में कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के फॉरेंसिक साइंस विभाग में यूजी, पीजी के संग-संग पीएचडी सरीखे प्रोग्राम भी चल रहे हैं। इन कोर्सेज में यूपी के अलावा दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर आदि के स्टुडेंट्स भी अध्ययनरत हैं।

शासन के निर्देश पर एसडीएम ने किया कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कांठ (सुदेश बिश्नोई)। शासन के निर्देश पर आज एसडीएम संत दास पवार एवं खंड शिक्षा अधिकारी विकास कुमार ने नगर में स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका

बालिकाएं गणित के सवाल का जवाब नहीं बता पाई, बालिकाओं की उपस्थिति कम पाई गई

विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया' अधिकारियों ने उपस्थिति पंजिका एवं भोजनालय तथा विभिन्न कक्षाओं में जाकर बच्चों के ज्ञान की परीक्षा ली बालिकाओं से गणित के सवाल पूछे जो नहीं बता पाई विद्यालय में बालिकाओं की उपस्थिति भी कम पाई गई' विद्यालय के द्वारा प्रेरणा एप पर उपस्थित 73 दिखाई गई लेकिन मौके पर कम बालिकाएं मौजूद थी ' एसडीएम ने गुरुवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के पास बने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया' उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर भोजनालय एवं विभिन्न कक्षाओं में जाकर बालिकाओं के ज्ञान की परीक्षा ली अनेक बालिकाएं गणित के सवाल का जवाब नहीं बता पाई ' विद्यालय में100 बालिकाएं पंजीकृत हैं लेकिन प्रेरणा एप पर आज 73 बालिकाएं दिखाई गई हैं ' जबकि मौके पर करीब 55 बालिकाएं मौजूद थी ' आकस्मिक निरीक्षण में खंड शिक्षा अधिकारी विकास कुमार भी मौजूद रहे।

दहेज की मांग को लेकर पति ने पत्नी के साथ की मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कांठ (सुदेश बिश्नोई)। थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर भगवानदास गांव की रहने वाली सुदेशना की शादी हिंदू रीति रिवाज के अनुसार साढ़े 6 साल पहले शिवम पुत्र रामकिशन निवासी मोहल्ला प्रकाश नगर ईदगाह थाना पटेल नगर देहरादून के साथ हुई थी । माता-पिता ने हैसियत से ज्यादा दान दहेज दिया था, परंतु दहेज से पति शिवम खुश नहीं था और कम दहेज का ताना देकर मारता पीटता था ।
गरीब होने की वजह से सारे जुल्म सहती रही लेकिन 5 फरबरी को दोपहर 12 बजे उसने मारपीट शुरू कर दी और तन्हा कपड़ों में दोनों बच्चों के साथ घर से निकाल दिया अगले दिन वह गांव आया और गाली गलौच करते हुए 5 लाख की मांग को मना करने पर मारपीट गाली गलौच शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देकर चला गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

बीमारी के चलते पूर्व प्रधान का निधन लोगों ने किया गम का इजहार

बुलन्द संदेश ब्यूरो

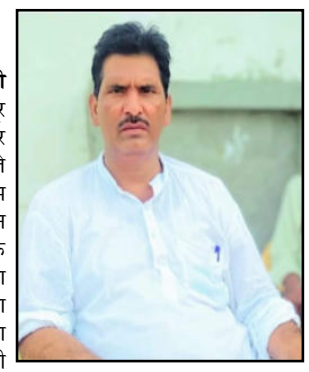

कुन्दरकी (एम.के. भारती सैफी)। क्षेत्र के ग्राम चतूपूर निवासी पूर्व ग्राम प्रधान इसरार खाँ का बीमारी के चलते निधन हो गया । पूर्व ग्राम प्रधान इसरार खांन के निधन की सूचना पर सामाजिक धार्मिक राजनीतिक लोगों का उनके आवास पर जमावड़ा लगा रहा। ग्रामीणों ने बताया कि इसरार प्रधान गुर्दों की बीमारी से पीड़ित थे जिनका उपचार टीएमयू अस्पताल पाकबड़ा से पिछले सात आठ महीने से चल रहा था । बीमारी के चलते ग्राम प्रधान इसरार का निधन हो गया। ग्राम प्रधान इसरार के निधन पर उनके परिजनों का और सगे संबंधियों का रोते-रोते बुरा हाल हो गया । पूर्व ग्राम प्रधान इसरार खान है अपने पीछे पांच बच्चे छोड़े हैं । जिनमें से एक बेटा बेटी विवाहित है एक बेटी दो बेटे अविवाहित हैं । उनके जनाजे की नमाज दोपहर बाद जोहर की नमाज के बाद अदा की गई। और गांव के कब्रिस्तान में उनके जनाजे को सुपुर्दे खाक किया गया । इस मौके पर पूर्व विधायक हाजी मोहम्मद रिजवान, जिला पंचायत सदस्य पति हाजी मोहम्मद रफी, मुशाहिद हुसैन, सईद प्रधान, नसीम खान, आसिफ फाश, हारून प्रधान, नजाकत अली सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं रिश्तेदार आदि लोग मौजूद रहे।

आयोजन कार्यक्रम का शुभारम्भ सुंदरदीप कॉलेज ऑफ लॉ की संकायाध्यक्ष डॉ. उर्मिला जाटव और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा गाँव डूहरी में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

पिलखुवा (गजेन्द्र राठी)। एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के तत्वाधान में सुंदरदीप कॉलेज ऑफ लॉ द्वारा गाँव दुहरी जिला- हापुड़ में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करना था इस कार्यक्रम का शुभारम्भ सुंदरदीप कॉलेज ऑफ लॉ की संकायाध्यक्ष डॉ. उर्मिला जाटव और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया इस शिविर में गाँव डूहरी के गणमान्य व्यक्ति लेखराज सिंह तोमर, अरुण कुमार, [सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक दिल्ली पुलिस] राम अवतार सिंह (रिटायर्ड मेजर सेना पुलिस), जगत सिंह तोमर जी (रिटायर्ड हेडमास्टर), प्रेम पाल सिंह (सदस्य किसान संघ हापुड़) द्वारा विचार व्यक्त किये गए। शिविर के दौरान उन्होंने कहा कि विधिक साक्षरता का महत्व बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आजकल लोग अपने कानूनी अधिकारों के बारे में सही जानकारी न होने के कारण समस्याओं का सामना करते हैं। सभी नेअपने कार्यकाल के अंतर्गत हल किये गए कानूनी विवादों, उनकी उचित कानूनी प्रक्रिया एवं अनुभवों के बारे में ग्रामीणों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी इस शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी पहलुओं जैसे कि महिला अधिकार, श्रम

अधिकार, संपत्ति के अधिकार, और कर्ज से संबंधित कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी गई। शिविर के दौरान, कानूनी विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न मामलों पर चर्चा की गई, जिनमें पारिवारिक विवाद, दहेज प्रथा, और जमीनी विवाद प्रमुख थे। इसके अलावा, कानूनी मदद प्राप्त करने के उपाय और फ्री कानूनी सहायता के बारे में भी बताया गया।इस शिविर के समापन पर सुंदरदीप कॉलेज ऑफ लॉ की संकायाध्यक्ष डॉ. उर्मिला जाटव ने कहा कि सुंदरदीप कॉलेज ऑफ लॉ ग्रामीणों को कानूनी मामलों में सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा उपलब्ध रहेगा यदि किसी भी व्यक्ति को किसी कानूनी विषय पर कोई जानकारी चाहिए तो किसी भी कार्यदिवस में कॉलेज के निशुल्क विधिक सहायता केंद्र से विधिक सहायता प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि और अधिक लोग अपनी कानूनी जानकारी को सुदृढ़ कर सकें। इस अवसर पर सुन्दर दीप ग्रुप के चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष अखिल अग्रवाल एवं कुलपति (प्रो.) डॉ. प्रसनजीत कुमार ने इस विधिक साक्षरता शिविर के आयोजन को सराहनीय बताया।
कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकगण असिस्टेंट प्रोफेसर शिप्रा, आकाश सैनी, सागर सक्सेना, नवम मेहरोत्रा, देवेश रावत और विधि संकाय के छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। इस शिविर में ग्राम पंचायत, के अधिकारीगण कानूनी विशेषज्ञ वीरेंद्र जाटव (वरिष्ठ अधिवक्ता सत्र न्यायालय गाज़ियाबाद), और समाजसेवी शामिल हुए। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों ने इसे बहुत लाभकारी और उपयोगी पाया और आयोजकों का धन्यवाद किया।

बकाया गन्ना मूल्य का शीघ्र भुगतान करें चीनी मिलें : डीएम

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कांठ (सुदेश बिश्नोई)। डीएम अनुज कुमार ने चीनी मिल बिलारी, बेलवाड़ा व अगवानपुर के प्रबंधन को किसानों

के बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान कार्ययोजना बनाकर करने का निर्देश दिए। कलक्ट्रेट सभागार में गन्ना मूल्य भुगतान एवं बसंतकालीन गन्ना बुवाई, कृषकों को वितरित किये जा रहे गन्ना बीज की समीक्षा बैठक में उन्होंने यह निर्देश दिए। डीएम ने बताया कि जिले की चीनी मिलों द्वारा पेराई सत्र 2024-25 में किसानों को 570.80 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया है। उन्होंने गन्ना बुवाई के लिए आवंटित लक्ष्य की शतप्रतिशत पूर्ति निर्धारित मूल्य पर करने को कहा।बैठक में डीएम द्वारा वर्तमान पेराई सत्र में चीनी उत्पादन में आई कमी, चीनी परता तथा चीनी मिलों द्वारा उत्पादित किए जा रहे एथनॉल आदि विषयों पर चर्चा करते हुए निदेर्शों का अनुपालन करने को कहा।
बैठक में चीनी मिल अगवानपुर, बिलारी, बेलवाड़ा व रानीनांगल के अध्यासी, उनके प्रतिनिधि तथा वित्त प्रमुख आदि मौजूद रहे।

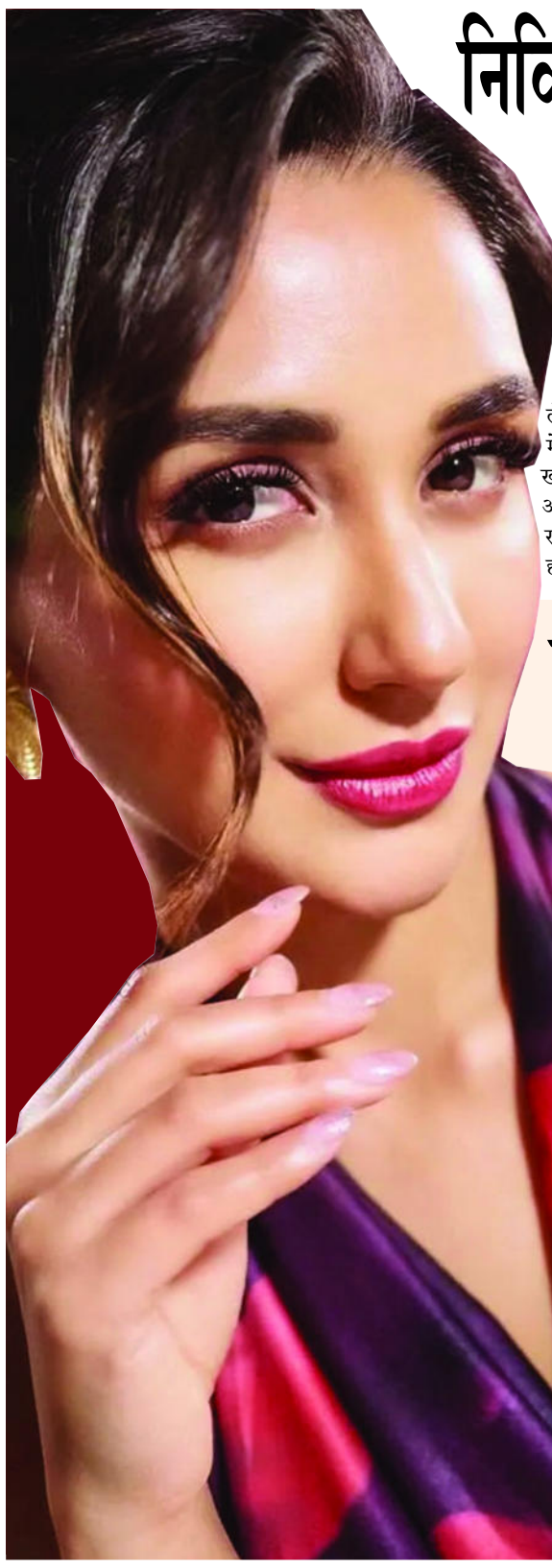

निकिता दत्ता की लेटेस्ट फोटोज ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, एक्ट्रेस की हॉट अदाएं देख दीवाने हुए फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंटरनेट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।बी-टाउन की ग्लैमरस हसीना निकिता दत्ता आए दिन अपनी हॉट और बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पर्पल कलर की हॉल्टर नेक लुक में आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

ग्लैम मेकअप, बालों का हाई बन बनाकर और रेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस निकिता दत्ता जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। निकिता दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

नादानियां का मुख्य गाना जारी, आज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी फिल्म

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। वह काफी समय से अपनी पहली फिल्म नादानियां को लेकर चर्चा में हैं। इसमें इब्राहिम की जोड़ी खुशी कपूर के साथ बनी है।अब निमार्ताओं ने नादानियां का मुख्य गाना जारी कर दिया है, जिसे वरुण जैन, जोनिता गांधी और सचिन-जिगर ने मिलकर गाया है। इस गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। गाने में इब्राहिम-खुशी की बेहतरीन केमिस्ट्री दिख रही है। नादानियां आज 7 मार्च से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली है। शौना गौतम ने इस फिल्म का निर्देशन किया है, वहीं करण जौहर फिल्म के निमार्ता हैं। फिल्म में इब्राहिम ने नोएडा के मध्यमवर्गीय परिवार के एक मेहनती लड़के अर्जुन मेहता का किरदार निभा रहे हैं तो वहीं खुशी इसमें दिल्ली की हिम्मती लड़की पिया जय सिंह की भूमिका में होंगी।खुशी और इब्राहिम के अलावा फिल्म सुनील शेट्टी, महिला चौधरी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

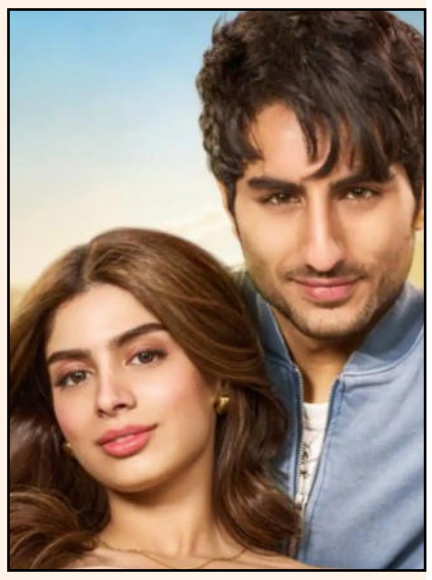

कृति सनोन ने बताया उनका पसंदीदा सीजन आ गया

हममें से ज्यादातर लोगों की तरह, कृति सनोन का भी पसंदीदा मौसम आम का मौसम है। जैसे-जैसे गर्मियाँ आ रही हैं, लुका छुपी की अभिनेत्री ने कुछ स्वादिष्ट आमों का लुत्फ उठाते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इतना ही नहीं, कृति सनोन ने भी आम के रंग की पोशाक पहन रखी थी, जिससे वह अपनी स्वाद कलिकाओं को संतुष्ट कर रही थीं। कृति सनोन ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, मेरा पसंदीदा सीजन आ गया है..जब आप इसके बारे में सोचते हैं तो आपके दिमाग में क्या आता है? मुझे एक ऐसा जवाब दीजिए जो आम से अलग हो!

पिछले हफ्ते, कृति सनोन ने आनंद एल राय की अगली फिल्म तेरे इश्क में के सेट पर अपनी मिठाई की तलब को शांत किया। शूटिंग के दौरान उन्हें कुछ स्वादिष्ट जलेबी खिलाई गईं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक छोटा वीडियो डाला, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, आपको पता चलता है कि आप ञ्चआनंदलराय सर के सेट पर हैं जब....कृति सनोन पहली बार धनुष के साथ तेरे इश्क में में नजर आएंगी। बहुप्रतीक्षित ड्रामा की कहानी हिमांशु शर्मा ने नीरज यादव के साथ मिलकर लिखी है। आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने मिलकर इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस किया है।

टी-सीरीज और कलर येलो के सहयोग से गुलशन कुमार द्वारा प्रस्तुत तेरे इश्क में 2013 की फिल्म रांझणा का आध्यात्मिक उत्तराधिकारी है, जो एकतरफा प्यार और भावनात्मक संघर्ष के विषयों पर गहराई से प्रकाश डालता है। तेरे इश्क में के टीजर में घोषणा की गई, पिछली बार तो कुन्दन था, मान गया पर इस बार शंकर को कैसे रोकोगे? (पिछली बार यह कुन्दन था, उसने इसे स्वीकार कर लिया, लेकिन इस बार आप शंकर को कैसे रोकेंगे?)। वीडियो में धनुष को दीवार पर आग जलाते हुए दिखाया गया है, जिस पर लिखा है, रांझणा की दुनिया से। फिल्म में मुक्ति के रूप में कृति सनोन का पहला लुक सामने आया है, जिसमें वह एक अराजक, युद्ध जैसे दृश्य से गुजरती हुई नजर आ रही हैं, जिसमें वह तनावग्रस्त और टूटी हुई नजर आ रही हैं। वह खुद पर पेट्रोल डालती हैं और लाइटर पकड़कर खुद को आग लगाने की तैयारी करती हैं। तेरे इश्क में 28 नवंबर को हिंदी और तमिल दोनों में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बॉक्स ऑफिस पर सोहम शाह की फिल्म क्रेजी का हाल-बेहाल, चौथे दिन लाखों में सिमटा कारोबार

अभिनेता सोहम शाह की फिल्म क्रेजी को 28 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की हालत पस्त है।

इस फिल्म से निमार्ताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह कुछ खास कमाल दिखा सकी। महज 4 दिन में फिल्म का कारोबार लाखों में सिमट गया है।

अब क्रेजी की कमाई के चौथे दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रेजी ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को 75 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 4.50 करोड़ रुपये हो गया है। बता दें कि क्रेजी ने 1 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरूआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह 1.35 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। तीसरे दिन इस फिल्म ने 1.4 करोड़ रुपये कमाए थे।

क्रेजी में सोहम एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी बेटी के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। उनके किरदार का नाम अभिमन्यु सूद है और उसकी बेटी का अपहरण हो जाता है। नायक अपनी बेटी को छुड़ाने के लिए 5 करोड़ रुपये का इंतजाम करता है।

बता दें कि क्रेजी की एक टिकट पर दूसरी बिल्कुल मुफ्त मिल रही है। टिकट बुक करने के लिए आपको क्रेजी कोड इस्तेमाल करना होगा।

शैंपू से सिर धोने के दो दिन बाद ही बाल चिपचिपे लगते हैं? अपनाएं ये तरीके

क्या आपके बाल शैंपू करने के दो दिन बाद ही चिपचिपे और बेजान लगने लगते हैं? यह समस्या कई लोगों को होती है। इसका कारण गलत देखभाल या कुछ आदतें हो सकती हैं, जो आपके बालों की सेहत पर असर डालती हैं। सही तरीके से बालों की देखभाल करके आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप बालों को लंबे समय तक साफ रख सकते हैं।

सही शैंपू का चुनाव करें

बालों की चिपचिपाहट का एक बड़ा कारण गलत शैंपू का इस्तेमाल हो सकता है। अगर आपके बाल जल्दी चिपचिपे हो जाते हैं तो हल्के और सल्फेट-फ्री शैंपू का चुनाव करें। यह आपके स्कैल्प से अतिरिक्त तेल हटाने में मदद करेगा बिना उसे नुकसान पहुंचाए।

ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा फोम बनाने वाले शैंपू अक्सर अधिक ड्राई कर देते हैं, जिससे स्कैल्प अधिक तेल पैदा करता है।

कंडीशनर का सही इस्तेमाल करें

कंडीशनर का सही इस्तेमाल बालों की सेहत के लिए बहुत जरूरी है। इसे हमेशा बालों के सिरों पर लगाएं, जड़ों पर नहीं।

जड़ों पर कंडीशनर लगाने से स्कैल्प में तेल जमा हो सकता है, जिससे बाल जल्दी चिपचिपे हो सकते हैं।

कंडीशनर को अच्छी तरह से धोना भी अहम है ताकि कोई अवशेष न रह जाए। इससे आपके बाल मुलायम और चमकदार रहेंगे, साथ ही चिपचिपाहट की समस्या भी कम होगी।

गर्म पानी से बचें

गर्म पानी से सिर धोने पर स्कैल्प के प्राकृतिक तेल तेजी से निकल जाते हैं, जिससे स्कैल्प अधिक तेल पैदा करने लगता है और बाल जल्दी चिपचिपे हो जाते हैं।

इसलिए हमेशा गुनगुने या ठंडे पानी का ही इस्तेमाल करें ताकि स्कैल्प का तेल संतुलित रहे और बाल लंबे समय तक साफ रहें। यह तरीका आपके बालों को मुलायम और चमकदार बनाए रखता है, जिससे वे स्वस्थ दिखते हैं।

नियमित रूप से ब्रश करें

बालों को नियमित रूप से ब्रश करना जरूरी है क्योंकि इससे स्कैल्प में जमा प्राकृतिक तेल पूरे बालों में फैल जाता है, जिससे वे स्वस्थ और कम चिपचिपे दिखते हैं।

ब्रशिंग से खून का संचार भी बेहतर होता है, जो बालों को मजबूत बनाता है। ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा ब्रश करना नुकसानदायक हो सकता है क्योंकि इससे बाल टूट सकते हैं। संतुलित मात्रा में ब्रश करें ताकि आपके बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहें।

सूखे शैंपू का उपयोग करें

अगर आपके पास रोजाना बाल धोने का समय नहीं है तो सूखा शैंपू एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

यह आपके बालों में जमा अतिरिक्त तेल को तुरंत सोख लेता है, जिससे वे ताजगी भरे और साफ दिखते हैं।

इसे स्कैल्प पर हल्के से छिड़कें और उंगलियों से मालिश करें ताकि तेल अच्छी तरह से सोख लिया जाए।

यह तरीका खासतौर पर उन दिनों के लिए उपयोगी होता है जब आप जल्दी में हों या यात्रा कर रहे हों।

खान-पान पर ध्यान दें

आपके आहार का सीधा असर आपकी त्वचा और बालों पर पड़ता है।अगर आप ज्यादा तैलीय भोजन खाते हैं तो आपकी त्वचा और स्कैल्प अधिक तेलीय हो सकते हैं। इसलिए संतुलित आहार लेना जरूरी है।अपने खाने में हरी सब्जियां, फल और पर्याप्त मात्रा में पानी शामिल करें। इससे आपकी त्वचा और स्कैल्प स्वस्थ रहेंगे और बालों की चिपचिपाहट भी कम होगी।सही पोषण से बालों की जड़ें मजबूत होती हैं, जिससे बाल लंबे समय तक साफ रहते हैं।

क्यों रोजाना मॉइस्चराइजर का उपयोग करना जरूरी है? यहां जानिए

त्वचा की देखभाल में मॉइस्चराइजर का अहम रोल होता है। चाहे आपकी त्वचा रूखी हो या तैलीय, मॉइस्चराइजर का नियमित उपयोग आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद करता है। यह लेख खासकर महिलाओं के लिए उन कारणों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिनकी वजह से आपको अपनी रोजमर्रा की स्किनकेयर रूटीन में मॉइस्चराइजर को शामिल करना चाहिए। मॉइस्चराइजर न केवल त्वचा की नमी बनाए रखता है बल्कि उसे मुलायम भी बनाता है।

त्वचा की नमी बनाए रखने में है मददगार

मॉइस्चराइजर का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आपकी त्वचा की नमी को बनाए रखता है।

जब आप इसे नियमित रूप से लगाते हैं तो यह आपकी त्वचा को सूखने से बचाता है और उसे मुलायम बनाता है, खासकर सर्दियों के मौसम में जब हवा शुष्क होती है तब मॉइस्चराइजर का उपयोग बहुत जरूरी हो जाता है। इससे आपकी त्वचा फटने या खुरदरी होने से बचती है और उसमें प्राकृतिक चमक बनी रहती है।

उम्र बढ़ने के लक्षणों को कर सकता है कम

उम्र बढ़ने के साथ हमारी त्वचा पर झुर्रियां और महीन रेखाएं दिखने लगती हैं, जिससे चेहरे की ताजगी कम हो जाती है।

नियमित रूप से मॉइस्चराइजर का उपयोग करने से ये लक्षण कम नजर आते हैं। मॉइस्चराइजर त्वचा को नमी प्रदान करता है, जिससे त्वचा में कसावट रहती है और झुर्रियां कम दिखाई देती हैं।

इससे चेहरा जवान और तरोताजा नजर आता है और त्वचा की प्राकृतिक चमक बनी रहती है।

सूरज की हानिकारक किरणों से दे सकता है सुरक्षा

आजकल बाजार में ऐसे कई मॉइस्चराइजर उपलब्ध हैं, जिनमें सनस्क्रीन भी मिला होता है। ये उत्पाद सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से आपकी त्वचा की रक्षा करते हैं। अगर आप बाहर जाती हैं तो इस तरह के मॉइस्चराइजर्स का उपयोग जरूर करें ताकि आपकी त्वचा धूप से बची रहे और टैनिंग जैसी समस्याओं से दूर रहे।

यह आपकी त्वचा को नमी देने के साथ-साथ उसे स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद करता है।

मेकअप बेस के रूप में कर सकता है काम

अगर आप मेकअप करती हैं तो आपको पता होगा कि एक अच्छा बेस कितना जरूरी होता है। मॉइस्चराइजर आपके मेकअप के लिए बेहतरीन बेस तैयार करता है, जिससे आपका मेकअप लंबे समय तक टिकता है और फ्लॉलेस दिखता है।

यह त्वचा में नमी बनाए रखता है, जिससे फाउंडेशन और अन्य प्रोडक्ट्स आसानी से ब्लेंड हो जाते हैं। मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा चिकनी रहती है और चेहरे पर प्राकृतिक चमक भी आती है, जो आपके लुक को निखार देती है।

राजकुमार राव के 15 साल के सिनेमाई सफर का जश्न: आज फिर से सिनेमाघरों में लौटेगी शादी में जरूर आना

बुलन्द संदेश ब्यूरो

लखनऊ (सज्जाद बाकर)। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता राजकुमार राव के हिंदी फिल्म उद्योग में 15 साल पूरे होने के शानदार मौके पर, उनकी बहुप्रशंसित रोमांटिक ड्रामा फिल्म ह्यशादी में जरूर आनाह्न एक बार फिर 7 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।
सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के बैनर तले दीपक मुकुट द्वारा प्रस्तुत और वितरित, तथा सौंदर्या प्रोडक्शंस के विनोद बच्चन द्वारा निर्मित, इस फिल्म का निर्देशन रत्ना सिन्हा ने किया है। 2017 में पहली बार रिलीज हुई यह फिल्म आज भी दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाए हुए है, खासकर मौजूदा वेडिंग सीजन के दौरान इसकी लोकप्रियता और भी बढ़ गई है। फिल्म की विशेष री-रिलीज पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए निर्देशक रत्ना सिन्हा ने कहा,

"ह्यशादी में जरूर आनाह्न 2017 में रिलीज हुई थी और धीरे-धीरे यह दर्शकों के दिलों में बस गई। इसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी। मैंने कई ऐसे लोगों से मुलाकात की है, जिन्होंने यह फिल्म 25 से अधिक बार देखी है, जो इस बात का प्रमाण है कि सत्तू और आरती–राजकुमार राव और कृति खरबंदा के किरदार–दर्शकों से गहरा जुड़ाव रखते हैं। मैं विनोद बच्चन जी की आभारी हूं, जिन्होंने मुझे निर्देशक बनने का अवसर दिया और उन सभी दर्शकों की भी, जिन्होंने फिल्म को इतना स्नेह दिया।
फिल्म के निमार्ता विनोद बच्चन ने कहा,"सिनेमाई दुनिया कालातीत कहानियों पर टिकी होती है, और ह्यशादी में जरूर आनाह्न इसकी बेहतरीन मिसाल है। राजकुमार राव के प्रभावशाली अभिनय ने दर्शकों के दिलों को छू लिया था, और उनके 15 साल पूरे होने के इस खास अवसर को मनाने का इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता था। यह फिल्म हमारे लिए बेहद खास है, और हम इसे फिर से बड़े पर्दे पर लाकर बेहद रोमांचित हैं। फिल्म के प्रस्तुतकर्ता और वितरक दीपक मुकुट ने कहा, "राजकुमार राव का सिनेमाई सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने इंडी सिनेमा से लेकर मेनस्ट्रीम फिल्मों तक अपनी अलग पहचान बनाई है। हमें खुशी है कि हम इस आइकॉनिक फिल्म को नई पीढ़ी के दर्शकों के सामने दोबारा प्रस्तुत कर रहे हैं, साथ ही पुराने प्रशंसकों को इसे बड़े पर्दे पर दोबारा देखने का अवसर मिल रहा है। 7 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में लौट रही ह्यशादी में जरूर आना, एक बार फिर दर्शकों को भावनाओं और रोमांस से भरपूर इस खूबसूरत कहानी का अनुभव करने का मौका देगी।

कानपुर में 10 लाख के लिए दोस्तों ने किशोर को मार डाला, शव बरामद, गिरफ्तार

बुलन्द संदेश ब्यूरो

कानपुर (सुनील बाजपेई)। अपने-अपनी प्रेमिकाओं की जरूरत पूरा करने के लिए फिरौती में 10 लाख की मांग नहीं पूरी करने पर तीन दोस्तों ने अपने ही किशोर साथी की हत्या कर दी। पुलिस ने उसकी लाश कुएं से बरामद करने के साथ ही तीनों दोस्तों को भी गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना बिल्हौर थाना क्षेत्र में हुई।
पुलिस सूत्रों के दावे पर यकीन तो हत्या करने वाले तीनों दोस्तों ने अपनी अपनी प्रेमिकाओं की जरूरत पूरी करने के लिए ही 10 लाख की फिरौती नहीं मिलने पर ही घटना को अंजाम दिया। परिवार वालों ने पुलिस को बताया कि घटना के समय खुर्शीद अनवर जिम जाने के लिए निकला था। इसी दौरान उसके तीन दोस्तों ने उसका अपहरण कर लिया। और फिर 10 लख रुपए की फिरौती मांगनी शुरू की लेकिन जब मांग पूरी नहीं हो पाई तो उन्होंने गांव से एक किलोमीटर दूर उसकी हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया। उसकी हत्या पत्थर से कुचल कर की गई। इसके पहले परिवार वालों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर पुलिस की तलाश में लगातार जुटी हुई थी। इसी दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से तीन आरोपियों - हुसैनी, अनफ और अवशाद को हिरासत में ले लिया है। एक आरोपी अज्जू अभी फरार है। हुसैनी के पास से मृतक का मोबाइल बरामद किया गया है। परिवार वालों ने पुलिस को बताया कि 11 भाई बहनों में मृतक सबसे छोटा था। उसके पिता नजीर अहमद प्रॉपर्टी डीलिंग और घरों में रंग-पुताई का काम करते हैं। एसीपी अमरनाथ यादव ने बताया कि लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के किनारे स्थित कुएं से बरामद खुर्शीद की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

पाक अवैध कब्जे वाले कश्मीर के हिस्से को लौटा दे तो ,विदेश मंत्री जयशंकर ने की पाकिस्तानी पत्रकार की बोलती बंद

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर को उनकी हाजिर जवाबी के लिए जाना जाता है। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों के दौरों पर वह पत्रकारों को भी एकदम सटीक जवाब देते रहे हैं। ब्रिटेन में एक थिंकटैंक के कार्यक्रम में उन्होंने पाकिस्तानी पत्रकार को कश्मीर के मसले पर जो जवाब दिया, उससे उसकी बोलती ही बंद हो गई।
निसार नाम के पाकिस्तानी पत्रकार ने सवाल पूछा था, 'कश्मीर का मसला सुलझ नहीं रहा है। भारत ने कश्मीर पर अवैध रूप से कब्जा जमा रखा है। डोनाल्ड ट्रंप के साथ पीएम नरेंद्र मोदी के साथ दोस्ताना रिश्ते हैं। क्या इन रिश्तों का इस्तेमाल करके पीएम नरेंद्र मोदी कश्मीर की समस्या का हल निकाल सकते हैं। कश्मीर में 70 लाख लोग हैं और उन पर कंट्रोल करने के लिए

10 लाख सैनिक तैनात हैं। पाकिस्तानी पत्रकार का इतना सवाल था कि फिर एस. जयशंकर ने जवाब देना शुरू किया और निसार की बोलती ही बंद हो गई। उन्होंने दोटूक कहा कि कश्मीर के मसले का हल हम लगभग निकाल चुके हैं। इस दिशा में हमने कदम भी उठाए हैं। पहला यह कि आर्टिकल 370 हटाया जा चुका है। इसके अलावा दूसरा कदम यह है कि हमने आर्थिक ग्रोथ के लिए भी कदम उठाए हैं। इससे जम्मू-कश्मीर का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि तीसरा कदम सोशल जस्टिस का है। एस. जयशंकर ने कहा कि अब कश्मीर में किसी भी तरह के सामाजिक अन्याय के लिए जगह नहीं है। इस तरह हमने जम्मू-कश्मीर के मसले को लगभग सुलझा लिया है। अब वही हिस्सा बचा है, जिसे पाकिस्तान ने अवैध कब्जे से ले रखा है। पाकिस्तान उस हिस्से को लौटा दे तो पूरे मसले का ही हल हो जाए। जयशंकर के इस दोटूक जवाब के पाकिस्तानी पत्रकार चुप हो गया, जबकि वह मौजूद ऑडियंस देर तक तालियां बजाती रही।

इंडोनेशिया में अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सम्मेलन किया आयोजित

बुलन्द संदेश ब्यूरो

नई दिल्ली। आईजीबी सुग्रीव स्टेट हिंदू यूनिवर्सिटी बाली,इंडोनेशिया एवं यायासन धर्म स्थापनम संस्था,

रामायण का विश्व साहित्य में विशिष्ठ स्थानः डॉ.इंद्रजीत शर्मा

इंडोनेशिया के सयुक्त तत्वावधान में इंडोनेशिया में अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सम्मेलन आयोजित हुआ। अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सम्मेलन में विदेशों में रामायण का प्रभाव और प्रासंगिकता विषय पर विशिष्ट वक्ता के रूप में बोलते हुवे प्रसिद्ध समाजसेवी, एवं अंतरराष्ट्रीय हिंदी समिति यूएसए के संयोजक डॉ.इंद्रजीत शर्मा ने कहा कि रामायण भारतीय साहित्य का प्रमुख ऐतिहासिक और धार्मिक ग्रन्थ है। मयार्दा पुरूषोतम भगवान श्री राम के अद्भुत व प्रेरणादायक जीवन चरित्र आमजन के मन मस्तिष्क पर अमिट प्रभाव छोड़ता है। रामायण का प्रभाव थाईलैंड,कंबोडिया,इंडोनेशिया, फिलीपींस में प्रभाव देखा जा सकता है।डॉक्टर इंद्रजीत शर्मा ने कहा रामायण ऐसा विशिष्ठ ग्रन्थ है जो भारतीय साहित्य में ही नहीं बल्कि विश्व साहित्य में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है।इस अवसर पर रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 के पोस्टर का लोकार्पण कुलाधिपति प्रो. डॉ. गुस्ती नमुराह सुदीयाना , यायासन धर्म स्थापनम् के प्रमुख आचार्य डॉ. ई.मादे धर्मेयश, अंतरराष्ट्रीय हिंदी समिति यूएसए के संयोजक डॉ. इंद्रजीत शर्मा, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक डॉ.जवाहर कर्नावट, मणिबेन नानावटी महाविद्यालय, मुंबई के हिंदी विभागाध्यक्ष रविंद्र कात्यायन के कर कमलों से हुआ। कार्यक्रम में इंडोनेशिया - भारत के अनेक प्रबुद्धजन , विद्वान और बाली स्थित विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

4 किसानों के बिजली उपकरण चोरी

बुलन्द संदेश ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा (अंशु चौहान)। ग्रेटर नोएडा के अंतगर्त दनकौर कोतवाली क्षेत्र के जगनपुर गांव के जंगल से 4 किसानों के बिजली उपकरण चोरी होने का मामला सामने आया है। गुरुवार को मामले की जानकारी होने पर इस संबंध पीड़ित किसानों ने कोतवाली पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत की है। जिसके बाद पुलिस चोरो की तालाश में जुट गई हैं।पीड़ित किसान रोहतास, वीरेंद्र, राजेन्द्र और ऋषि ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उनके गांव के पास से बुधवार की रात ट्यूबवेल का ताला तोड़कर चोरों ने मोटर समेत अन्य उपकरण चोरी कर लिए। गुरुवार सुबह को खेत पर पहुंचने पर सभी को मामले की जानकारी हुई। पीड़ितों का कहना है कि इससे पहले भी कई किसानों के उपकरण ऐसी ही चोरी हो चुके है। लेकिन पुलिस अभी तक ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि मामले में जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

धूमधाम से मनाया गया मोहम्मद जाकिर हुसैन शाह का 15 वाँ सालाना उर्स मुबारक

बुलन्द संदेश ब्यूरो

अयोध्या (सज्जाद बाकर)। मया टाण्डा सम्पर्क मार्ग पर ग्राम सभा सराय सागर के मजरे जिगिनियाँ गाँव की सरजमीं पर स्थित हजरत बाबा मोहम्मद जाकिर हुसैन शाह रहमतुल्लाह अलैह का 15 वाँ सालाना उर्स मुबारक जिगिनियाँ सरजमीं आस्ताने के खादिम एवं युवा समाजसेवी (खादिमे - अवामुन्नास) मास्टर मुबारक अली इदरीशी की सरपरस्ती में धूमधाम के साथ जश्न के माहौल में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में सुबह कुरानख्वानी ,गुस्ल , सन्दल ,चादरपोशी ,वा लंगरे गौसुल - आजम सहित देर शाम तक तकरीर , नजरों - नियाज एवं महफिले - शमा का प्रोग्राम मुकम्मल हुआ। जिसमें हाफिज वासिद अली सीतापुरी व मौलाना आबिद अली फूलपुरी एवं मौलाना साजिद रजा जलालपुरी ने सरकार गौसे आजम के बयानात पेश किये। उर्स में बंगलौर से आये

पीरे तरीकत रहबरे शरीअत हजरत जनाब सूफी नूर मोहम्मद शाह इम्तियाजी साहब ने मुल्क में अमन - चैन कायम रहने वा मुल्क की सलामती के लिये दुआयें माँगी। इस अवसर पर उर्स मेला आयोजक कमेटी के सदस्य मास्टर राहत अली सलमानी , गुलाम फरीद अहमद , मोहम्मद नसीम शाह वारसी , खादिमे खास मोहम्मद कैफ इदरीशी उर्फ आफ ताब अली,चन्द्रशेखर इण्टर कॉलेज गौहनियाँ बन्दनपुर के सम्मानित प्रबन्धक रामतिलक शर्मा, सरस्वती शिशु मन्दिर मया बाजार के सम्मानित प्रधानाचार्य दयाशंकर शुक्ला, नूर आलम, रसूल आलम, सुजीत कुमार, दीपक शर्मा वा शनि शर्मा सहित बड़ी संख्या में अन्य श्रद्धालुओं वा जायरीनों ने उर्स मुबारक की व्यवस्था सँभाली।

अफहाम ए जमा सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष से मुलाकात करी

बुलन्द संदेश ब्यूरो

लखनऊ। अफहाम-ए-जमा सोसाइटी के प्रतिनिधी मण्डल ने डा० बबीता सिंह चौहान अध्यक्ष राज्य महिला आयोग उ० प्र० से उनके कार्यालय लखनऊ में मुलाकात की प्रतिनिधी मण्डल ने उन्हे मुबारक बाद देते हुए शाल उठाई और फूलो का गुलदस्ता पेश किया प्रतिनिधी मण्डल ने राज्य आयोग कि अध्यक्ष से महिलाओं की सुरक्षा और उन पर होने वाले उत्पीडन के बारे में बात चीत की और साथ ही साथ उन पुरषों के बारे में भी बात की जो कि अपनी पत्नी के द्वारा पीडित है प्रतिनिधी मण्डल ने उनको सोसाइटी द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों से भी अवगत कराया और खासकर सोसाइटी द्वारा पति पत्नी सुलह समझौते करवाने में आने वाली परेशानियों से भी अवगत कराया। प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रुप से सोसाइटी के अध्यक्ष सै० अली मीसम नकवी एडवोकेट, डा० आगा परवेज मसीह, रियाज बेग एडवोकेट, शहनशाह हुसैन एडवोकेट, धमेन्द्र राजपूत एडवोकेट, आदम सुल्तान एडवोकेट, एम० अली मदहोश एडवोकेट, यूषा आबिद एडवोकेट, सै० सैफ नकवी एडवोकेट, राहुल कुमार शर्मा एडवोकेट, मो० मुबीन एडवोकेट, योगेश कुमार मौर्या एडवोकेट, जुलकिफी रिजवी एडवोकेट के अलावा सोसाईटी की महिला प्रभारी श्रीमति मिथलेश सिंह मौजूद थी।

भारतीय टीम सिलेक्शन ट्राइल 2 जूनियर में काकोरी लखनऊ के मिहिर श्रीवास्तव ने टॉप 8 में जगह बनाई

बुलन्द संदेश ब्यूरो

लखनऊ। हाल ही मे मिहिर श्रीवास्तव ने भारतीय टीम ट्राइल के लिए क्वालिफाई किया और भारतीय टीम सिलेक्शन ट्राइल 2 जो कि डॉ करनी सिंह शूटिंग रेंज दिल्ली में 14 फरवरी से 4 मार्च 2025 तक आयोजित हुआ उसमें 10 एयर राइफल जूनियर में 628 का स्कोर करके 8व स्थान प्राप्त किया।
मिहिर श्रीवास्तव ईगल आई शूटिंग स्पोर्ट्स अकादमी प्रयागराज में अपने कोच कैप्टन फरीद उद्दीन व विजय सिंह चंदेल के पास ट्रेनिंग करते

है । मिहिर के कोच से बात करने पर बताया कि मिहिर अब सिलेक्शन ट्रायल 3 एंड 4 देंगे और उनका लक्ष्य है कि वो भारतीय टीम में जगह बनाए वो देश के लिए गोल्ड मेडल जीते। मिहिर अब तक इंडिया ओपन 2 गोल्ड 1 ब्रॉन्ज स्टेट चैंपियनशिप में 2 ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके है। काकोरी के मिहिर श्रीवास्तव को अब तक उत्तर प्रदेश यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, उत्तर प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सांसद रवि किशन, दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर समेत कई बड़ी हस्तियां सम्मानित कर चुकी हैं।

समाज एक कश्ती की तरह है : मौलाना शाहिद जमाल

बुलन्द संदेश ब्यूरो

लखनऊ। महदवी समाज दीनी व समाजी क्लासेज का छठा दिन, शहर ए लखनऊ की अलग अलग जगहों पर होने वाले क्लासेज में शिरकत करने वालों की तरफ से एक अलग ही जज्बा और शौक देखा जा रहा है जिस में 70 साल के बूढ़े लोगों से ले कर औरतें अपने गोद में बच्चों को ले कर क्लासेज में टीचर्स के लेक्बर को बहुत गौर से सुन रही हैं। कल लेक्कर में समाज में अच्छाईओं की दावत और बुराइयों से रोकने के सिलसिले से हमारी ज़िम्मेदारिओं के उन्वान पर था जिसमे मौलाना शाहिद जमाल साहब कि ब्ला ने छोटा इमामबाड़ा हुसैनाबाद, लखनऊ में अपने लेक्चर में कहा कि समाज एक कश्ती (नाव) की तरह है जिसमे सभी लोग सवार हैं, और कोई भी अगर अपनी अपनी करेगा तो एक गलती पूरी नाव को डूबा देगी लेहाजा अगर कसी को नाव में सुराख करते हुए देख कर अगर कोई दूसरा शख्स उसको नजर अंदाज नहीं कर सकता ये नहीं कह सकता कि हम से क्या मतलब ! बल्कि सबकी नेजात एक दुसरे से जुडी हुई है। इसी तरह पडोसी के घर की आग को बढ़ कर बुझाना होगा वरना आग हमारे घर को भी राख में बदल सकती है। समाज में बुराइयों के खिलाफ हमको सतर्क रहना होगा और उस को बर वक़्त रोकने की कोशिश करना होगा वरना समाज बे हिस हो जायेगा फिर बुराइयां अच्छी लगने लगती हैं और फिर धीरे धीरे बुरे लोग हमारे ऊपर हुकूमत करने लगेंगे, अच्छे लोग दुआ करेंगे लेकिन दुआएं कुबूल नहीं होंगी। आखिर में मुल्क ओ कौम की तरक़्क़ी की दुआ हुई और इमाम ए जमाना (अस) की सलामती की दुआ पर क्लास खत्म हुई।

समाज सेवा

साई सुख हरि फाउंडेशन और बाल सदन ने अनाथ बच्चों को वितरित किया भोजन

हर महीने समाज सेवा के लिए प्रतिबद्ध है साई सुख हरि फाउंडेशन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

लखनऊ । जरूरतमंदों की सेवा के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए साई सुख हरि फाउंडेशन ने बाल सदन के सहयोग से अनाथ बच्चों के लिए भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल के तहत संस्था ने बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन परोसा, जिससे वे प्रेम और देखभाल का अहसास कर सकें। इस पुनीत कार्य में ईशान निगम, आशीष निगम, सिद्धांत श्रीवास्तव और ऋधम थापा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बच्चों की मदद के लिए सक्रिय योगदान दिया।
साई सुख हरि फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों की सहायता करना है। संस्था के सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताया और उन्हें भविष्य के प्रति प्रेरित

किया। इस मौके पर फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह अभियान हर महीने आयोजित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके। संस्था के प्रवक्ता ने कहा, "हमारा उद्देश्य सिर्फ भोजन वितरित करना नहीं, बल्कि समाज में प्रेम और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना भी है। इस अवसर पर बाल सदन के प्रबंधकों ने भी साई सुख हरि फाउंडेशन के इस सराहनीय प्रयास की सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के कार्यों में सहयोग देने की इच्छा जताई। इस पहल से न केवल बच्चों को खुशी मिली, बल्कि समाज में सेवा और परोपकार का संदेश भी पहुंचा। साई सुख हरि फाउंडेशन आगे भी समाज के उत्थान के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची सेवा है साई सुख हरि फाउंडेशन।

सड़क पार कर रहे बुजुर्ग मे अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, गंभीर

बुलन्द संदेश ब्यूरो

सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और घायल को कस्बे के एक निजी अस्पताल मे भर्ती कराया

जेवर (इनामुलहक)। गांव साबौता के एक बुजुर्ग व्यक्ति मे गुरुवार की सुबह गांव रामनेर के पास सड़क पार करते समय किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे मे बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और घायल को कस्बे के एक निजी अस्पताल मे भर्ती कराया।
गांव साबौता निवासी भिषम (69) गुरुवार की सुबह गांव रामनेर के पास स्थित अपने खेत पर पैदल जा रहे थे। जब वह खेत के पास पहुंचे तो, वह सड़क के दूसरी ओर जाने के लिए सड़क को पार करने लगे, तभी किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनमे टक्कर मार दी। हादसे मे बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे की सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और घायल को लेकर कस्बे के एक निजी अस्पताल मे भर्ती कराया, जहां उनका गंभीर अवस्था मे इलाज चल रहा है।

मुद्रक, प्रकाशक व संपादक अब्दुल सलाम सैफी ने बुलन्द मीडिया कम्यूनिकेशन प्रा0लि0 के लिए साई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 , सेक्टर 7 नोएडा जिला गौतमबुद्धनगर से छपवाकर 106 सूर्या कनिष्क अपार्टमेंट सैक्टर 4,वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंव एडिटर इन चीफ प्रदीप कुमार अग्रवाल , ममदूद आलम वारसी (उप सम्पादक), अब्दुल सलाम सैफी (संपादक) मो0:- 9457159115, 9810113170, 9910073407, *सभी विवादों का कार्य क्षेत्र न्यायालय गाजियाबाद होगा।* mail Id:- BulandSandesh@Gmail.Com WebSite:- WWW.BulandSandesh.Com RNI NO:- UPHIN/2013/57267